@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 20 जून 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 226 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन में मप्र ने हासिल की बहुआयामी उपलब्धियां : द्रौपदी मुर्मु

राष्ट्रपति ने मप्र में सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन में हुई सामुदायिक भागीदारी को सराहा

एजेंसी

खंडवा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सिकल सेल एनीमिया के प्रति जागरूकता, समय पर जांच और इलाज को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में सवा करोड़ लोगों के स्क्रीनिंग का लक्ष्य समय से पहले पूरा हुआ है। राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन अंतर्गत मध्य प्रदेश ने जो बहुआयामी उपलब्धियां हासिल की हैं। इसके लिए मैं राज्य सरकार की सराहना करती हूं।

राष्ट्रपति मुर्मु शुक्रवार को मध्य प्रदेश के खण्डवा जिले के ओंकारेश्वर में विश्व सिकल सेल दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सिकल सेल दिवस पर इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। इस आयोजन से जुड़े सभी लोगों का कार्य सराहनीय है।

उन्होंने कहा कि यह संतोष की बात है कि वर्ष 2023 में राष्ट्रीय मिशन का शुभारंभ करते समय जो अनेक बड़े लक्ष्य देश के सामने रखे गए थे, उनमें से स्क्रीनिंग का लक्ष्य समय से पहले ही पूरा हो गया। मुझे बताया गया है कि नवजात शिशुओं से लेकर 40 वर्ष की आयु तक के 7 करोड़ लोगों की स्क्रीनिंग का लक्ष्य पूरा हो चुका है। यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। यह पूरे विश्व में आनुवंशिक रोगों की जाँच-परख की सबसे बड़ी पहलों में से एक है। इस उपलब्धि में मध्य प्रदेश का महत्वपूर्ण योगदान है। प्रदेश में अब तक सवा करोड़ से भी अधिक लोगों की स्क्रीनिंग हो चुकी है। इनमें से

अधिकांश लोगों को जेनेटिक काउंसलिंग कार्ड भी दिये जा चुके हैं।

उन्होंने कहा कि सिकल सेल से जुड़ी चुनौती को भारत सरकार ने बहुत ही गंभीरता से लिया और पिछले कुछ वर्षों में एक समग्र दृष्टि से सरकार ने जो प्रयास किये हैं, वे अत्यंत सराहनीय हैं। लगभग तीन वर्ष पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्य प्रदेश के शहडोल से राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन को लॉन्च किया था। इस पहल के पीछे न केवल सरकार का गंभीर प्रयास का दृढ़ संकल्प था बल्कि इस चुनौती से जुड़े हर आयाम का समुचित प्रतिक्रिया देने की दूरदर्शी सोच भी थी। उन्होंने कहा कि मुझे बताया गया है कि केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और केन्द्रीय जनजातीय मंत्रालय के संयुक्त मॉडल के रूप में देश में पहली बार ऐसा मिशन प्रारंभ किया। इसे केवल स्वास्थ्य से जुड़ी समस्या के रूप में नहीं देखा गया, इसे जनजातीय स्वास्थ्य का मुद्दा, आनुवंशिकता से जुड़ी जागरूकता और प्रिवेंटिव हेल्थ केयर की चुनौती के साथ ही सामाजिक आचरण में बदलाव के मिशन के रूप में देखा गया। इस मिशन की पृष्ठभूमि में अनेक स्तरों पर किये गये वैज्ञानिक और सामाजिक अध्ययन रहे हैं। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि आईसीएमआर, आदिवासी स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, एम्स, एनएचएम, डब्ल्यूएचओ और विभिन्न राज्य सरकारों ने इस विषय के विभिन्न आयामों पर अध्ययन किया हैं। इनसे मुख्य रूप से यह आंकलन सामने आया कि भारत में लगभग 2 से 2.5 करोड़ लोग सिकल सेल जीन के वाहक हो सकते हैं। लाखों लोग सक्रिय रोग से पीड़ित हैं। सबसे अधिक प्रभाव मध्य भारत की जनजातीय क्षेत्र में है। अनेक परिवार पीढ़ियों से इस रोग से प्रभावित थे लेकिन उन्हें बीमारी का नाम तक मालूम नहीं था।

तीन साल में अपराधी को सजा तक पहुंचाने वाली व्यवस्था बनाना लक्ष्य : अमित शाह

● अब आवश्यकता इस बात की है कि पूरी न्याय प्रणाली नागरिकों के अधिकारों की रक्षा का प्रभावी साधन बने।

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि देश की आपराधिक न्याय प्रणाली को ऐसा प्रभावी माध्यम बनाया जाना चाहिए, जो प्रत्येक नागरिक को संविधान प्रदत्त अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित कर सके।

उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति के शरीर, संपत्ति या सम्मान से जुड़े अधिकारों का उल्लंघन होता है और वर्षों तक अपराधी को दंड नहीं मिलता, तो ऐसी व्यवस्था न्यायसंगत नहीं कही जा सकती। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के सरदार

वल्लभभाई पटेल सभागार में आयोजित 26वें अखिल भारतीय फिंगरप्रिंट सम्मेलन-2026 को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि वर्ष 2019 में आपराधिक न्याय प्रणाली में व्यापक बदलाव लाने का अभियान शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य कानूनों को आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप बनाना, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को जांच प्रक्रिया का अनिवार्य हिस्सा बनाना तथा एफआईआर से लेकर अपराधी को दोषसिद्ध कराने तक की प्रक्रिया को तीन वर्ष के भीतर पूरा करना है। उन्होंने कहा कि देश वर्तमान में आपराधिक न्याय प्रणाली के परिवर्तन काल से गुजर रहा है। पहले थाना केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने का माध्यम माना जाता था, लेकिन समय के साथ उसकी भूमिका अपराध नियंत्रण और जांच-पड़ताल तक विस्तारित हुई। अब आवश्यकता इस बात की है कि पूरी न्याय प्रणाली नागरिकों के अधिकारों की रक्षा का प्रभावी साधन बने।

● गृहमंत्री ने राष्ट्रीय स्वचालित फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली (एनएएफआईएस) की सराहना करते हुए कहा कि इसके जरिए कई जटिल मामलों को सुलझाने में सफलता मिली है, लेकिन इसका उपयोग अभी भी संभावित क्षमता का केवल 10 प्रतिशत ही हो रहा है।

रेल मंत्री ने छपरा-आनंद विहार सुपरफास्ट एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

बिहार में बुलेट ट्रेन लाने की घोषणा

एजेंसी

सारण। सारण जिले के लोगों के लिए शुक्रवार का दिन तब ऐतिहासिक बन गया, जब केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने छपरा जंक्शन से आनंद विहार साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नई ट्रेन सेवा की शुरुआत से क्षेत्र में खुशी और उत्साह का माहौल देखा गया। लोगों ने इसे दिल्ली-एनसीआर से बेहतर रेल संपर्क की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

इससे पहले पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव विशेष ट्रेन से छपरा पहुंचे और स्टेशन परिसर में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि छपरा की धरती ऐतिहासिक और प्रेरणादायी रही है। इसी धरती ने देश को लोकनायक जयप्रकाश नारायण जैसा महान व्यक्तित्व दिया, जिन्होंने आपातकाल के दौरान लोकतंत्र और

स्वतंत्रता की रक्षा के लिए संघर्ष किया।रेल मंत्री ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, सांसद राजीव प्रताप रूडी, सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल तथा अन्य जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बिहार में रेलवे विकास को अभूतपूर्व गति मिली है। उन्होंने कहा कि पहले बिहार को रेलवे परियोजनाओं के लिए सीमित बजट मिलता था, लेकिन अब रेल बजट को बढ़ाकर 10 हजार करोड़ रुपये कर दिया गया है।

मेकेदाटु परियोजना पर कांग्रेस दोहरा रवैया अपना रही, कर्नाटक के हितों से समझौता कर रही है : आर. अशोक

एजेंसी

बेंगलुरु। मेकेदाटु बांध परियोजना को लेकर कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और कांग्रेस नेतृत्व पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस कर्नाटक और तमिलनाडु में अलग-अलग रुख अपनाकर राज्य के हितों से समझौता कर रही है तथा गठबंधन राजनीति के लिए कर्नाटक के हितों की बलि चढ़ा रही है।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी बयान में आर. अशोक ने कहा कि कांग्रेस ने एक बार फिर अपना वास्तविक चेहरा उजागर कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी कांग्रेस के सामने कर्नाटक के हितों और राजनीतिक समीकरणों के बीच चयन की स्थिति आती है, तब वह राज्य के हितों को प्राथमिकता देने के बजाय राजनीतिक हितों को आगे रखती है। अशोक ने कहा कि तमिलनाडु में सत्तारूढ़ गठबंधन खुले तौर पर मेकेदाटु परियोजना का विरोध कर रहा है और वहां कांग्रेस भी विरोधी पक्ष के साथ खड़ी नजर आती है। दूसरी ओर कर्नाटक में कांग्रेस नेता स्वयं को परियोजना का समर्थक बताते हुए पदयात्राएं निकालते हैं और जनता के बीच इसे राज्य के जल अधिकारों से जोड़कर प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल दोहरा मापदंड नहीं, बल्कि राजनीतिक विश्वासघात की पराकाष्ठा है।

प्रधानमंत्री मोदी की जी-7 शिखर सम्मेलन और स्वोवाकिया यात्रा ने वैश्विक मंच पर बढ़ाया भारत का कदः भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हालिया जी-7 शिखर सम्मेलन और स्वोवाकिया यात्रा ने वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा को और मजबूत किया है। पार्टी के अनुसार, किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली स्लोवाकिया यात्रा थी और वहां प्रधानमंत्री मोदी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया। भाजपा मुख्यालय में शुक्रवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में पार्टी के

राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि भाजपा के कार्यकाल में ही भारत को जी7 में विशेष आमंत्रित सदस्य के तौर पर शामिल किया गया था। उन्होंने कहा कि जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और कई देशों के साथ द्विपक्षीय वार्ताएं कीं। भारत ने जी-7 देशों के समक्ष इंटरनेशनल मोबिलाइजेशन पार्टनरशिप फॉर एक्सेलेरेटिंग कनेक्टिविटी एंड ट्रेड (इंपैक्ट) का प्रस्ताव रखा, जिसमें सदस्य देशों ने रुचि दिखाई। यह भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को अब तक 33 अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिल चुके हैं, जो विश्व स्तर पर उनके नेतृत्व की स्वीकार्यता को दर्शाते हैं।

राममंदिर चढ़ावा विवाद पर सीएम योगी बोले-

एसआईटी दूध का दूध और पानी का पानी करेगी

एजेंसी

अयोध्या। राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित अनियमितताओं के विवाद के बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को स्पष्ट कहा कि मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी निष्पक्ष तरीके से काम कर रही है और 'दूध का दूध, पानी का पानी' करके रहेगी। उन्होंने सभी पक्षों से जांच पूरी होने तक बयानबाजी से बचने की अपील करते हुए कहा कि यदि किसी के पास कोई दस्तावेजी साक्ष्य है तो उसे एसआईटी को सौंपना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी दोषी होगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा, लेकिन जांच प्रभावित करने वाली अनर्गल टिप्पणियों से बचना जरूरी है। अयोध्या दौरे पर 245 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि रामभक्तों ने प्रभु राम के मंदिर के लिए 500 वर्षों तक मर्यादा और धैर्य के साथ संघर्ष किया है। उन्होंने कहा, '15 दिन और इंतजार कर लीजिए,

चिंता करने की जरूरत नहीं है। जांच एजेंसी अपना काम कर रही हैं।' मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों विशेषकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जो लोग अतीत में रामभक्तों और कारसेवकों पर गोली चलाने के लिए जाने जाते हैं, वे आज रामभक्ति और अयोध्या के सम्मान का पाठ पढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दल कभी नहीं चाहते थे कि अयोध्या को वैश्विक पहचान मिले और आज भी वे अयोध्या की उपलब्धियों को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं।

सीएम योगी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि राम मंदिर निर्माण का विरोध करने वाले और भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल खड़े करने वाले लोग आज रामभक्तों के सम्मान की बात कर रहे हैं। वहीं समाजवादी पार्टी पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने अयोध्या से दूरी बनाए रखी और अपने नेताओं को भी यहां आने से रोका, वे अब अयोध्या और रामभक्ति के मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ओडिशा में 25,016 करोड़ की कोयला गैसीकरण परियोजना का करेंगे शिलान्यास

देश की पहली वाणिज्यिक स्तर की कोयले-से-अमोनियम नाइट्रेट उत्पादन परियोजना

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने, आयात प्रतिस्थापन और औद्योगिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए शनिवार (20 जून) को ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले के लखनपुर में 25,016 करोड़ रुपये की कोयला गैसीकरण परियोजना की आधारशिला रखेंगे। कोयला मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि कोयला गैसीकरण प्रोत्साहन पहल से कोयला उत्पादक क्षेत्रों में 25 परियोजनाओं में 2.5 से 3 लाख करोड़ रुपये के निवेश को बढ़ावा मिलने और लगभग 50 हजार प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने की उम्मीद है। लखनपुर परियोजना देश की पहली वाणिज्यिक स्तर की कोयला-से-अमोनियम नाइट्रेट उत्पादन में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। ये परियोजना एमसीएल के कब्जे वाली लगभग 350 एकड़ भूमि पर बनेगी, जिसे आवश्यक मंजूरी मिल चुकी है और शिलान्यास समारोह के बाद काम शुरू होने की उम्मीद है। कोयला मंत्रालय ने इस तरह की परियोजनाओं के लिए कोयला युक्त भूमि के उपयोग को मंजूरी दी है और प्रोत्साहन योजना के तहत 1,350 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान कर रहा है।

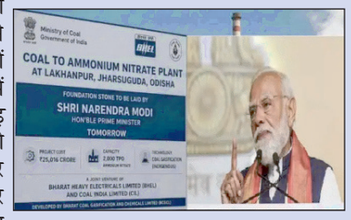

तृणमूल नेता गौतम देव ने सिलीगुड़ी के मेयर पद से दिया इस्तीफा

सिलीगुड़ी। सिलीगुड़ी नगर निगम के मेयर गौतम देव ने शुक्रवार को अपने पद से इस्तीफे दे दिया है। जानकारी के अनुसार, उन्होंने अपने पद से इस्तीफा देने का फैसला पार्टी नेतृत्व को पहले ही बता दिया था। जिसके बाद उन्होंने शुक्रवार को प्रशासन के पास औपचारिक रूप से अपना इस्तीफा सौंपा। हाल ही में उन्हें तृणमूल कांग्रेस की दार्जिलिंग जिला (समतल) कमेटी का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। माना जा रहा है कि पार्टी चाहती है कि वह संगठनात्मक कामकाज में अधिक सक्रिय भूमिका निभाएं। सूत्रों की मानें तो बदले राजनीतिक परिस्थितियों में प्रशासनिक कामकाज सुचारू रूप से नहीं कर पाने की वजह से उन्होंने यह निर्णय लिया है। गुरुवार को मेयर परिषद के साथ हुई बैठक में भी उन्होंने इस्तीफा देने की इच्छा जाहिर की थी। गौतम देव का राजनीतिक करियर काफी अहम रहा है। 2011 में राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद उन्हें उत्तर बंगाल विकास विभाग का मंत्री बनाया गया।

भारत तय समय से पहले हासिल करेगा रक्षा उत्पादन और निर्यात का लक्ष्यः राजनाथ सिंह

नागपुर में 10 हजार टन क्षमता वाली एल्युमिनियम एक्सट्रूजन प्रेस का उद्घाटन

एजेंसी

नागपुर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में पूर्ण आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और रक्षा उत्पादन तथा निर्यात के तय लक्ष्यों को निर्धारित समय से पहले हासिल करने की राह पर है। नागपुर स्थित ऑर्डनेंस फैक्ट्री अंबाझरी (यान्त्र इंडिया लिमिटेड) में 10,000 टन क्षमता वाले एल्यूमीनियम एक्सट्रूज़न प्रेस की आधारशिला रखने के बाद, उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक भू-राजनीतिक परिस्थितियों में सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं के लिए आयात पर निर्भर रहना उचित नहीं है। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री

देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद रहे। राजनाथ सिंह ने कहा कि जो देश अपनी जरूरतों को स्वयं पूरा करने में सक्षम होता है, वही अपने राष्ट्रीय हितों की सबसे बेहतर तरीके से रक्षा कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह नई परियोजना आयात आधारित व्यवस्था से स्वदेशी रक्षा विनिर्माण की ओर एक बड़ा बदलाव साबित होगी। रक्षा मंत्री ने बताया कि पिछले एक दशक में तकनीक, कुशल मानव संसाधन, ज्ञान और राष्ट्रीय विश्वास के बल पर भारत के रक्षा क्षेत्र में व्यापक बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में देश का कुल रक्षा उत्पादन बढ़कर 1.78 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है, जबकि वर्ष 2014 में यह केवल 46 हजार करोड़ रुपये था। इसी तरह रक्षा निर्यात भी बढ़कर 38,424 करोड़ रुपये हो गया है, जो 2014 में एक हजार करोड़ रुपये से भी कम था। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत जल्द ही 3 लाख करोड़ रुपये के रक्षा उत्पादन और 50 हजार करोड़ रुपये के रक्षा निर्यात का लक्ष्य तय समय से पहले हासिल कर लेगा। राजनाथ सिंह ने ऑर्डनेंस फैक्ट्री बोर्ड (ओएफबी) के पुनर्गठन और उसे रक्षा सार्वजनिक उपक्रमों में बदलने के फैसले को सफल बताया। उन्होंने कहा कि इस बदलाव के बाद उत्पादन और निर्यात दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

किश्तवाड़ में आतंकियों का नेटवर्क ध्वस्त

गिरफ्त में आए दो सहयोगी

एजेंसी

किश्तवाड़। किश्तवाड़ जिले में आतंकियों की मदद करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें वन विभाग का एक कर्मचारी भी शामिल है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि किश्तवाड़ जिले के डच्चन इलाके के टंडर निवासी तारिक अहमद गिनू (वन विभाग में सरकारी कर्मचारी) और मोहम्मद इकबाल को गिरफ्तार किया गया है। ये गिरफ्तारियां किश्तवाड़ पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम और शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत दर्ज एक मामले की जांच के दौरान की गई। पुलिस ने कहा कि ये दोनों स्थानीय आतंकियों की मदद करने और उन्हें सहायता उपलब्ध कराने में शामिल थे। इससे पहले इसी मामले में चत्रू इलाके के दो अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया गया था। किश्तवाड़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नरेश सिंह ने कहा कि ये गिरफ्तारियां विस्तृत जांच के बाद की गई और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने की कोशिशें जारी हैं। उन्होंने कहा कि जांच चल रही है और जो भी इसमें शामिल पाया जाएगा, उसके खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

श्रीनगर सीमेंट फैक्ट्री में चिमनी फटने से आग, 7 मजदूर झुलसे, एक गंभीर

श्रीनगर (एजेंसी)। श्रीनगर के बाहरी इलाके खोनमोह स्थित एक सीमेंट फैक्ट्री में गुरुवार देर रात चिमनी में आग लगने से सात मजदूर झुलस गए। इनमें एक मजदूर की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि अन्य छह अस्पताल में उपचाराधीन हैं। गुरुवार देर रात हुए इस हादसे में फैक्ट्री की चिमनी में अचानक आग लग गई, जिससे वहां काम कर रहे श्रमिक आग और तेज गर्मी की चपेट में आ गए। फैक्ट्री प्रबंधन और राहत दल ने तत्काल बचाव अभियान शुरू कर सभी घायलों को श्रीनगर के एसएमएचएस अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि गंभीर रूप से झुलसे मजदूर को विशेष चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। पुलिस ने बताया कि गंभीर रूप से झुलसे मजदूर की हालत नाजुक बनी हुई है, जबकि बाकी छह मजदूरों की स्थिति स्थिर है। इस बीच पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए एक विशेष टीम गठित की गई है। जांच के दौरान यह भी देखा जाएगा कि फैक्ट्री में निर्धारित सुरक्षा मानकों और अनिवार्य सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा था या नहीं। प्रशासन ने कहा है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। शुरुआती जांच में जो तथ्य सामने आया है, उसके बाद कार्रवाई की जा रही है।

बिहार में तेज प्रताप यादव के खिलाफ एफआईआर : आरोप-प्रत्यारोप का दौर

पटना (एजेंसी)। बिहार में एक नया राजनीतिक विवाद तब खड़ा हो गया जब कोर्ट के आदेश पर जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव के खिलाफ पाटलिपुत्र पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। यह मुकदमा अनुष्का के भाई आकाश यादव ने दर्ज कराया है, जिनका नाम सार्वजनिक रूप से तेज प्रताप से जोड़ा जाता रहा है। बिहार पुलिस ने आरोपों की जांच शुरू कर दी है। एएसपी दिव्यांजलि जायसवाल के अनुसार, शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि उन्हें जान से मारने की धमकी मिली है और उन्होंने सबूत के तौर पर ऑडियो रिकॉर्डिंग भी सौंपी है। पुलिस का कहना है कि ये धमकियां कथित तौर पर अमेरिका के एक नंबर से फोन करके दी गई थीं। एफआईआर के मुताबिक, यह घटना 6 जून को हुई थी, जब तेज प्रताप और उनके सहयोगी मोतीलाल यादव कथित तौर पर पाटलिपुत्र इलाके में आकाश यादव के घर गए थे, जबकि आकाश खाटू श्याम की तीर्थयात्रा पर गए हुए थे। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उन्होंने जबरन घर में घुसने की कोशिश की और वहां मौजूद परिवार के सदस्यों को धमकी दी। आकाश यादव की ओर आरोप लगाया गया है कि उनके परिवार को लेकर धमकियां दी गईं और बाद में उन्हें मोतीलाल और एक अन्य व्यक्ति का फोन आया, जिसने खुद को एक आपराधिक गिरोह का सदस्य बताया। शिकायत के अनुसार, कॉलर ने उन्हें तेज प्रताप के खिलाफ सार्वजनिक रूप से कुछ भी न बोलने की चेतावनी दी।

शोपियां में लापता तीन युवक विस्फोटक के साथ गिरफ्तार, आतंकी संगठन से संबंध का शक

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षा बलों ने दक्षिण कश्मीर के शोपियां में सर्च ऑपरेशन के दौरान 31 मई से लापता चल रहे तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। इन युवकों के पास से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री और आपत्तिजनक सामान बरामद हुआ है। प्रारंभिक जांच में इनके तार आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े होने की आशंका जाहिर की गई है। सुरक्षा बलों ने गिरफ्तार किए युवकों के पास से दो हैंड ग्रेनेड, 2.5 किलोग्राम पीईके (प्लास्टिक एक्सप्लोसिव किरकी), चार मोबाइल फोन और आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन से संबंधित पोस्टर बरामद किए हैं। ये गिरफ्तारियां दक्षिण कश्मीर जिले के पुडसू इलाके से की गईं। गिरफ्तार युवकों की पहचान एजाज अहमद खांडे, अरबाज अहमद मीर और नासिर अहमद डार के रूप में हुई है, जो सभी शोपियां जिले के बेगामा के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार, ये तीनों 31 मई से अपने घरों से लापता थे और माना जा रहा है कि वे हिजबुल मुजाहिदीन में शामिल हो गए थे। वर्तमान में पुलिस इन तीनों से गहन पूछताछ कर रही है ताकि आतंकी मॉड्यूल, भर्ती प्रक्रिया और उनके सहयोगियों के बारे में अधिक जानकारी जुटाई जा सके। पुलिस ने संकेत दिया है कि इस मामले में आगे और गिरफ्तारियां या सामग्री की बरामदगी हो सकती है। जांच एजेंसियां इनके सीमा पार के आतंकी आकाओं से संभावित संबंधों की भी पड़ताल कर रही हैं, जो क्षेत्र में शांति भंग करने की कोशिश कर रहे हैं।

बिहार एनकाउंटर पर बीजेपी ने उठाए सवाल, शाह और सीएम से जांच की मांग

भोजपुर (एजेंसी)। बिहार के भोजपुर जिले में हुए एक पुलिस एनकाउंटर पर भारतीय जनता पार्टी ने ही सवाल खड़े कर दिए हैं। बिलौटी गांव में भरत भूषण तिवारी के कथित एनकाउंटर को लेकर पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा और पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से बड़ी मांग की है। बीजेपी नेता सिन्हा ने घटना पर दुख जताकर कहा कि जनता के मन में उठ रहे सवालों और चिंताओं का निष्पक्ष उत्तर सामने आना चाहिए। उन्होंने एनडीए सरकार द्वारा संबंधित पुलिसकर्मियों के निलंबन को स्वागतयोग्य बताया, लेकिन स्पष्ट किया कि न्याय केवल प्रारंभिक कार्रवाई से पूरा नहीं होता। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि सच्चाई सामने आ सके और किसी भी आशंका की गुंजाइश न रहे। सिन्हा ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस का दायित्व है, लेकिन कोई भी कानून से ऊपर नहीं हो सकता। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जांच में अधिकारों के दुरुपयोग या लापरवाही की पुष्टि होती है, तब दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। यह मामला केवल एक व्यक्ति की मौत का नहीं, बल्कि कानून और न्याय व्यवस्था पर जनता के विश्वास से भी जुड़ा है। दूसरी ओर, पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने एनकाउंटर को गलत करार दिया है। उन्होंने कहा कि भरत भूषण तिवारी की पुलिस प्रशासन द्वारा आत्मसमर्पण के उपरांत गोली मारकर नृशंस हत्या कर दी गई, जो हृदय विदारक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह नहीं है। पूर्व केंद्रीय मंत्री चौबे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से इस निर्मम हत्या पर संज्ञान लेने और हत्यारे पुलिस प्रशासन के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करते हुए उच्चस्तरीय जांच का आदेश देने की अपील की। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से भी आग्रह किया कि वे 48 घंटे के भीतर हत्यारों को जेल भेजकर बिहार में सुशासन का परिचय दें।

दल-बदल रोकने की याचिका सुप्रीम कोर्ट से खारिज, सीजेआई ने पूछा पार्टी का नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजनीतिक दलों में नेताओं के दल-बदल को रोकने की मांग करने वाली याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किया। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) ने याचिका पर सुनवाई से इंकार कर याचिकाकर्ता से पूछा कि वे किस पार्टी की बात कर रहे हैं। याचिका में नेताओं के भ्रष्टाचार और दल-बदल में शामिल होने का आरोप लगाया गया था।

वकील सी.आर. जया सुकिन ने बताया कि देश में पार्टियों के नेता या रिश्वत लेकर भ्रष्टाचार में लिप्त हैं या धमकियां देकर परिवार के सदस्यों को नुकसान पहुंचाने की बात कर रहे हैं, ताकि उन्हें पार्टी बदलने पर मजबूर कर सके। सुकिन ने तर्क दिया कि यह लोकतंत्र को तबाह करने जैसा है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक राज्य पूर्वी भारत में और दूसरा मध्य भारत में है, जहाँ पार्टी नेता लगातार दल बदल रहे हैं। याचिकाकर्ता ने जोर दिया कि विधानसभा अध्यक्षों को नेताओं के इस्तीफे की जांच करनी चाहिए, क्योंकि वे अक्सर मीडिया के सामने इस्तीफे स्वीकार कर लेते हैं और कुछ ही मिनटों में नेता दूसरी पार्टी में शामिल हो जाते हैं।

याचिकाकर्ता की दलीलें सुनने के बाद सीजेआई ने सवाल किया, आप किस सत्तारूढ़ दल की बात कर रहे हैं? आपके राज्य में तब पार्टियां बदलती रहती हैं। उन्होंने याचिका को अस्पष्ट और सामान्य आरोपों पर आधारित बताकर खारिज कर दिया। सीजेआई ने कहा कि आरोपों के समर्थन में कोई भी सबूत पेश नहीं किया गया है और इसतरह के मामलों में अदालत के दखल देने का कोई आधार नहीं दिखाता है।

यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब देश के विभिन्न हिस्सों में दल-बदल की खबरें लगातार सुर्खियां बटोर रही हैं। हाल ही में, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 20 सांसदों ने वरिष्ठ नेता काकोली घोष दस्तीदार के नेतृत्व में पार्टी से अलग होकर नेशनल सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में विलय कर लिया। राज्य में विधायकों ने भी अपना अलग गुट बना लिया है और कोर्ट ने भी रीताब्रता बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता दी है। महाराष्ट्र में भी ऐसी ही अटकलें लगाई जा रही हैं कि शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) के छह सांसद जल्द ही पार्टी छोड़ सकते हैं और शिवसेना को अपना समर्थन दे सकते हैं। ये संकेत तब और पुख्ता हुए जब गुरुवार को पार्टी के संसदीय दल की बैठक में 9 में से केवल 6 सांसद ही उपस्थित हुए।

सपा पर हमलावर राजभर की पार्टी में टूट का दावा, खुद के तीन विधायक बागी!

लखनऊ (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और महाराष्ट्र में शिवसेना में टूट के दावों के बीच, उत्तर प्रदेश में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के मुखिया और योगी सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर इन दिनों समाजवादी पार्टी (सपा) पर हमलावार हैं। राजभर ने दावा किया था कि 23 सपा सांसद उनके माध्यम से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संपर्क में हैं। हालांकि, अब उनके बेटे अरुण राजभर के डिबेट के दौरान खुद सुभासपा में आंतरिक कलह और टूट की खबरें सामने आई हैं। डिबेट के दौरान, अरुण ने सपा पर निशाना साधकर शिवपाल सिंह यादव के भाजपा से संपर्क साधने की बात कही, लेकिन पत्रकार ने पलटकर उनकी अपनी पार्टी के विधायकों की संख्या और निष्ठा पर सवाल उठा दिए। पत्रकार के पूछने पर कि उनकी पार्टी के कितने विधायक सपा का झंडा लगाकर घूमते हैं, अरुण ने स्वीकार किया कि उनके 7 विधायकों में से तीन विधायक इसतरह के हैं। इस पर पत्रकार ने कहा कि आपकी पार्टी खुद ही टूट गई है। इन तीन विधायकों में मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी शामिल हैं, जो सुभासपा का झंडा नहीं लगाते। इसके अतिरिक्त, ओम प्रकाश राजभर द्वारा जगदीश नारायण राय से नाराजगी का जिक्र भी किया गया, यह दर्शाता है कि पार्टी के भीतर सब कुछ ठीक नहीं है। इतना ही नहीं दावा किया गया है कि सुभासपा के दो-तिहाई विधायक अखिलेश यादव के पास हैं और सपा जब चाहे उनकी पार्टी का अपने में विलय कर सकती है। हालांकि, अरुण राजभर ने दावे को सिरे से खारिज कर अपनी सफाई देकर कहा कि केवल झंडा लगाने से पार्टी नहीं टूटती। इस घटनाक्रम ने जहां सुभासपा के अंदरूनी हालात पर सवाल खड़े हुए हैं, वहीं विडंबना भी साफ दिखाई दे रही है कि जो पार्टी दूसरों में टूट का दावा कर रही थी, वह खुद ही बगावत के आरोपों से जूझ रही है।

अयोध्या राम मंदिर: सुरक्षा पर 11 माह में 10 करोड़ खर्च, फिर भी चोरी

-जांच के घेरे में कई बड़े और ताकतवर लोग

अयोध्या (एजेंसी)। रामनगरी अयोध्या में राम मंदिर की भव्यता और लाखों श्रद्धालुओं की आस्था के बीच अब सुरक्षा चूक और करोड़ों रुपये के खर्च के बावजूद कथित चोरी का मामला गरमा गया है। बीते 11 महीनों में मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर लगभग 10 करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद दान पेटियों में अनियमितता की शिकायत ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस मामले में अब विशेष जांच दल की जांच तेजी से आगे बढ़ रही है और इसका दायरा सिर्फ कथित चोरी तक सीमित न रहकर पूरे सिस्टम को खंगाल रहा है, जिससे कई बड़े नाम जांच के घेरे में आ गए हैं।

17 साल से एक ही जगह तैनात आरएमओ जांच के घेरे में इस जांच में जिस नाम ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा है, वह रेडियो मेंटेनेंस ऑफिसर (आरएमओ) का है। यह वही अधिकारी है जिसके जिम्मे मंदिर परिसर की सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था और उससे जुड़े तकनीकी पहलुओं की जिम्मेदारी है। सूत्र बताते हैं कि यह अधिकारी लगभग 17 वर्षों से मंदिर व्यवस्था से जुड़ा हुआ है और इतने लंबे समय तक उसका तबादला न होना भी जांच के दायरे में है। एसआईटी सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली, रिकॉर्डिंग सिस्टम, बैकअप व्यवस्था, डेटा संरक्षण और तकनीकी नियंत्रण से जुड़े तमाम पहलुओं पर बारीकी से जानकारी जुटा रही है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि देश के सबसे सुरक्षित धार्मिक परिसरों में से एक, जहां सैकड़ों कैमरे और बहुस्तरीय सुरक्षा मौजूद है, वहां यह चूक आखिर कैसे संभव हुई? शुरुआत में रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव पर केंद्रित रही यह जांच अब अपना दायरा बढ़ा रही है। सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी अब उन लोगों की भूमिका भी समझने की कोशिश कर रही है जो मंदिर की सुरक्षा, निगरानी और प्रवेश व्यवस्था से सीधे जुड़े हुए हैं। इसमें तकनीकी स्टाफ, सुरक्षा कर्मी और प्रशासनिक कर्मचारी शामिल हैं, जिनसे लगातार पूछताछ की जा रही है। जांचकर्ताओं का मानना है कि किसी भी बड़े परिसर में होने वाली गतिविधियों को समझने के लिए केवल घटना नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था का अध्ययन आवश्यक है। यह जांच अब केवल चढ़ावे की कथित चोरी तक सीमित नहीं रही है, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था, निगरानी तंत्र, प्रवेश नियंत्रण और प्रशासनिक प्रक्रियाओं की गहन समीक्षा का विषय बन गई है। 10 करोड़ के सुरक्षा कवच के बावजूद हुई यह सेंधमारी अयोध्या की प्रतिष्ठा और पारदर्शिता पर गहरे सवाल छोड़ रही है, जिसके जवाब आने वाले दिनों में ही सामने आ पाएंगे।

200 लोगों से पूछताछ की तैयारी

200 लोगों से पूछताछ की तैयारी, श्रद्धालुओं के मन में भी सवाल इस मामले में अब तक 125 से अधिक लोगों से पूछताछ की जा चुकी है और सूत्रों के अनुसार, लगभग 200 लोगों से पूछताछ की योजना पर काम चल रहा है। कई कर्मचारियों को दोबारा बुलाया गया है और उनके बयान फिर से दर्ज किए जा रहे हैं, जो जांच की गंभीरता को दर्शाता है। रामनगरी में आने वाले श्रद्धालुओं के बीच भी इस मामले की चर्चा साफ सुनाई दे रही है और उनके मन में भी यही सवाल है कि देश के सबसे प्रतिष्ठित और सुरक्षित धार्मिक स्थलों में से एक में ऐसी स्थिति कैसे पैदा हुई।

विपक्षी दलों की बगावत से मानसून सत्र में दिख सकता है राजनीतिक बदलाव का असर

-महिला आरक्षण और परिसीमन बिल पास कराने के कुछ ही कदम दूर है एनडीए

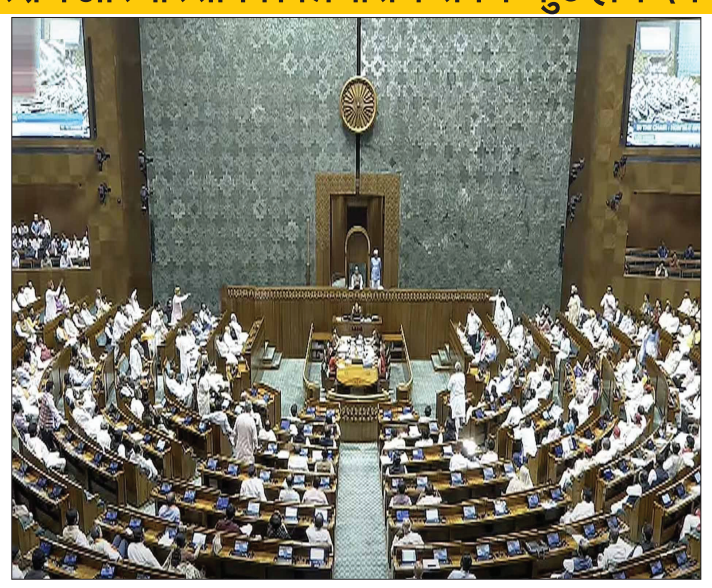

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजनीति ने पिछले दो हफ्तों में एक ऐसा नया मोड़ ले लिया है जिसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। इस पूरे राजनीतिक बदलाव का सबसे बड़ा असर संसद के आगामी मानसून सत्र में देखने को मिल सकता है, जहां सरकार एक बार फिर महिलाओं के आरक्षण पैकेज से जुड़े संविधान संशोधन और परिसीमन बिल को पास कराने की तैयारी में है।

बता दें इसी साल अप्रैल के महीने में एकजुट विपक्ष के चलते लोकसभा में यह अहम बिल मात्र 54 वोटों की कमी की वजह से गिर गया था, लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं और अगर यह बिल दोबारा संसद में आता है तो इसके पास होने की संभावना तेज हो गई है। इस बड़े बदलाव की मुख्य वजह पश्चिम बंगाल में टीएमसी में हुई बगावत और महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना में मंडराते संकट को माना जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक टीएमसी के 28 लोकसभा सांसदों में से 20 सांसदों ने बगावत करते हुए अपना एक अलग गुट बना लिया है और वे एक नई पार्टी नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल हो गए हैं, जो अब सीधे तौर पर बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन का हिस्सा बनने जा रही है। दूसरी ओर महाराष्ट्र की राजनीति में भी ऐसी बगावती ऊहापोह देखने को मिल रही है। महाराष्ट्र में भी उद्धव ठाकरे की पार्टी के नौ सांसदों में से छह सांसद पाला बदलकर शिंदे की शिवसेना के साथ जाने की तैयारी में हैं।

ऐसे में एक तरफ टीएमसी के सांसद और दूसरी ओर उद्धव गुट के सांसदों का बिखराव और बगावत देखने को मिलेगा तो यह कहना थोड़ा भी गलत नहीं होगा कि इन तमाम सियासी उलटफेर का सीधा फायदा केंद्र की सत्ताधारी एनडीए सरकार को मिल सकता है, जो मानसून सत्र शुरू होने से पहले ही संविधान संशोधन बिल पास कराने के लिए जरूरी दो-तिहाई बहुमत के आंकड़े के बेहद करीब पहुंच सकती है। अब इस सियासी उठा-पटक के बीच लोकसभा के गणित को समझें तो कुल 543 सीटों में से दो-तिहाई बहुमत के लिए 360 सदस्यों का समर्थन जरूरी है, क्योंकि 3 सीटें फिलहाल खाली हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक ऐसे में इस समय टीएमसी के बागी सांसदों को मिलाकर एनडीए के पास कुल 318 सांसद हैं, जबकि विपक्ष के पास 184 और गैर-गठबंधन दलों के पास 38 सांसद मौजूद हैं। नियम के मुताबिक बिल पास होने के लिए सदन में वोटिंग के वक्त मौजूद सांसदों की संख्या मायने रखती है और पिछले अनुभवों के आधार पर देखें तो सरकार को दो-तिहाई का आंकड़ा छूने के लिए 54 और वोटों की जरूरत थी। देखा जाए तो अब इस जादुई आंकड़े को हासिल करना सरकार के लिए आसान हो गया है, क्योंकि टीएमसी के 20 बागी और उद्धव गुट के 6 संभावित बागी सांसदों के आने से यह कमी घटकर सिर्फ 28 वोटों की रह जाएगी।

इसके अलावा एक और बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम यह हुआ है कि तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी डीएमके का कांग्रेस से नाता टूट चुका है और वह विपक्षी इंडिया गठबंधन से अलग हो चुकी है। सूत्रों के मुताबिक सरकार और डीएमके के बीच बातचीत चल रही है और अगर डीएमके की मांगें मान ली जाती हैं, तो उसके 22 सांसदों के समर्थन के साथ एनडीए का आंकड़ा 348 तक पहुंच जाएगा, जिसके बाद उसे बहुमत के लिए केवल छह और वोटों की दरकार होगी।

चूंकि बचे संभावित 6 वोटों के लिए केंद्र की एनडीए सरकार की रणनीति अहम मानी जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों और उत्तर प्रदेश के मंत्रियों के बयानों के मुताबिक इस आखिरी 6 वोटों की कमी को पूरा करने के लिए बीजेपी की नजर विपक्षी गठबंधन की कुछ बेहद छोटी पार्टियों पर है, जिनमें महाराष्ट्र की एक क्षेत्रीय पार्टी भी शामिल है।

वहीं दूसरी ओर राज्यसभा में दो-तिहाई बहुमत के लिए 164 वोटों की जरूरत है और एनडीए के पास अभी 150 सांसद हैं। अगर यहां भी डीएमके के 8 सांसदों का समर्थन मिल जाता है, तो यह आंकड़ा 158 हो जाएगा और वहां भी सरकार बहुमत से सिर्फ छह वोट दूर रह जाएगी, जिसे टीएमसी सांसदों के इस्तीफे के बाद खाली हुई सीटों पर उपचुनाव और अन्य छोटे दलों के सहयोग से आसानी से हासिल किया जा सकता है। कुल मिलाकर यदि केंद्र सरकार संसद के दोनों सदनों में यह जादुई आंकड़ा जुटाने में कामयाब रहती है, तो आगामी मानसून सत्र में महिला आरक्षण और परिसीमन बिल की न सिर्फ धमाकेदार वापसी होगी बल्कि देश में एक देश एक चुनाव जैसे बड़े और कड़े कानूनों को लागू करने का रास्ता भी साफ हो जाएगा।

बसपा सच्ची अम्बेडकरवादी पार्टी पूंजीपतियों या धन्नसेठों के सहारे नहीं

-मायावती ने दिया- 5 लाख मुलाकात, 3.35 करोड़ टिकट वाले दावों पर कड़ा बयान

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की गहमागहमी के बीच, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के उत्तरप्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल का कथित वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मच गया है। इस वीडियो में, पाल को कथित तौर पर बसपा प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती से मुलाकात के लिए पाँच लाख और पार्टी का विधानसभा टिकट हासिल करने के लिए 3.35 करोड़ रुपये की बात करते दिखाया गया है। इन गंभीर आरोपों पर अब खुद बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपनी चुप्पी तोड़कर इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है।

पूर्व सीएम मायावती ने स्पष्ट किया कि बसपा परमपूज्य बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के बताए मार्ग पर चलने वाली, गरीब, शोषित-पीड़ित और उपेक्षितों के संवैधानिक हक व न्याय के लिए प्रतिबद्ध सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय की सच्ची अम्बेडकरवादी पार्टी है। उन्होंने कहा कि बसपा बड़े-बड़े पूंजीपतियों या धन्नासेठों के सहारे नहीं, बल्कि अपने लोगों के तन, मन और धन के बलबूते पर चलती है। यह बात संकीर्ण, जातिवादी, साम्प्रदायिक और पूंजीवादी ताकतों को फूटी आँख नहीं सुहाती, और इसकारण वे चुनाव नज़दीक आने पर तरह-तरह के हथकंडे अपनाकर बसपा व उसके नेतृत्व को बदनाम करने में लग जाते हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा कि मीडिया का एक वर्ग अन्य पार्टियों की चुनावी जुगाड़ से ध्यान भटकाने के लिए बसपा के उम्मीदवार चयन पर सवाल उठाता है। उन्होंने कहा कि बसपा को मिलने वाला आर्थिक सहयोग कानूनी तौर पर उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने पर ही खर्च होता है, जो किसी से छिपा नहीं है। मायावती ने बताया कि विश्वनाथ पाल ही नहीं, बल्कि पार्टी के अन्य छोटे-बड़े पदाधिकारी भी संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनावों के लिए उम्मीदवारों की संभावित सूची बनाने में जुटे हैं। उन्होंने मीडिया से अनुरोध किया कि इन सवालों को उनकी पूरी फेस वैल्यू पर लिए बिना, उसकी गहराई में जाना उचित नहीं है।

बसपा सुप्रीमो ने पार्टी कार्यकर्ताओं से भी अपील की कि वे विरोधी पार्टियों के इसतरह के प्रायोजित षड्यंत्रों का शिकार न हों, बल्कि अपने मिशन 2027 के लक्ष्य में पूरे जी-जान से लगे रहें। उन्होंने कहा कि बसपा की जबरदस्त तैयारियों को देखकर ही विरोधियों की नींद उड़ी हुई है। मायावती ने अपने बयान का अंत जय भीम, जय भारत के नारे के साथ किया।

क्या फिर टूटेगी एनसीपी? अब शरद पवार के नेता सुनेत्रा पवार की पार्टी के संपर्क में

-शरद पवार अपनी पार्टी के भीतर ऐसी किसी भी स्थिति को टालने की कोशिश में

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के कई नेता उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार की पार्टी के संपर्क में हैं। हालांकि, अब तक किसी नेता ने सार्वजनिक तौर पर दावा नहीं किया है। खास बात है कि उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना यूबीटी के 6 सांसद जल्द ही पार्टी छोड़कर एकनाथ शिंदे गुट में शामिल हो सकते हैं। वरिष्ठ नेता शरद पवार की पार्टी में दरार हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से ऐसा कहा जा रहा है। उन्होंने बताया है कि एनसीपी (एसपी) के कुछ सांसद एनसीपी के साथ संपर्क में हैं। कहा जा रहा है कि इसे लेकर गतिविधियां जारी हैं। खबर है कि चर्चा में सांसद पार्थ पवार भी मौजूद थे। फिलहाल, ये नेता कौन हैं, इसे लेकर स्थिति अब तक साफ नहीं हो सकी है।

रिपोर्ट के मुताबिक यह भी कहा जा रहा है कि सीनियर पवार जल्द ही सांसदों के साथ बैठक कर सकते हैं। इन घटनाक्रमों से चिंतित होकर, शरद पवार अपनी पार्टी के भीतर ऐसी किसी भी स्थिति को टालने की कोशिश में हैं। प्रस्तावित बैठक में वह सांसदों के साथ बातचीत करेंगे, उनकी चिंताओं और शिकायतों को सुनेंगे और आंतरिक संवाद को मजबूत करेंगे। अब तक यह भी साफ नहीं हो सका है कि ये सांसद राज्यसभा से हैं या लोकसभा से। आंकड़ों के मुताबिक लोकसभा में एनसीपी एसपी के 8 सांसद हैं। जबकि, एनसीपी के पास सिर्फ 1 ही सांसद है। इधर, राज्यसभा में शरद पवार ही सांसद हैं। एनसीपी के मामले में यह आंकड़ा 4 पर है। रिपोर्ट के मुताबिक छह बागी सांसद शुक्रवार को पार्टी के 60वें स्थापना दिवस पर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल नहीं होंगे। इनके शिवसेना में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। दोनों ही गुट स्थापना दिवस मनाने की तैयारी कर रहे हैं। ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि शिवसेना यूबीटी के छह सांसद इस अवसर पर शिंदे नीत शिवसेना में शामिल होंगे। व्हिप जारी होने के बावजूद इन सांसदों ने अपनी पार्टी की बैठक में हिस्सा नहीं लिया था।

अल-नीनो का बढ़ता खतरा: भारत के लिए अगले पांच महीने चुनौतियों से भरे

-कृषि एवं अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा सीधा प्रभाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में इस वर्ष मॉनसून की शुरुआत उम्मीद से थोड़ी धीमी रही है, जिसने देश के कई हिस्सों में चिंता बढ़ा दी है। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून 2026 जून की शुरुआत में भले ही केरल पहुंच गया हो, लेकिन इसकी आमद सामान्य से कुछ विलंब से हुई, और प्रारंभिक बारिश भी कई क्षेत्रों में कमजोर दर्ज की गई है। मौसम वैज्ञानिकों ने अब एक गंभीर चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा है कि अल-नीनो का पूरा प्रभाव अभी तक देखा नहीं गया है, और आने वाले जुलाई से नवंबर तक के महीने भारत के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण साबित हो सकते हैं, जिसका सीधा असर कृषि, जल संसाधनों और समग्र अर्थव्यवस्था पर पड़ने की आशंका है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि 2026 में अल-नीनो जून में अपेक्षाकृत कमजोर रहेगा, लेकिन जुलाई-अगस्त में इसके मध्यम होने और सितंबर तक मजबूत होने की प्रबल संभावना है। एनओएए और आईएमडी जैसे प्रमुख मौसम संगठनों के अनुसार, जुलाई-अगस्त तक अल-नीनो के पूरी तरह विकसित होने की संभावना 80-90 प्रतिशत से भी अधिक है। पिछले कई दशकों के ऐतिहासिक रिकॉर्ड बताते हैं कि अधिकांश अल-नीनो वर्षों में भारत को औसत से कम बारिश मिली है।

पिछले माह सामान्य से कम रही बारिश

जून 2026 के पहले दो हफ्तों में कई राज्यों में बारिश सामान्य से काफी कम रही। महाराष्ट्र जैसे कृषि प्रधान राज्यों में 70-80 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई, जबकि मध्य भारत और कुछ उत्तरी हिस्सों में भी बारिश का स्तर नीचे रहा। आईएमडी के अनुसार, जून महीने में भी औसत से कम बारिश रहने की संभावना है। मॉनसून की इस देरी और कमजोर शुरुआत ने किसानों की चिंताएं बढ़ा दी हैं, क्योंकि खरीफ फसलों की बुवाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है। अल-नीनो का असली और गहरा असर जुलाई से सितंबर के बीच दिखेगा, जब मॉनसून अपनी चरम अवस्था में होता है। यदि अल-नीनो मजबूत होता है, तो अगस्त-सितंबर में बारिश में और भी कमी आ सकती है। इससे देश के जलाशयों में पानी की कमी, नदियों के सूखने और भूजल स्तर में गिरावट जैसी गंभीर समस्याएं और विकराल रूप ले सकती हैं।

भारत की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा अभी भी कृषि पर निर्भर है, जहाँ लगभग 50-60 प्रतिशत आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से खेती से जुड़ी हुई है। खरीफ सीजन (जून-सितंबर) में धान, मक्का, सोयाबीन, कपास और दालें जैसी महत्वपूर्ण फसलें बोई जाती हैं। कम बारिश से इन फसलों की पैदावार में भारी कमी आ सकती है। पिछले अल-नीनो वर्षों में सूखे के कारण किसानों की आय घटी, उन पर कर्ज का बोझ बढ़ा और कई जगहों पर आत्महत्या की घटनाएं भी बढ़ीं। 2026 में यदि बारिश 90 प्रतिशत या उससे कम रहती है, तो खाद्यान्न उत्पादन में 10-15 प्रतिशत की कमी आ सकती है, जिससे देश के सामने खाद्य सुरक्षा की बड़ी चुनौती खड़ी हो जाएगी। ऐसी स्थिति में सरकार को अनाज का आयात बढ़ाना पड़ सकता है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ेगा। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्य सबसे ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं, क्योंकि इन इलाकों में वर्षा आधारित खेती अधिक होती है। छोटे किसान, जिनके पास सिंचाई की पर्याप्त सुविधा नहीं है, वे इस संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। पशुपालन भी प्रभावित होगा, क्योंकि चारे की कमी हो सकती है। कम बारिश का सीधा मतलब है जल संकट का गहराना। देश के कई शहरों और गांवों में पहले से ही पानी की समस्या है, और मॉनसून कमजोर रहने पर पीने के पानी, सिंचाई और उद्योगों के लिए पानी की कमी और बढ़ेगी। बिजली उत्पादन भी प्रभावित होगा, क्योंकि हाइड्रो पावर प्लांट पानी पर निर्भर करते हैं। अल-नीनो से तापमान में और वृद्धि हो सकती है, जिससे गर्मी पहले से ही रिकॉर्ड तोड़ रही है।

बनारस में बनेगा प्रदेश का पहला संस्कृत गांव, पहले चरण में पांच का चयन

वाराणसी। सनातन संस्कृति, वैदिक परंपरा और शास्त्रीय ज्ञान की वैश्विक धरोहर काशी अब एक बार फिर इतिहास रचने जा रही है। इसके लिए पहले चरण में प्रदेश के पहले पांच संस्कृत गांव काशी में तैयार होंगे। संस्कृत भारती काशी प्रांत की टीम ने इसके लिए सर्वे का काम भी शुरू कर दिया है। 14 जनवरी के बाद इसकी घोषणा होगी। संस्कृत भारती ने प्रदेश के पहले संस्कृत गांवों को बनाने की दिशा में सर्वे का काम भी शुरू कर दिया है। पांच गांवों को गोद लिया जाएगा। 14 जनवरी को बैठक के बाद पहले गांव के नाम की घोषणा की जाएगी। एक वर्ष के लिए गांव को संस्कृत भारती गोद लेकर संस्कृत गांव की तरह तैयार करेगी। चयन प्रक्रिया में उन गांवों को प्राथमिकता दी जा रही है, जिनकी आबादी लगभग एक हजार है, ताकि सीमित जनसंख्या के बीच संस्कृत के प्रयोग को प्रभावी और स्थायी बनाया जा सके। संस्कृत भारती काशी प्रांत के अध्यक्ष प्रो. रामनारायण द्विवेदी ने अमर उजाला से विशेष बातचीत में बताया कि काशी की आत्मा संस्कृत में ही निहित है। ऐसे में संस्कृत गांव की अवधारणा केवल प्रतीकात्मक नहीं होगी, बल्कि पूरी तरह व्यावहारिक होगी। इसे भी पढ़ें; पूजा के नाम पर ठगी- मटके में रखवाए गहने, मौका मिलते ही जेब में भरकर निकले; शक होने पर पकड़े गए दो फर्जी बाबा चयनित गांवों में दैनिक अभिवादन, सामान्य संवाद, सूचना आदान-प्रदान और सामाजिक आयोजनों में संस्कृत भाषा इस्तेमाल की जाएगी। गांवों के प्रवेश द्वार, गलियों, विद्यालयों, पंचायत भवनों और सार्वजनिक स्थलों पर संस्कृत में सूचना पट्ट लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत ग्रामीणों को सरल और बोलचाल की संस्कृत का प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि भाषा बोझ न बने, बल्कि सहज संवाद का माध्यम बने। एक वर्ष तक ग्रामीणों को संस्कृत का प्रशिक्षण देने के लिए संस्कृत भारती की टीम गांव में ही प्रवास करेगी। हम चाहते हैं कि बातचीत, अभिवादन और सार्वजनिक संवाद संस्कृत में सहज रूप से हो सके। शहरी स्तर पर भी संस्कृत को व्यापक पहचान देने की तैयारी है। वाराणसी के रेलवे स्टेशनों और लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर संस्कृत में घोषणाएं कराने जाने की योजना है। इसके साथ ही स्टेशन, एयरपोर्ट और प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर नाम पट्ट और दिशासूचक बोर्ड संस्कृत भाषा में अंकित किए जाएंगे। बाजारों और व्यावसायिक क्षेत्रों को भी इस अभियान से जोड़ा जाएगा। दुकानदारों को अपनी दुकानों के नाम संस्कृत में लिखने के लिए प्रेरित किया जाएगा। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से काशी को संस्कृत नगरी घोषित करने की मांग की जाएगी। इसका खाका तैयार कर लिया गया है और जल्द ही इसे केंद्र सरकार को भी भेजा जाएगा। काशी पहले से ही काशी हिंदू विश्वविद्यालय, संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, गुरुकुलों और वैदिक पाठशालाओं के माध्यम से संस्कृत अध्ययन का प्रमुख केंद्र रही है। प्रो. द्विवेदी के मुताबिक संस्कृत विश्व में सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा संस्कृत है। हर सनातनी के घर में किसी न किसी रूप में संस्कृत का उच्चारण होता है। इसके लिए संस्कृत भारती अभियान शुरू करने जा रही है कि हर सनातनी अपनी भाषा के कालम में संस्कृत को दर्ज करे। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालयों में डेढ़ लाख छात्र-छात्राएं संस्कृत का अध्ययन कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि आने वाले पांच वर्षों में कम से कम 50 करोड़ लोग संस्कृत से जुड़ें।

हवाई की हवा में झूमते

- चन्द्रकान्त पाराशर (होनोलूलू हवाई,अमेरिका प्रवास)

होनोलूलु(हवाई)। विश्व भर के सैलानियों की पहली पसंद बनता जा रहा अमेरिका का पचासवां राज्य हवाई के सुंदर समुद्री-तट ,बेहतरीन आवोहवा ,रहवासियों का प्रकृति-प्रेम , पोलिनेशियन सांस्कृतिक केंद्र की चित्ताकर्षक प्रस्तुतियां आपको बार बार आने का निमंत्रण देती प्रतीत होती है । हवाई अपने प्राचीन समुद्र तटों, सक्रिय ज्वालामुखियों और वर्षावनों के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। संयुक्त राज्य अमेरिका के इस हवाई राज्य में 8 मुख्य द्वीप हैं (जिन्हें हवाइयन द्वीप कहा जाता है)। हवाई द्वीप समूह का सबसे बड़ा द्वीप है। और दूसरा प्रसिद्ध ओअहू द्वीप है ,हवाई राज्य की राजधानी, होनोलूलू, इसी ओअहू द्वीप पर स्थित है। हवाई घूमने के लिए मध्य अप्रैल से जून (वसंत) और सितंबर से दिसंबर (शरद ऋतु) का समय सबसे अच्छा माना जाता है। इस दौरान मौसम बहुत सुहावना रहता है और पर्यटकों की भीड़ भी कम होती है। मनमोहक प्राकृतिक स्थल और साफ़-सुथरे समुद्र-तट आपके मन को अनायास ही बरबस खींच लेने की क्षमता रखते हैं।जैसे -- वाइकीकी बीच (Waikiki Beach)- यह होनोलूलू का सबसे प्रसिद्ध और

जीवंत समुद्र तट है, जो सर्फिंग, धूप सेकने और शाम की सैर के लिए बेहतरीन माना जाता है।इसी के मुहाने पर अपनी बेहतरीन सुख-सुविधाओं के लिए जाना जाने वाला शेराटन वाईकीकी सी बीच रिसॉर्ट भी स्थित है । डायमंड हेड स्टेट मॉन्यूमेंट (Diamond Head)- यह एक विशाल ज्वालामुखीय क्रेटर (Volcanic Crater) है। इसके शिखर तक ट्रेकिंग करके आपको वाइकीकी और प्रशांत महासागर का शानदार नजारा देखने को मिलता है। हानाउमा बे (Hanauma Bay)- यदि आपको स्नॉर्कलिंग (Snorkeling) का शौक है, तो यह समुद्री संरक्षित क्षेत्र रंग-बिरंगी मछलियों और कछुओं को देखने के लिए सबसे अच्छी जगह है। ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों को देखने के क्रम में द्वितीय विश्व युद्ध के इतिहास को समेटे हुए पर्ल हार्बर नेशनल मेमोरियल (Pearl Harbor) पर जाना कदापि ना भूलें । यहाँ आप युद्ध के शहीदों को समर्पित SS Arizona Memorial देख सकते हैं। हवाई राज्य हर आगंतुक पर्यटक पर एक जादुई, गहरा और अविस्मरणीय प्रभाव छोड़ता है, जिसे यहाँ की भाषा में अलोहा स्पिरिट (Aloha Spirit) कहा जाता है। यह सिर्फ एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि एक अनोखा अनुभव है जो मानसिक शांति और आत्मिक जुड़ाव; प्राकृतिक सुंदरता व पर्यावरण के प्रति सम्मान की उत्कृष्ट भावना का संचार करता प्रतीत होता है F हवाई के निवासीगण अपनी प्रकृति-भू देवी (जिसे वे एना यानी धरती माँ कहते हैं) से बेहद प्यार करते हैं। यह देखकर हर पर्यटक के मन में भी पर्यावरण को बचाने की प्रेरणा जगती है। एक गहरी सांस्कृतिक छाप को भी मन-मस्तिष्क में छोड़ता यह राज्य अमेरिका का हिस्सा होने के बावजूद, हवाई पूरी तरह से अलग मिश्रित सांस्कृतिक अनुभव देता है। यहाँ का हुला डांस, उकुलेले संगीत, और पारंपरिक पोलिनेशियन इतिहास दिल को छू लेता है। यहाँ एशियाई, अमेरिकी और स्थानीय हवाईयन संस्कृतियों का ऐसा खूबसूरत मिश्रण है, जो आपको दुनिया के किसी और कोने में देखने को नहीं मिलेगा। विविधता के इस संगम में सैलानी बरबस ही हवाई की सुरमय खुशबू से सराबोर हवाओं में झूमने लगते हैं ।

युवती ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

नई दिल्ली। कालकाजी थाना इलाके में बृहस्पतिवार सुबह युवती ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है और न ही खुदकुशी के कारणों का पता लगा है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि कालकाजी थाना पुलिस को 18 सितंबर को सुबह लगभग 7.31 बजे पीसीआर कॉल मिली थी। कॉलर ने बताया कि डीडीए जनता फ्लैट, कालकाजी में एक लड़की ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस को ग्राम हरोई, जिला हरदोई, उत्तर प्रदेश निवासी आशी ठाकुर (24) फंदे पर लटकी मिली। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि युवती वीएम विद्युत इलेक्ट्रिक इंस्टालेशन, नोएडा की लेखा शाखा में नौकरी कर रही थी। वह 1 सितंबर से डीडीए फ्लैट में अकेले किराये पर रह रही थी।

प्रेमी युगल ने ट्रेन के सामने लगाई छलांग

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शनिवार को प्रेमी युगल ने ट्रेन के सामने कूदकर सुसाइड कर लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। साथ ही उनके घरवालों को सूचना दे दी गई है। घटना तालकटोरा थाना इलाके के आलमनगर स्टेशन के पासकी है। युवक की पहचान निशातगंज के न्यू हैदराबाद निवासी सूर्यकांत (40) व युवती की पहचान अर्जुनगंज निवासी दीपाली (25) के रूप में हुई है। बताया गया कि सूर्यकांत पहले से विवाहित था

दिल्ली में संचालक, टीम ने खतरनाक हालात में की कार्रवाई

संभल/ लखनऊ। संभल में इंडिया फ्रोजन फूड कंपनी पर छापेमारी के दौरान आयकर विभाग को एक मदरसे से कंपनी के लेन-देन से जुड़े दस्तावेज मिले। जांच में कंपनी के दो संचालकों की लोकेशन दिल्ली के जामा मस्जिद और दो की शाहीनबाग में मिली। आयकर विभाग अब चारों से पूछताछ की तैयारी कर रहा है। संभल में इंडिया फ्रोजन फूड कंपनी के ठिकानों पर आयकर विभाग के छापों के दौरान एक कथित मदरसे से दस्तावेज बरामद किए गए हैं। इस मदरसे में आयकर विभाग की टीम के पहुंचते ही वहां पढ़ रही लड़कियां बैग लेकर भाग गईं। हालांकि टीम ने कुछ घरों को चिह्नित कर बैग बरामद किए, जिसमें कंपनी के लेन-देन से जुड़े दस्तावेज मिले हैं। वहीं छापे के दौरान कंपनी के दो संचालकों की लोकेशन दिल्ली के जामा मस्जिद इलाके में, जबकि अन्य दो की शाहीनबाग में पाई गई। आयकर विभाग अब चारों को तलब कर कानूनी शिकंजा कसने की तैयारी में है। दूसरी ओर कंपनी के स्लॉटर हाउस की जांच में पशुओं की निर्मम तरीके से कटान करने का खुलासा भी हुआ है। कंपनी को करीब 700 पशुओं के कटान की अनुमति दी गई थी, जबकि वहां पर एक हजार से अधिक पशुओं की कटान करने के पुख्ता प्रमाण मिले हैं। यह भी पता चला है कि गर्भवती भैसों और पड़वों को भी काटकर उनका मांस बेचा जा रहा था। आयकर विभाग इसकी गहनता से जांच करने के लिए पशु चिकित्सकों की रिपोर्ट, पशुओं की खरीद-फरोख्त से जुड़े दस्तावेजों और कंपनी द्वारा बेचे जा रहे मांस की मात्रा के आधार पर तथ्यों को जुटा रहा है। इसके बाद कंपनी के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए संभल के जिला प्रशासन, नगर पालिका और उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को पत्र लिखा जाएगा। जांच में संभल में तैनात कुछ विभागों के अफसरों की कंपनी संचालकों के साथ मिलीभगत के प्रमाण भी हाथ लगे हैं। ये सभी कंपनी के गैरकानूनी कृत्यों को संरक्षण दे रहे थे। दरअसल, कंपनी के ठिकानों से मिली कुछ डायरियों में कोड वर्ड में अफसरों को भेजी गई घूस की रकम का जिक्र है, जिसकी दिवाली के बाद गहनता से जांच की जाएगी। वहीं दूसरी ओर अधिकारियों को कार्रवाई के दौरान यह सूचना भी मिली कि एक मस्जिद से आयकर विभाग की टीम को खदेड़ने का एलान किया गया है। जिसके बाद तत्काल एसपी संभल से संपर्क कर अतिरिक्त फोर्स बुलाई गई। वहीं छापे के तीसरे दिन ड्यूटी समाप्त होने पर पीएसी बल वापस जाने लगा तो अधिकारियों के सामने दोबारा पत्र भेजकर फोर्स बुलाने की नौबत आ गई।

पति की मां पर निंदनीय आरोप लगाना मानसिक क्रूरता

दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने पति की वैधता पर सवाल उठाकर उन्हें अपशब्द कहना और उनकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाना वैवाहिक क्रूरता माना है। अदालत ने कहा पति की मां पर निंदनीय आरोप लगाना तलाक का आधार है। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और हरीश वैद्यनाथन शंकर की खंडपीठ ने फैमिली कोर्ट द्वारा प्रतिवादी-पति के पक्ष में दी गई तलाक की डिक्री को बरकरार रखा। याचिकाकर्ता-पत्नी ने हाईकोर्ट में अपील दायर करके उनका अपमान किया, पेशेवर जिम्मेदारियों के बावजूद उन्हें घरेलू काम करने के लिए मजबूर किया और उनके खिलाफ झूठी और तुच्छ मुकदमेबाजी की। हालांकि, हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी द्वारा क्रूरता के जवाबी दावे करने मात्र से उनके द्वारा की गई सिद्ध क्रूरता के कृत्य स्वत: समाप्त नहीं हो जाते। कोर्ट ने कहा, दो गलतियां मिलकर सही नहीं हो जातीं। याचिकाकर्ता के सिद्ध क्रूरता के कृत्य, जिसमें अपमानजनक भाषा का कर दावा किया था कि फैमिली कोर्ट ने उनके खिलाफ की गई क्रूरता के कृत्यों पर विचार नहीं किया और पति को गलत तरीके से तलाक दे दिया। उन्होंने दावा किया कि प्रतिवादी ने जाति-आधारित टिप्पणियां करके उनका अपमान किया, पेशेवर जिम्मेदारियों के बावजूद उन्हें घरेलू काम करने के लिए मजबूर किया और उनके खिलाफ झूठी और तुच्छ मुकदमेबाजी की। हालांकि, हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी द्वारा क्रूरता के जवाबी दावे करने मात्र से उनके द्वारा की गई सिद्ध क्रूरता के कृत्य स्वत: समाप्त नहीं हो जाते। कोर्ट ने कहा, दो गलतियां मिलकर सही नहीं हो जातीं।

NAME CHANGE

It is for general information that I, KAPIL KUMAR, S/O GOPAL SINGH, R/O SARSWA, DAURALA, MEERUT, UTTAR PRADESH-250221,declare that name of my mother has been wrongly written as OMBIRI DEVI in my 10th Class educational documents. The actual name of my mother is RAMBIRI respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I REKHA legally Mother of Army No. - 2815281M, Rank - Sep, Name - LONDHE RUSHIKESH MARUTI, Presently Residing, At - SANGRUL, Post- SANGRUL, Teh - KERVEER, Dist - KOLHAPUR, State-Maharashtra, Pin - 416204 have changed my name from REKHA to CHHAYA MARUTI LONDHE for all future purposes, Vide Affidavit dated 20/06/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, ANSAR AHMED S/O RAIS AHMED residing at H NO-822, HAVELI AZAM KHAN, CHITLI QABAR, JAMA MASJID, DELHI-110006 have changed my name to SYED ANSAR AHMAD for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SYED RAIS AHMAD S/O MUKHTAR AHMED residing at H NO-822, HAVELI AZAM KHAN, CHITLI QABAR, JAMA MASJID, DELHI-110006 have changed my name to RAIS AHMED for all future purposes.

NAME CHANGE

I, YOGINDER KUMAR S/O AMAR SINGH CHAUHAN residing at M- 1 SECTOR 70 NOIDA, UTTAR PRADESH-201301. have changed my name to YOGINDER CHAUHAN for all future purposes.

NAME CHANGE

I,HARPREET KAUR W/o Mukesh Kumar R/o D-9/1, First Floor South Anar Kali, Krishna Nagar, Delhi-110051, have changed my name to HARPREET permanently

NAME CHANGE

I, RANDHIR SINGH SAINI S/O NARAYAN SINGH SAINI R/O B-461, SAINIK COLONY, SECTOR-49, FARIDABAD, HARYANA-121001, HAVE CHANGED MY NAME RANDHIR SAINI S/O NARAIN SINGH SAINI FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I,Mukhtar Ali S/o Lal Mohammad R/o D-93/7, Gali No.11, Mohanpuri, Maujpur, Bhajanpura Delhi-110053, have changed my name to Mukhteyar Ali for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Ms. Meenakshi Singh** is purchasing the Flat No. A-7, on Third Floor (Front LHS Flat) with common Roof rights, area measuring 75 Sq. yds. Plot No. 103, Comprised in Khasra No. 64, House No. 103/6, Hargovind Enclave, Maidan Garhi, Delhi-110068 from Mr. Ravinder who is the owner of the said property vide GPA, Agreement to Sale & WILL dated 09.02.2026 and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 15 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE

This is for information of General Public that my client Mr. Inderjeet Grover S/o Shri. Mohan Lal is the owner of Property as Residential Entire Ground Floor without roof rights part of built up Property Bearing Municipal No. 11/122, land area measuring 100 Sq. Yds., Situated at Jheel Khurenja, Geeta Colony, Delhi-110031. (here in after referred to as said property). The Original Page No. 1 & 2 of Sale Deed having Registration No. 3742, dated 02.06.2002 in favour of Mr. Inderjeet Grover, which are the part of the title documents in chain of the property have been lost. In case anybody finds the above said documents and any person having any claim/s in respect of the above said property in any manner whatsoever are hereby required to give notice of the same to the undersigned at the address given below within 7 days from the date of publication hereof together with copies of documents on the basis of which such claim be deemed and if there is no claim received against the said property then my clients may proceed with their intended object.

DR. RAJESH K GUPTA
Advocate
F-42/4 3, Dilshad Colony,
Delhi- 110095,
9315833452
advrgkotak@gmail.com

NAME CHANGE

I, SHAKIL AHMED / SHAKEEL AHMAD S/O ANWAR ALI Residing at H NO- C-6/45,726 GALI NO-23 CHAUHAN BANGAR NEW SEELAMPUR, North East Delhi, 110053 have changed my name to SHAKEEL AHMED for all future purpose.

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD JUNAID S/O SHAKEEL AHMED Residing at H NO- C-6/45,726 GALI NO-23 CHAUHAN BANGAR NEW SEELAMPUR, North East Delhi, 110053 have changed my name to MOHD JUNAID for all future purpose.

NAME CHANGE

I, NAJREEN W/O SHAKEEL AHMED Residing at H NO- C-6/45,726 GALI NO-23 CHAUHAN BANGAR NEW SEELAMPUR, North East Delhi, 110053 have changed my name to NAZREEN NAAZ for all future purpose.

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mrs. Gyano is the owner and in possession of a Freehold Residential Plot land area measuring 200 Sq. yards, Out of Khewat No./Khata No, 337/490 Khasra No. 26/10, Situated in Waka Mauja Baselwa, Tehsil and District Faridabad Haryana. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 24.03.2021, vide Regd. Doc. No. 8154, in Book No. 01, Vol. No. 93/237, Page No. 97.25/49-51 dated 24.03.2021 (SRO: Faridabad)., in the chain documents below mentioned document not available i.e., (1) Original Sale Deed dated 13.12.2006 executed by Shri Ramji Lal & Smt. Laccho Devi (2) Original Sale Deed dated 19.10.2012 executed by MR. Deshraj in favour of Mrs. Sunita & (3) Original Sale Deed dated 19.02.2020 executed by Mr. Deshraj alias Deshpal in favour of Mrs. Suresh Doc. no. 14243, Vol. no. 17/423, Book no. 1, on page no. 160.75/73 to 75 dated 19.02.2020 SRO- Faridabad., Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. and the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch Gurgaon Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I Parul Bansal W/o Rahul Gupta R/o AG-274, Shalimar bagh, Delhi 110088 have changed my name to Parul Gupta for all future purpose

NAME CHANGE

I Ahtsham Ali S/o Md Muntazir R/o R-74/1, Fourth Floor, Front Side, Gali No-1 Sir Syed Road, Joga Bai Ext, Zakir Nagar, Okhla, New Delhi-110025, changed my name from Ahtasham Ali to Ahtsham Ali for all purpose in future.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mrs. Priyanka Prajapati** is purchasing the Plot no 13, 3rd Floor with roof rights, admeasuring 60 sq yards khasra no 12/2/2, situated in the revenue estate of village kakrola, Delhi abadi Known as "Tara Nagar", Block- B1, Kakrola, Delhi- 110043 from Mr. Suresh Kumar Ghirdhar who is the owner of the said property vide GPA, Agreement to Sale & WILL dated 18.09.2000 and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I, MASIHA SIRAJ W/o Sirajuddin R/o Village Banarsi, Po Nagina, Nuh, Haryana-122108, have changed my name from MASIHA SIRAJ to MAISHA SIRAJ for all future purposes.

NAME CHANGE

I, BIMLESH GAHLOT W/O RAJESH KUMAR R/O H.NO-336 KAKRAULA VILLAGE SOUTH WEST DELHI 110078, CHANGED MY NAME TO BIMLESH PANWAR

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD ARHAM S/O MOHD AQIL R/O 2872-2874 FOURTH FLOOR NEAR MOTHER DAIRY FLAT NO B KUCHA CHELAN DARYAGANJ DELHI 110002, CHANGED MY NAME TO MOHD.ARHAM

NAME CHANGE

I, INTKAB ALAM CHAND S/O MOHD UMAR R/O Z-64, DDA FLATS NEW RANJIT NAGAR PATEL NAGAR CENTRAL DELHI 110008, CHANGED MY NAME TO INTIQAAB ALAM.

NAME CHANGE

I RAKESH KUMAR KOHLI S/O JAI PAL SINGH R/O , 1/4270-A, MANDOLI ROAD RAM NAGAR EXTENSION,SHAHDARA DELHI - 110032 have changed my name to RAKESH KUMAR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I GURMEET KAUR W/O SHAKIL AHMED R/O C-1/37 , 4TH FLOOR JASOLA VILLAGE NEW FRIENDS COLONY DELHI-110025 have changed my name to AYSHA PARVEEN Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I GUNJA GUPTA W/O SHIV KUMAR R/O T-1/14, FIRST FLOOR, D.D.A MARKET, MANGOLPURI DELHI- 110083 have changed my minor, Daughter name STELLA TO STELLA GUPTA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, Mohammad Mursaleen S/O Abdul Rasheed R/O Flat No 15-16 2nd Floor Ansari Road Darya Ganj Delhi - 110002 Have Changed My Name To Mohammed Mursaleen Permanently

NAME CHANGE

It is for general information that I, PRAHLAD KUMAR S/O OM PRAKASH R/O F-172 A, NAND GRAM MRIAM NAGAR, AHMADNAGAR, NAYABANS, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201003 declare that name of my father has been wrongly written as RAM DEV in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of my father is OM PRAKASH which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE

I, JC-473674N Rank-NB/SUB Name-SURESH CHAND Residing at VILL-SUNARI, PO-SEFAGUWAR, TEHSIL-KHETRI, DIST-JHUNJHUNU, RAJASTHAN-332716, have changed my mother's name from LADA DEVI to LADOLI for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1960 instead of her correct date of birth as 01/01/1954 vide Affidavit dated 19/06/2026 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, JC-473674N Rank-NB/SUB Name-SURESH CHAND Residing at VILL-SUNARI, PO-SEFAGUWAR, TEHSIL-KHETRI, DIST-JHUNJHUNU, RAJASTHAN-332716, in my service records my father's (BODU RAM) date of birth wrongly mentioned as 01/07/1952 instead of his correct date of birth as 01/01/1949 vide Affidavit dated 19/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I RAKESH KUMAR KOHLI S/O JAI PAL SINGH R/O , 1/4270-A, MANDOLI ROAD RAM NAGAR EXTENSION,SHAHDARA DELHI - 110032 have changed my name to RAKESH KUMAR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I GURMEET KAUR W/O SHAKIL AHMED R/O C-1/37 , 4TH FLOOR JASOLA VILLAGE NEW FRIENDS COLONY DELHI-110025 have changed my name to AYSHA PARVEEN Permanently for all Future purpose

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mr. Nitin Gupta S/o Mr. Ashok Gupta is the owner and in possession of a Freehold Residential Built Property Bearing No. 32/102, on Plot No. 102 area measuring 158.86 Sq. Mtrs. (i.e. 190 Sq. Yds.), out of Khasra No. 257 & 258 Min. Situated at Block-32, in the area of Village Karkardooma, Bhikam Singh Colony, Vishwas Nagar, Shahdara, Delhi-110032., Our client acquired the said property by virtue of a Relinquishment Deed dated 31.10.2012 as Doc. No. 22468, Book No. 1, Vol. No. 6874, on pages 1-6, on dated 31.10.2012 in SR-VIII Delhi., In the chain of documents, the (1) Probate Order of Regd. Will dated 26.12.2012, Doc. No. 22747 & (2) SMC of Late Mrs. Usha Gupta are not available; Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. And Third Floor, with roof rights sold too be Mohd. Imran S/o Mohd. Manzoor And the said property is presently financed / mortgaged with IndusInd Bank Ltd., Branch: Rajouri Garden, Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I, Richa Bhardwaj D/o Satish Kumar Gakhar R/o Block-LP, Flat No-4B, Maurya Enclave, OPP City Park Hotel, Pitampura, Delhi-110034 have changed my name to Richa Gakhar for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Jyoti W/o Sandeep Kumar R/o H. No.1/2, Gali No.6, Raksha Enclave, Near Shiv Mandir, Mohan Garden, Uttam Nagar, New Delhi-110059 have changed my name to Jyoti Gohar for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Shabir Malik S/o Bundu Khan R/o H. No.38B, B Block, Gali No.4, Kanti Nagar Extn. Krishna Nagar, Delhi-110051, have changed my name to Mohd Sabir for all future purposes.

NAME CHANGE

I, ISHLAMUDDIN S/o YAMIN R/o 218/14, MASJID QUARTERS, SADAR BAZAR DELHI CANTT, NEW DELHI-110010, have changed my name from ISHLAMUDDIN to ISHLAMUDIN for all future purposes.

NAME CHANGE

I, PRINCE TIGER S/O BALRAJ SINGH residing at SHAFIPUR, SECTOR-148, KASANA, NOIDA, GAUTAM BUDH NAGAR, UTTAR PRADESH–201310 have changed my name to PRINCE for all future purposes.

NAME CHANGE

I, HARI NARAYAN S/o Raghunandan Singh R/o Type-2/243, Press Colony, Maya Puri, Delhi-110064 have changed my name from HARI NARAYAN to HARI NARAYAN SINGH permanently.

NAME CHANGE

I, Tanya Bhardwaj D/o Richa Gakhar R/o Block-LP, Flat No-4B, Maurya Enclave, OPP City Park Hotel, Pitampura, Delhi-110034 have changed my name to Tanya for all future purposes.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE

I, No-7784354Y Rank-HAV (MP) Name-PRAKASH SIDARAY BIRADAR Presently residing at VILL-AGRANI INALGAON TQ ATHANI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591304, have changed my mother's name from BHARATI to BHARATI BIRADAR for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 01/01/1968 instead of her correct date of birth as 01/01/1971 vide Affidavit dated 19/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE

I, No-7784354Y Rank-HAV (MP) Name-PRAKASH SIDARAY BIRADAR Presently residing at VILL-AGRANI INALGAON TQ ATHANI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591304, have changed my father's name from SIDARAY to SIDARAYI BIRADAR for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 01/01/1942 instead of his correct date of birth as 01/01/1963 vide Affidavit dated 19/06/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

The General Public is hereby informed that our SURESH CHAND S/O SRINATH PRASAD and MRS. POONAM KUMARI W/O SURESH CHAND BOTH R/O A-1/7, SHIV PARK, KHANPUR, DR. AMBEDKAR NAGAR, DEOLI, SOUTH DELHI, DELHI-110062, *I hereby inform the general public that my said clients have disowned their son, ASHWANI AGGARWAL S/O* SURESH CHAND S/O SRINATH PRASAD and MRS. POONAM KUMARI W/O SURESH CHAND BOTH R/O A-1/7, SHIV PARK, KHANPUR, DR. AMBEDKAR NAGAR, DEOLI, SOUTH DELHI, DELHI-110062, *have served all relations with them with immediate effect. My said clients have divested them of all their movable and immovable properties. Any one dealing with them shall be responsible for his or her dealings with them and that my clients will not be held liable in regard to such actions/ dealings.*

Sd/–
(**Pankaj Kumar Yadav**) Advocate
CH No.405, 4th Floor, Saket,
District Court Complex,
New Delhi-110017
(M) 9990619597

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकााक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदो से छापकर प्रकाित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा में एसआईआर : बीएलए जमा कर सकेंगे गणना फार्म

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत निर्वाचन विभाग ने राजनीतिक दलों की भागीदारी और बढ़ा दी है। अब मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) प्रतिदिन 50 तक एन्यूमरेशन (गणना) फार्म मतदाताओं से एकत्र कर संबंधित बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) को जमा करा सकेंगे। इसके साथ ही राजनीतिक दलों को आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त बीएलए नियुक्त करने की भी अनुमति दी गई है। निर्वाचन आयोग का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाना है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के तहत राज्य में 15 जून से विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान शुरू किया गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ए श्रीनिवास ने सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया में सक्रिय सहयोग करें और बीएलओ के संपर्क करने पर आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि मतदाता सूची को पूरी तरह अद्यतन और सटीक बनाया जा सके।हरियाणा में वर्तमान में कुल 2 करोड़ 6 लाख 55 हजार 929 मतदाता दर्ज हैं। इनके सत्यापन और पुनरीक्षण के लिए निर्वाचन विभाग ने 20,629 बूथ लेवल अधिकारियों की तैनाती की है। बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना फार्म वितरित कर रहे हैं तथा उन्हें भरवाने, एकत्र करने और सत्यापन का कार्य भी कर रहे हैं।

11 औद्योगिक क्षेत्रों में ई-ऑक्शन से होंगे प्लॉट आवंटन

चंडीगढ़। हरियाणा में नए उद्योगों की स्थापना का रास्ता साफ हो गया है। सरकार ने एक साथ कई प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में नए प्लॉट अलॉट करने की तैयारी कर ली है। हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम (एचएसआईआईडीसी) ने 11 औद्योगिक एस्टेट में औद्योगिक प्लॉटों की ई-नीलामी की घोषणा की है। इसके तहत छोटे, मध्यम और बड़े निवेशकों के लिए अलग-अलग आकार के प्लॉट उपलब्ध कराए जाएंगे। ई-ऑक्शन प्रक्रिया सामान्य श्रेणी के तहत होगी और पात्र आवेदकों को आवेदन का अवसर मिलेगा। इसके लिए रजिस्ट्रेशन और ईएमडी जमा करने की प्रक्रिया 22 जून तक चलेगी, जबकि ई-नीलामी जुलाई के पहले सप्ताह से शुरू करने की तैयारी है। ई-नीलामी में आईएमटी मानेसर फेज-5, आईएमटी खरखौदा, आईएमटी फरीदाबाद, आईई कुंडली, आईई राय, आईजीसी साहा, आईआईडीसी सिरसा, आईई नरवाना और पंचकूला एक्सटेंशन-2 समेत कई औद्योगिक क्षेत्र शामिल किए गए हैं। पंचकूला एक्सटेंशन-2 में फार्मा पार्क और आईटी सेक्टर के लिए भी अलग प्लॉट रखे गए हैं।

हरियाणा के 19 जिलों में होगी नीट की परीक्षा, दोहरी जांच से गुजरेंगे परीक्षार्थी

चंडीगढ़। हरियाणा में 21 जून को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी 2026) के शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए व्यापक एवं बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की है। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने सभी पुलिस आयुक्तों, पुलिस अधीक्षकों तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को परीक्षा केंद्रों की नियमित निगरानी, औचक निरीक्षण तथा सुरक्षा प्रबंधों की सतत समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं।पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने आला अधिकारियों के साथ बैठक के बाद गुरुवार को बताया कि परीक्षा का आयोजन प्रदेश के गुरुग्राम, फरीदाबाद, सोनीपत, झज्जर, रोहतक, अंबाला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, करनाल, कैथल, पानीपत, हिसार, रेवाड़ी, जींद, नूंह, भिवानी, पलवल, सिरसा एवं महेंद्रगढ़ समेत 19 जिलों में किया जाएगा। सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल, ड्यूटी मजिस्ट्रेट, महिला एवं पुरुष फ्रिस्किंग टीमें तथा क्विक रिस्पांस टीमें तैनात रहेंगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि परीक्षा के दौरान सुरक्षा, यातायात, चिकित्सा सहायता, पेयजल तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

सुरक्षा के प्रति सतर्कता एवं तकनीकी संसाधनों का उपयोग अत्यंत आवश्यक : सिद्धांत जैन

हिसार। जिले में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा अपराधों की रोकथाम के उद्देश्य से बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिले के सभी बैंक प्रबंधकों, ज्वेलरी शोरूम संचालकों, शराब ठेका संचालकों, पेट्रोल पंप मालिकों, मेडिकल/केमिस्ट एसोसिएशन के प्रतिनिधियों, प्रधान कमीशन एजेंटों तथा होटल एवं रेस्टोरेंट मालिकों ने भाग लिया। बैठक में पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने सभी संबंधित संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ सुरक्षा प्रबंधों को लेकर विस्तृत चर्चा की तथा उन्हें अपने-अपने प्रतिष्ठानों पर सुरक्षा मानकों को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सुरक्षा के प्रति सतर्कता एवं तकनीकी संसाधनों का उपयोग अत्यंत आवश्यक है।पुलिस अधीक्षक ने सभी संस्थानों में उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा अलार्म सिस्टम, आपातकालीन संपर्क नंबरों का प्रदर्शन तथा कर्मचारियों के सत्यापन जैसी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिसको देने का आह्वान किया।

गुरु साहिब की शिक्षाएं विकसित भारत के निर्माण में हमारी सबसे बड़ी प्रेरणाः नायब सिंह सैनी

एजेंसी

पंचकूला। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंचम पातशाह श्री गुरु अर्जन देव जी का बलिदान भारतीय इतिहास में सत्य, धर्म, मानवता और आध्यात्मिक शक्ति का अद्वितीय उदाहरण है। उनका जीवन और शहादत हमें अन्याय, अत्याचार और असत्य के सामने कभी न झुकने की प्रेरणा देती है।

मुख्यमंत्री पंचकूला में श्री गुरु अर्जन देव जी के 420वें शहीदी दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर गुरु अर्जन देव जी के जीवन पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने छबील सेवा भी की। कार्यक्रम में हरियाणा व पंजाब से अनेक संत-महापुरुष पहुंचे और हरियाणा सरकार द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसके लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया। हरियाणा सरकार द्वारा 'संत महापुरुष सम्मान

एवं विचार प्रसार योजना' के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री माता मनसा देवी और श्री नाडा साहिब की पावन धरती पर आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर वे स्वयं को सौभाग्यशाली मानते हैं। उन्होंने गुरु अर्जन देव जी के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि उनका बलिदान केवल सिख समाज की धरोहर नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि भारत का इतिहास त्याग, तपस्या, बलिदान और आध्यात्मिक पराक्रम की गौरवशाली परंपरा से भरा हुआ है। जब-जब देश, धर्म, संस्कृति और मानवता पर संकट आया, तब-तब हमारे गुरुओं और संतों ने अपने बलिदान से सत्य और धर्म की रक्षा की। श्री गुरु अर्जन देव जी का बलिदान इसी महान परंपरा का सर्वोच्च उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु अर्जन देव जी ने समाज को जोड़ने और मानवता को एक सूत्र में पिरोने का महान कार्य किया। उन्होंने अमृतसर में श्री हरमंदिर साहिब की स्थापना कर उसके चारों दिशाओं में चार द्वार बनवाए, जो इस बात का प्रतीक है कि यह पवित्र स्थान किसी एक जाति, वर्ग या धर्म के लिए नहीं बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए खुला है। उन्होंने कहा कि गुरु साहिब ने सदियों पहले ही सामाजिक समरसता, समानता और 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना को साकार रूप दिया।

बीडीपीओ की विभागीय परीक्षा में सिर्फ तीन अधिकारी हुए पास

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में खंड विकास एवं पंचायत अधिकारियों (बीडीपीओ) की विभागीय पदोन्नति परीक्षा में सिर्फ तीन अधिकारी पास हो सके हैं। कुल 64 अधिकारियों को परीक्षा में शामिल होना था, जिनमें से 29 ने पेपर ही नहीं दिया। इस तरह कुल 35 अधिकारियों ने परीक्षा दी थी, जिनमें से 32 फेल हो गए।

पिछले साल 15 से 29 दिसंबर तक यह परीक्षा हुई थी, जिसका परिणाम अब घोषित किया गया है। पहला पेपर विकास और योजना, दूसरा पेपर विकास योजनाएं और तीसरा पेपर बजट और खाता का था। 100-100 अंकों के तीनों पेपर में पास होने के लिए 50 अंक चाहिये थे। चौथा और अंतिम पेपर वैधानिक अधिनियम और नियम का था, जिसमें पास होने के लिए 75 अंक लेने अनिवार्य थे। विकास एवं पंचायत विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विजयेंद्र कुमार ने आहरण एवं वितरण अधिकारियों (डीडीओ) को सभी अधिकारियों का परीक्षा परिणाम उनकी सर्विस बुक में दर्ज करने और मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (एचआरएमएस) पर अपलोड करने का निर्देश दिया है। अनुत्तीर्ण रहे अधिकारियों को पदोन्नति के लिए फिर से आगामी परीक्षा में शामिल होने का मौका दिया जाएगा।

नशा तस्करी केसों की सुनवाई को सात जिलों में 13 नई फास्ट ट्रैक कोर्ट बनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य में नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कानूनी कार्रवाई करते हुए सात जिलों में 13 नई फास्ट ट्रैक अदालतों का गठन किया है। संबंधित जिलों में अपर सत्र न्यायाधीश के न्यायालयों को फास्ट ट्रैक कोर्ट में बदला गया है और इन न्यायालयों के न्यायाधीश इन फास्ट ट्रैक कोर्ट के विशेष न्यायाधीश होंगे। जिन जिलों में फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन हुआ है, वहां नशे की तस्करी से जुड़े केसों की त्वरित सुनवाई संभव हो सकेगी।यह फास्ट ट्रैक कोर्ट फरीदाबाद, गुरुग्राम, पंचकूला, रोहतक व यमुनानगर में एक-एक होगी, जबकि सिरसा जिले में छह फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाई गई हैं। फतेहाबाद जिले में दो फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन किया गया है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश पर यह फास्ट ट्रैक कोर्ट गठित की गई हैं। न्याय प्रशासन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार सिरसा जिले में सबसे अधिक छह अतिरिक्त एवं सत्र न्यायाधीशों की अदालतों को अन्य स्थापित अधिकारी एवं मनोभावी फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालय के रूप में अधिसूचित किया गया है। इन अदालतों में मुख्य रूप से नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम से जुड़े मामलों की सुनवाई होगी। नई अदालतों के गठन से इन मामलों के त्वरित निपटारे, दोषियों को शीघ्र सजा और पीड़ितों को जल्द न्याय मिलने की उम्मीद बढ़ गई है। हरियाणा सरकार का यह कदम केवल न्यायिक व्यवस्था का विस्तार नहीं, बल्कि नशा मुक्त हरियाणा अभियान को कानूनी मजबूती देने वाला महत्वपूर्ण निर्णय माना जा रहा है। यदि इन अदालतों में मामलों का समयबद्ध निपटारा होता है।

निर्माण श्रमिक पंजीकरण पोर्टल पुनः शुरू हुआ- अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़।हरियाणा के श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के निर्माण श्रमिकों के कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी प्रतिबद्धता के तहत हरियाणा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा लंबे समय से लंबित निर्माण श्रमिकों की मांग को ध्यान में रखते हुए श्रमिक पंजीकरण पोर्टल को पुनः शुरू कर दिया गया है, ताकि वास्तविक एवं पात्र श्रमिकों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से मिल सके।विज ने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि श्रमिक कल्याण योजनाओं का लाभ केवल वास्तविक और पात्र लाभार्थियों तक पहुंचे तथा व्यवस्था में पूर्ण पारदर्शिता और जवाबदेही बनी रहे। इसी दृष्टिकोण से पूर्व में प्राप्त शिकायतों एवं अनियमितताओं की जांच के बाद अब संशोधित एवं अधिक सुदृढ़ व्यवस्था के साथ पंजीकरण प्रक्रिया पुनः आरंभ की गई

है। उन्होंने बताया कि निर्माण श्रमिकों के नए पंजीकरण के लिए ऑनलाइन पोर्टल खोल दिया गया है। इसके साथ ही उन श्रमिकों की सदस्यता नवीनीकरण प्रक्रिया भी पुनः शुरू कर दी गई है, जो सत्यापन एवं जांच प्रक्रिया के दौरान पात्र पाए गए थे।

श्रम मंत्री ने कहा कि सरकार ने श्रमिकों के हितों की रक्षा के साथ-साथ व्यवस्था की शुचिता बनाए रखने के लिए संतुलित कदम उठाए हैं। जिन मामलों में जांच के दौरान पंजीकरण अमान्य अथवा अपात्र पाया गया था, उनके लिए भी एक न्यायसंगत व्यवस्था बनाई गई है। ऐसे श्रमिकों की शिकायतों एवं आपत्तियों के निवारण हेतु क्षेत्रीय अधिकारियों की एक शिकायत निवारण समिति गठित की गई है। संबंधित श्रमिक निर्धारित प्रक्रिया के तहत समिति के समक्ष अपना पक्ष रख सकेंगे, जिस पर निष्पक्ष रूप से विचार किया जाएगा। अनिल विज ने कहा कि श्रमिक राज्य के विकास की रीढ़ है और उनकी मेहनत से ही प्रदेश में आधारभूत संरचना तथा विकास परियोजनाएं आकार लेती हैं। इसलिए सरकार उनकी सामाजिक सुरक्षा, आर्थिक सहायता और कल्याणकारी सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि भविष्य में पंजीकरण प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, तकनीक आधारित और सत्यापन मानकों के अनुरूप संचालित हो, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता की संभावना समाप्त हो सके तथा पात्र श्रमिकों को बिना किसी बाधा के लाभ प्राप्त हो। विज ने सभी वास्तविक एवं पात्र निर्माण श्रमिकों से अपील की कि वे निर्धारित नियमों एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपना पंजीकरण अथवा नवीनीकरण करवाएं तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार और हरियाणा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड वास्तविक श्रमिकों के हितों की रक्षा तथा उन्हें पारदर्शी एवं प्रभावी तरीके से लाभ पहुंचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

हरियाणा में गृह विभाग की 33 सेवाएं राइट टू सर्विस के दायरे में, लोगों को मिलेगा तय अवधि में लाभ

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने नागरिकों को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए गृह विभाग की 33 सेवाओं को हरियाणा सेवा का अधिकार अधिनियम, 2014 के अंतर्गत अधिसूचित किया है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार इन सेवाओं के लिए निर्धारित समय-सीमा निर्धारित की गई है। इससे नागरिकों को विभिन्न अनुमतियों, सत्यापन और लाइसेंस संबंधी सेवाएं तय समय पर मिल सकेंगी।

अधिसूचना के अनुसार, यदि हथियार लाइसेंस उसी जिले में नवीनीकरण के लिए प्रस्तुत किया जाता है और लाइसेंस की अवधि समाप्त नहीं हुई है, तो उसका नवीनीकरण 15 दिनों के भीतर किया जाएगा। वहीं छह वर्षीय चक्र के बाद, जहां पुलिस सत्यापन आवश्यक होगा, हथियार लाइसेंस के नवीनीकरण के लिए पुलिस सत्यापन की प्रक्रिया 22 दिनों में पूरी की जाएगी। हथियार लाइसेंस में हथियार

जोड़ने या हटाने, हथियार खरीदने की अवधि बढ़ाने तथा विरोध प्रदर्शन/हड़ताल, जुलूस और कार्यक्रम/सांस्कृतिक प्रस्तुति आयोजित करने की अनुमति संबंधी सेवाएं 7 दिनों के भीतर प्रदान की जाएंगी। विदेशियों के पंजीकरण (आगमन एवं प्रस्थान) की सेवा तत्काल उपलब्ध कराई जाएगी। इसी प्रकार एफआईआर अथवा डीडीआर की प्रति भी तत्काल अथवा ऑनलाइन उपलब्ध कराई जाएगी। विदेशियों के आवासीय परमिट के विस्तार, लाउडस्पीकर उपयोग की अनुमति, मेले, प्रदर्शनी, खेल आयोजनों आदि के लिए अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी), अजनबी सत्यापन तथा पुराने वाहनों के लिए एनओसी जारी करने की सेवाएं 5 दिनों की समय-सीमा में उपलब्ध कराई जाएंगी। घरेलू सहायता सत्यापन, किरायेदार सत्यापन, चरित्र प्रमाण-पत्र, पुलिस क्लियरेंस सर्टिफिकेट, कर्मचारी सत्यापन तथा पंजीकृत खोई हुई संपत्ति के निस्तारण से संबंधित सेवाएं 21 दिनों के भीतर प्रदान की जाएंगी। पेट्रोल पंप, सिनेमा हॉल आदि की स्थापना के लिए एनओसी 15 दिनों के भीतर जारी की जाएगी। वहीं सिनेमा लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया 30 दिनों में तथा उसके नवीनीकरण की प्रक्रिया 25 दिनों में पूरी की जाएगी।पेट्रोलियम नियम, 2002 के तहत पेट्रोल के आयात एवं भंडारण के लिए अनापत्ति प्रमाण-पत्र, विस्फोटक नियम, 2008 के अंतर्गत आतिशबाजी के भंडारण एवं बिक्री की अनुमति, आतिशबाजी लाइसेंस का नवीनीकरण तथा आतिशबाजी की दुकान एवं गोदाम के लिए एनओसी जैसी सेवाएं 30 दिनों की निर्धारित अवधि में उपलब्ध कराई जाएंगी।

पंचकूला निगम घोटाले में आईएएस आर के सिंह गिरफ्तार

एजेंसी

चंडीगढ़। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने पंचकूला नगर निगम (एमसी) के तत्कालीन आयुक्त राम कुमार सिंह, आईएएस को सरकारी धन के गबन के मामले में गिरफ्तार कर लिया है। यह गबन एमसी पंचकूला के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, सेक्टर-32, चंडीगढ़ शाखा में खोले गए खाते से किया गया था। जांच में पता चला है कि उक्त खाता वित्त विभाग, हरियाणा सरकार के नियमों का उल्लंघन करते हुए खोला गया था। खाता खोलने वाले फॉर्म में जानबूझकर गलत जानकारी डाली गई ताकि बाद में होने वाले फर्जी लेन-देन को छिपाया जा सके।

सीबीआई के अनुसार, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के आरोपी अधिकारियों से सांठ-गांठ करके राम कुमार सिंह ने मध्यस्थों के माध्यम से बैंक को कई हस्ताक्षरित चेक सौंपे, जिन्हें फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) खोलने के नाम पर दिया गया। लेकिन कोई एफडी कभी खोली ही नहीं गई और चेक से पैसे डेबिट करके उन्हें आरोपी बैंक अधिकारियों द्वारा नियंत्रित शेल कंपनियों में डायवर्ट कर दिया गया। इस घोटाले में नगर निगम के तत्कालीन आयुक्त और सीनियर अकाउंटेंट की सक्रिय भूमिका थी। सीनियर अकाउंटेंट को सीबीआई पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। जांच में राम कुमार सिंह, आईएएस की सक्रिय संलिप्तता साबित होने पर उन्हें आज गिरफ्तार किया गया। उनकी चंडीगढ़ और करनाल स्थित आवासों पर छापेमारी की गई, जिसमें कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद हुए हैं। यह घोटाला पंचकूला नगर निगम का है जिसमें करीब 79.46 करोड़ के सरकारी फंड का गबन हुआ। यह हरियाणा के आठ सरकारी विभागों के 504 करोड़ के बड़े घोटाले का हिस्सा है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक की सेक्टर-32 शाखा में फर्जी फिक्स्ड डिपॉजिट और डेबिट नोट के जरिए पैसे शेल कंपनियों में भेजे गए। सीबीआई ने इस मामले में अब तक 17 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है।

राज्यपाल प्रो असीम कुमार घोष ने हरियाणा लोक भवन से 9 नई एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती देने की दिशा में माननीय राज्यपाल एवं हरियाणा राज्य रेड क्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष प्रो. असीम कुमार घोष द्वारा हरियाणा लोक भवन चंडीगढ़ से 9 नई एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर लेडी गवर्नर मित्रा घोष भी मौजूद थीं। गौरतलब है कि राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने अपने जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मानवीय सेवाओं को और सशक्त बनाने के उद्देश्य से 9 नई एंबुलेंस हरियाणा राज्य रेडक्रास को भेंट करने की घोषणा की गई थी।

उसी घोषणा के अनुरूप अब इन नई एंबुलेंसों को हरियाणा लोक भवन से रवाना कर मानवीय सेवाओं हेतु समर्पित किया गया। जिसका अनुमानित लागत मूल्य राशि 1 करोड़ रुपये है। राज्यपाल ने कहा कि रेड क्रॉस की मानवीय गतिविधियां समाज के लिए प्रेरणादायक है और हर जिले में एंबुलेंस उपलब्ध कराने का प्रयास जरूरतमंदों को समय पर मदद देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा जरूरतमंद मरीजों तक समय पर चिकित्सा सहायता पहुंचाने में एंबुलेंस की अहम भूमिका होती है और रैडक्रास के माध्यम से यह सेवा समाज के लिए बड़ी राहत साबित होगी।

हरियाणा के राज्यपाल के रूप में उनका सपना है कि राज्य के प्रत्येक जिले में रेडक्रास सोसायटी के पास कम से कम एक एंबुलेंस हो, ताकि हरियाणा रेडक्रास सोसायटी जरूरतमंद लोगों को सेवाएं और त्वरित सहायता उपलब्ध कराने में अग्रणी बन सके। इन एंबुलेंसों का उपयोग राज्य के सभी जिलों में गरीब एवं जरूरतमंद लोगों के लिए निःशुल्क किया जायेगा। उन्होंने हरियाणा राज्य रेडक्रास सोसायटी के वाइस चेयरमैन अंकुश मिगलानी को संस्था को अग्रणी बनाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर प्रशंसा की। राज्यपाल द्वारा हरियाणा रैडक्रास को पूरे भारत में अपनी मानवीय गतिविधियों के लिए प्रथम स्थान पर लाने के लिए सभी का आह्वान किया।

हरियाणा राज्य रेडक्रास स सायटी के वाइस चेयरमैन अंकुश मिगलानी ने कहा कि नई एंबुलेंस मिलने से आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं का दायरा और मजबूत होगा तथा समय पर जरूरतमंद लोगों को आपातकालीन सुविधाएं आसानी से मिल सकेंगी। इसके साथ ही वाइस चेयरमैन अंकुश मिगलानी ने माननीय राज्यपाल से अनुरोध किया कि हरियाणा राज्य के सभी जिला रेडक्रास शाखाओं में एक-एक शव-वाहन की आवश्यकता है।

हरियाणा में चतुर्थ श्रेणी पदों के लिए सीईटी का ऐलान

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने प्रदेश में चतुर्थ श्रेणी पदों की भर्तियों के लिए सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी) का ऐलान कर दिया है। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) ने नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। शुक्रवार सुबह पोर्टल खुल जाएगा, जिसके बाद युवा तीन जुलाई की रात 11:59 बजे तक आवेदन कर सकेंगे। छह जुलाई तक शुल्क जमा कराया जा सकेगा। आवेदन में कोई गलती हुई तो सात से नौ जुलाई तक करेक्शन पोर्टल खोला जाएगा, जिससे युवा जानकारी में संशोधन कर सकेंगे।

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष हिम्मत सिंह ने बताया कि परीक्षा और प्रवेश पत्र जारी करने की तिथि बाद में अलग से घोषित की जाएगी। पिछड़ा वर्ग-ए (बीसी-ए), पिछड़ा वर्ग-बी (बीसी-बी) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) श्रेणी के अभ्यर्थियों के प्रमाणपत्र एक अप्रैल या इसके बाद जारी किए होने चाहिए तथा आवेदन की अंतिम तिथि तक वैध होने चाहिए। वंचित अनुसूचित जाति वर्ग (डीएससी) और अन्य अनुसूचित जाति वर्ग (ओएससी) अभ्यर्थियों के लिए प्रमाणपत्र 13 नवंबर 2024 के बाद जारी होना अनिवार्य किया गया है। इसी तरह दिव्यांग और ईएसपी श्रेणी के उम्मीदवारों के प्रमाणपत्र आवेदन की अंतिम तिथि तक वैध होने चाहिए। पूर्व सैनिक (ईएसएम) के आश्रितों के लिए पात्रता प्रमाणपत्र 20 जून 2025 या उसके बाद जारी अथवा नवीनीकृत होना जरूरी होगा। अभ्यर्थी आयोग की वेबसाइट पर जाकर विस्तृत विज्ञापन और पात्रता संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। प्रदेश सरकार की ओर से ग्रुप डी की भर्तियों के नियमों में संशोधन किया जा चुका है। चतुर्थ श्रेणी पदों की सभी भर्तियां सीईटी अंकों के आधार पर होंगी। सामाजिक-आर्थिक आधार पर अतिरिक्त अंकों को खत्म कर दिया गया है। जिन पदों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता दसवीं से कम निर्धारित है, उन्हें छोड़कर अन्य सभी पदों पर चयन सीईटी में प्राप्त अंकों पर आधारित रहेगा।

प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में हरियाणा की रहेगी अहम भागीदारी: डा. अर्चना गुप्ता

एजेंसी

चंडीगढ। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता का नूंह पहुंचने पर जिला अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह पिंटू, पूर्व विधायक चौधरी जाकिर हुसैन, पूर्व मंत्री संजय सिंह, पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं तथा गणमान्य नागरिकों ने भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। जगह-जगह स्वागत कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां ढोल-नगाड़ों की गूंज, पुष्पवर्षा और भारत माता की जय, मोदी, नायब जिंदाबाद, डा. अर्चना गुप्ता जिंदाबाद के जयघोषों के बीच प्रदेश अध्यक्ष का जोरदार स्वागत किया गया। कार्यकर्ताओं और नागरिकों के उत्साह को देखकर डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि यह स्वागत किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि भाजपा के समर्पित और कर्मठ कार्यकर्ताओं का सम्मान है, जो दिन-रात संगठन और राष्ट्रहित के लिए कार्य कर रहे हैं। पटेल वाटिका में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूल मंत्र पर कार्य करती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने बिना किसी भेदभाव के समाज के अंतिम व्यक्ति तक

विकास की योजनाएं पहुंचाने का कार्य किया है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि लंबे समय तक सत्ता में रही कांग्रेस ने केवल वोट बैंक की राजनीति और तुष्टिकरण की नीति अपनाई, जबकि भाजपा ने विकास और सुशासन को प्राथमिकता दी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि मोदी सरकार में आज देश में 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। 14 करोड़ से अधिक परिवारों को शौचालय की सुविधा मिली है। उज्ज्वला योजना के तहत करोड़ों महिलाओं को गैस कनेक्शन देकर धुएं से मुक्ति दिलाई गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से गरीबों को पक्के घर मिले हैं और आयुष्मान भारत योजना के जरिए जरूरतमंद परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की गई है। भाजपा धर्म, जाति और क्षेत्र के आधार पर राजनीति नहीं करती, बल्कि बिना भेदभाव के हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य करती है।प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। प्रदेश में एक्सप्रेसवे, राष्ट्रीय राजमार्ग, आधुनिक सड़कें और आधारभूत ढांचे का तेजी से विस्तार हो रहा है। युवाओं को पारदर्शी व्यवस्था के तहत मेरिट के आधार पर नौकरियां मिल रही हैं। मुख्यमंत्री ने विधानसभा चुनाव के दौरान जो संकल्प प्रदेश की जनता के सामने रखे थे।

राहुल गांधी युवाओं और छात्रों की आवाज़ उठा रहे हैं, शिक्षा में सुधार की जरूरत : सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि देश की शिक्षा व्यवस्था आज गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है और लाखों छात्र-छात्राएं अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। सांसद ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं, पेपर लीक की घटनाओं तथा भर्ती प्रक्रियाओं में देरी ने युवाओं का भरोसा कमजोर किया है। कुमारी सैलजा ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा शिक्षा व्यवस्था और युवाओं के भविष्य को लेकर उठाए जा रहे मुद्दे देश के करोड़ों छात्रों की भावनाओं से जुड़े हुए हैं। सांसद ने कहा कि राहुल गांधी जन-जन की आवाज बनकर यह प्रश्न उठा रहे हैं कि देश की शिक्षा व्यवस्था युवाओं को सीमित विकल्पों तक क्यों बांध रही है और उनकी वास्तविक प्रतिभा तथा रुचियों को पर्याप्त अवसर क्यों नहीं मिल रहे। कुमारी सैलजा ने कहा कि जब नीट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षाओं की निष्पक्षता पर सवाल खड़े होते हैं, जब परीक्षा प्रक्रियाओं में पारदर्शिता को लेकर चिंताएं बढ़ती हैं और जब मेहनती विद्यार्थियों को व्यवस्था की खामियों का खामियाजा भुगतना पड़ता है, तब सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह युवाओं का विश्वास बहाल करे। शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि देश के भविष्य का आधार है। कुमारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस का मानना है कि प्रत्येक विद्यार्थी को उसकी योग्यता, रुचि और क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए। शिक्षा प्रणाली ऐसी होनी चाहिए जो युवाओं को केवल कुछ पारंपरिक व्यवसायों तक सीमित न रखे, बल्कि नवाचार, उद्यमिता, कला, खेल, अनुसंधान और अन्य क्षेत्रों में भी समान अवसर प्रदान करे। कुमारी सैलजा ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा शुरू किया गया छात्र हितों का अभियान युवाओं की चिंताओं को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने का प्रयास है।

जेनरेटिव एआई से रियल एस्टेट में उछाल, 17 अरब डॉलर तक की अतिरिक्त वैल्यू

बिक्री में 50 फीसदी सुधार, अगले 7 साल में बढ़ेगा 14-17 अरब डॉलर का जीवीए

नई दिल्ली ।

जेनरेटिव आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (जेनएआई) अगले सात साल में रियल एस्टेट क्षेत्र में 14 से 17 अरब डॉलर तक का अतिरिक्त सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) कर सकता है। इससे रियल एस्टेट के कुल मूल्य में 3 से 4 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है। ईवाई-पार्थेनॉन और क्रेडाई की संयुक्त रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार जेनएआई की मदद से डेवलपरों को बिक्री की रफ्तार में 30 से 50 प्रतिशत तक का सुधार देखने को मिल सकता है। इसके साथ ही परियोजनाओं को लॉन्च करने में भी लगभग 30 प्रतिशत की तेजी आएगी। जेनएआई सौदों के मूल्यांकन में लगने वाले समय को लगभग 50 प्रतिशत तक घटा सकता है, जबकि भूमि अधिग्रहण का समय 30 से 35 प्रतिशत तक कम हो सकता है। यह स्वचालित व्यावहारिक मॉडलिंग और विक्रेता मूल्यांकन के जरिए 2.5 गुना अधिक सौदों के मूल्यांकन को सक्षम करेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि जेनएआई को जल्दी अपनाने वाले व्यवसायों को जबरदस्त परिचालन लाभ मिल सकता है, जिसमें कार्यबल उत्पादकता में 20-50 फीसदी सुधार और ग्राहक अधिग्रहण लागत में उतनी ही कमी होगी। इससे निर्णय लेने की अवधि भी महीनों से हफ्तों या दिनों में सिमट जाएगी, जिससे डेवलपरों को व्यावहारिकता का आकलन करने और परियोजनाओं की योजना बनाने के तरीकों को नया आकार देने में मदद मिलेगी।

एक्सेंचर का राजस्व बढ़ा पर निवेशकों को नहीं भाया, शेयर गिरे

- तिमाही में कंसल्टिंग कारोबार की धीमी वृद्धि और आउटसोर्सिंग बुकिंग्स में गिरावट चिंता का विषय बनी

नई दिल्ली ।

ग्लोबल आईटी कंसल्टिंग और आउटसोर्सिंग दिग्गज एक्सेंचर ने हाल ही में अपने तिमाही नतीजे जारी किए हैं, जिसमें राजस्व में 5.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई और यह 18.7 अरब डॉलर रहा। हालांकि, इन आंकड़ों के बावजूद निवेशकों में खास उत्साह नहीं दिखा और कंपनी के शेयर में जोरदार गिरावट देखने को मिली। नए ऑर्डर मिलने की धीमी रफ्तार और पूरे साल के लिए ग्रोथ अनुमान में कटौती ने बाजार की चिंताएं बढ़ा दी हैं। एक्सेंचर के नतीजों से भले ही कंपनी का राजस्व 5.6 फीसदी बढ़कर 18.7 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो बाजार के अनुमानों के करीब था, फिर भी निवेशकों ने इसे सकारात्मक रूप से नहीं लिया। तिमाही के दौरान, कंपनी के कंसल्टिंग कारोबार की वृद्धि सिर्फ 1 फीसदी रही, जबकि आउटसोर्सिंग या मैनेज्ड सर्विसेज कारोबार में 5 फीसदी की वृद्धि देखी गई। यह दर्शाता है कि कंपनी का मौजूदा बड़ा कारोबार तो चल रहा है, लेकिन नए प्रोजेक्ट हासिल करने की रफ्तार उम्मीद के मुताबिक नहीं है। निवेशकों की सबसे बड़ी चिंता नए ऑर्डर यानी बुकिंग्स को लेकर थी। इस तिमाही में एक्सेंचर को 19.3 अरब डॉलर के नए ऑर्डर मिले, जो पिछले साल के मुकाबले 2 फीसदी कम हैं।

खास बात यह रही कि जहां कंसल्टिंग बुकिंग्स में 13 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, वहीं आउटसोर्सिंग बुकिंग्स में करीब 15 फीसदी की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। कंपनी ने इसकी वजह पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और कुछ बड़े आउटसोर्सिंग सौदों का अगले वित्त वर्ष के लिए टल जाना बताया है, जिससे उसे करीब 10 करोड़ डॉलर के राजस्व का नुकसान हुआ। इन चुनौतियों के चलते, एक्सेंचर ने वित्त वर्ष 2026 के लिए अपने ग्रोथ गाइडेंस को भी कम कर दिया है। पहले 3 से 5 फीसदी की वृद्धि की उम्मीद थी, जिसे अब घटाकर 3 से 4 फीसदी कर दिया गया है। यह संकेत देता है कि कंपनी आने वाले समय में धीमी कारोबार रफ्तार की आशंका कर रही है। हालांकि, कंपनी भविष्य को लेकर आशावादी है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को एक बड़ा ग्रोथ इंजन मान रही है।

एक्सेंचर का कहना है कि ग्राहक अब एआई के बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन की योजना बना रहे हैं। इसके अलावा, कंपनी ने मिड-साइज कंपनियों के लिए एक्सेंचर एज प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है और अधिग्रहण (एक्विजिशन) के लिए अपना बजट 5 अरब डॉलर से बढ़ाकर 9 अरब डॉलर कर दिया है, जो भविष्य की तैयारी में उसके मजबूत इरादों को दर्शाता है।

वैश्विक चिप उद्योग में 10 लाख पेशेवरों की कमी, भारत के लिए बड़ा अवसर अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग लगभग 10 लाख पेशेवरों की कमी का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह भारत के लिए एक बड़ा अवसर है और देश इस क्षेत्र में कुशल मानव संसाधन उपलब्ध कराने वाला प्रमुख केंद्र बन सकता है। पटना स्थित सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) केंद्र में बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग का वर्तमान आकार लगभग 800 अरब डॉलर है और अगले एक वर्ष के भीतर इसके 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक होने की संभावना है। अश्विनी वैष्णव ने कहा, ÷वर्ष 2032 तक वैश्विक सेमीकंडक्टर क्षेत्र में लगभग 10 लाख नई नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। वहीं उद्योग को करीब 10 लाख कुशल पेशेवरों की कमी का भी सामना करना पड़ रहा है।÷ उन्होंने कहा कि भारत को इस अवसर का लाभ उठाने के लिए दो प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान देना होगा - सेमीकंडक्टर डिजाइन और सेमीकंडक्टर निर्माण। मंत्री के अनुसार, सरकार देश में विश्वस्तरीय सेमीकंडक्टर डिजाइन क्षमता विकसित करने की दिशा में काम कर रही है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि भारतीय छात्र दुनिया के सबसे बेहतर प्रशिक्षित पेशेवरों में शामिल हों। उन्होंने कहा, ÷जब छात्र सेमीकंडक्टर डिजाइन कौशल के साथ स्नातक होकर निकलें, तो उन्हें दुनिया की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं में गिना जाए और उन्हें तुरंत उद्योग में अवसर मिलें।÷ अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सेमीकंडक्टर डिजाइन से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों और पहलों के माध्यम से अब तक लगभग 75 हजार छात्रों को आकर्षक अवसर मिल चुके हैं। उन्होंने कहा, ÷हमारा लक्ष्य इस संख्या को 75 हजार से बढ़ाकर 5 लाख छात्रों तक पहुंचाना है।÷ मंत्री ने कहा कि भारत में सेमीकंडक्टर निर्माण गतिविधियां पहले ही शुरू हो चुकी हैं।

एशियाई बाजारों में मजबूती के साथ कारोबार

मुंबई ।

एशियाई बाजारों से हालांकि सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक करीब 2.7 प्रतिशत की तेजी के साथ नए उच्च स्तर पर पहुंच गया, जबकि जापान का निक्केई 225 भी 0.58 प्रतिशत की बढ़त दर्ज करते हुए रिकॉर्ड ऊंचाई पर कारोबार करता दिखा। गुरुवार को वॉल स्ट्रीट में निवेशकों का रुख सकारात्मक रहा। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.14 प्रतिशत मजबूत होकर बंद हुआ। वहीं एसएंडपी 500 में 1.08 प्रतिशत और नैस्डैक कंपोजिट में 1.91 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

कच्चे तेल में नरमी, पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं

ब्रेंट क्रूड 1.33 फीसदी गिरकर 78.79 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल बाजार में शुक्रवार को कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, जिससे उपभोक्ताओं को तात्कालिक राहत मिली। हालांकि, ईरान द्वारा रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर संभावित टोल टैक्स के संकेत ने भविष्य में तेल आपूर्ति और परिवहन लागत को लेकर नई चिंताएं बढ़ा दी हैं। इस सबके बीच, भारत में पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। ईरान ने दुनिया के सबसे अहम समुद्री व्यापार मार्गों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर टोल लगाने का संकेत दिया है। यदि यह लागू होता है, तो तेल परिवहन की लागत में भारी वृद्धि होगी, जिसका सीधा असर वैश्विक बाजार पर पड़ेगा। अमेरिका के साथ तनाव कम होने की उम्मीद के बावजूद यह कदम तेल बाजार में अनिश्चितता बढ़ा रहा है। इन भू-राजनीतिक चिंताओं के बावजूद, शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 1.33 फीसदी गिरकर 78.79 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.08 फीसदी घटकर 75.03 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा। भारतीय बाजार के लिए अच्छी खबर यह रही कि शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। सरकारी तेल कंपनियों ने पुराने दाम ही बरकरार रखे, जिससे आम जनता को फिलहाल महंगाई का नया झटका नहीं लगा। देश की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर रहे। मुंबई में भी कीमतें यथावत बनी हुई हैं।

स्विस बैंकों में भारतीयों का पैसा 8 फीसदी से अधिक घटा रिपोर्ट

कुल राशि 3.25 अरब स्विस फ्रैंक हुई, स्थानीय शाखाओं के जरिए जमा राशि में आई कमी

नई दिल्ली ।

स्विस बैंकों में भारतीयों द्वारा जमा किया गया धन वर्ष 2025 में 8 प्रतिशत से अधिक घटकर 3.25 अरब स्विस फ्रैंक (लगभग 36,793 करोड़ रुपये) रह गया है। स्विट्जरलैंड के केंद्रीय बैंक, स्विस नेशनल बैंक (एसएनबी) द्वारा जारी वार्षिक आंकड़ों के अनुसार, यह कमी मुख्य रूप से स्थानीय शाखाओं और अन्य वित्तीय संस्थानों के माध्यम से रखे गए धन में गिरावट के कारण दर्ज की गई है। एसएनबी के आंकड़ों के मुताबिक, कुल जमा राशि में गिरावट के बावजूद, व्यक्तिगत और संस्थागत ग्राहकों के खातों में जमा धन 50 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 52.4 करोड़ स्विस फ्रैंक (लगभग 6,000 करोड़ रुपये) हो गया है। हालांकि, कुल राशि में इन जमाओं की हिस्सेदारी लगभग 16 प्रतिशत ही रही। कुल धनराशि का बड़ा हिस्सा बैंकों को देय राशि के रूप में था, जो अन्य बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों के जरिये रखी गई थी। यह राशि पिछले साल करीब 15 प्रतिशत घटकर 2.6 अरब स्विस फ्रैंक रही। इससे पहले, वर्ष 2024 में स्विस बैंकों में जमा कुल भारतीय धन तिगुना होकर 3.5 अरब स्विस फ्रैंक हो गया था, जो 2021 के बाद का उच्चतम स्तर था। वर्ष 2021 में यह आंकड़ा 14 साल के उच्चतम स्तर 3.83 अरब स्विस फ्रैंक पर था। एनएनबी स्पष्ट करता है कि ये आंकड़े स्विट्जरलैंड में भारतीयों के कथित काले धन की मात्रा को नहीं दर्शाते हैं, न ही इनमें वह धन शामिल है जो तीसरे देशों की

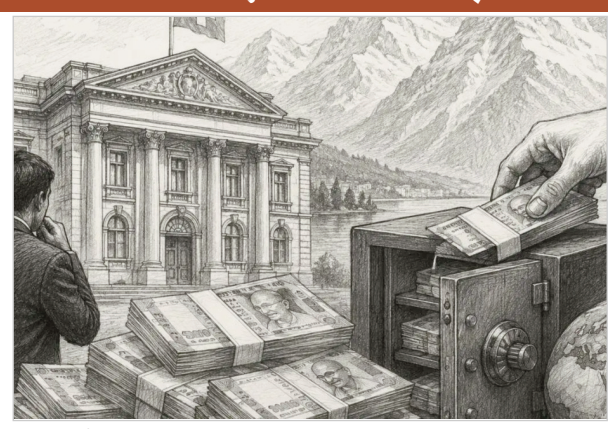

इकाइयों के नाम पर रखा गया हो। एसएनबी के आंकड़ों के अनुसार, स्विस बैंकों में भारतीयों की कुल जमा राशि वर्ष 2006 में करीब 6.5 अरब स्विस फ्रैंक के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई थी, जिसके बाद इसमें अधिकांश समय गिरावट का रुख रहा है, हालांकि कुछ वर्षों में इसमें वृद्धि भी देखी गई। वर्ष 2025 के अंत में मौजूद कुल 325.05 करोड़ स्विस फ्रैंक की देनदारियों में से प्रमुख रूप से ग्राहक जमा, अन्य बैंकों के जरिये रखी गई राशि और बॉन्ड एवं प्रतिभूतियों जैसे वित्तीय साधन शामिल थे।

एनआरआई ग्राहकों को लेकर चिंता में बैंक ग्राहकों को लुभाने की दौड़ तेज

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा फॉरेन करेंसी नॉन-रेजिडेंट (एफसीएनआर(बी) डिपॉजिट पर ब्याज दर की ऊपरी सीमा हटाने के बाद बैंकों में कड़ी प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है। इस बदलाव से कुछ बैंक अपने विदेशी ग्राहकों को खोने की आशंका से चिंतित हैं, क्योंकि अन्य बैंक अधिक आकर्षक रिटर्न दे रहे हैं। आरबीआई के फैसले के बाद कई बैंकों ने (एफसीएनआर(बी) डिपॉजिट पर अपनी ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है। इससे उन बैंकों की चिंता बढ़ गई है जिनके एनआरआई ग्राहक बेहतर रिटर्न की तलाश में दूसरे बैंकों की ओर रुख कर सकते हैं। कुछ बैंक, जिन्होंने पहले ही नई दरों की घोषणा कर दी थी, अब केंद्रीय बैंक के नए नियमों के मद्देनजर अपनी योजनाओं की समीक्षा कर रहे हैं। एक वरिष्ठ बैंकर ने पुष्टि की कि वे अपनी घोषित दरों पर फिर से विचार करेंगे। बैंकरों और विश्लेषकों का मानना है कि छोटे बैंक अब दरें आक्रामक रूप से बढ़ा सकते हैं, जबकि बड़े बैंक संभवतः 6 फीसदी के स्तर के आसपास ही बने रहेंगे।

वैश्विक संकेतों से भारतीय आईटी सेक्टर में भूचाल

निफ्टी आईटी 6 फीसदी टूटा, इंफोसिस 8 फीसदी तक लुढ़का

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को आईटी सेक्टर पर जोरदार मार पड़ी। अमेरिकी आईटी दिग्गज एक्सेंचर के कमजोर व्यावसायिक संकेतों के बाद निवेशकों में भारतीय आईटी कंपनियों की भविष्य की ग्रोथ को लेकर चिंता बढ़ गई, जिसके चलते निफ्टी आईटी इंडेक्स में लगभग 6 फीसदी की तेज गिरावट आई। इस बिकवाली के कारण प्रमुख आईटी शेयरों में भारी नुकसान देखा गया। इंफोसिस, टीसीएस0, टेक महिंद्रा, एमफैसिस और पर्सिस्टेंट सिस्टम्स जैसे दिग्गज शेयरों में 5 से 8 फीसदी तक की बड़ी गिरावट देखी गई। निफ्टी आईटी इंडेक्स 1,700 अंक से अधिक गिरकर 26,763 पर बंद हुआ, जिसमें इंफोसिस 8 फीसदी से ज्यादा और अन्य दिग्गज 5-6.5 फीसदी तक लुढ़के। इंडेक्स में शामिल सभी 10 शेयर लाल निशान में बंद हुए।दरअसल, एक्सेंचर ने पूरे साल के लिए अपने ग्रोथ अनुमान को घटा दिया है और नए ऑर्डर भी उम्मीद से कमजोर रहे हैं। कंपनी ने मिडिल ईस्ट में तनाव और कुछ बड़े प्रोजेक्ट टलने को इसकी वजह बताया, पर वैश्विक आय पर निर्भर भारतीय आईटी कंपनियों पर असर की आशंका से बाजार में घबराहट फैली। हालांकि नुवामा के विश्लेषकों ने इसे बड़ा संकट नहीं, बल्कि हल्का नकारात्मक संकेत बताया है।

दुबई में पेट्रोल पंप पर भारतीय युवाओं के लिए कितना है वेतन पैकेज

खाड़ी देशों में रोजगार की तलाश में लाखों युवा; जानें योग्यता

नई दिल्ली ।

भारत समेत दक्षिण एशियाई देशों के लाखों युवा हर साल बेहतर रोजगार तलाशने खाड़ी देशों का रुख करते हैं, जिनमें दुबई एक प्रमुख केंद्र है। अक्सर मन में सवाल उठता है कि दुबई के पेट्रोल पंपों पर काम करने वाले प्रवासियों की कमाई कितनी है और वहां काम का माहौल कैसा? आइए जानते हैं इन फ्यूल स्टेशनों पर नौकरी से जुड़ी सभी अहम बातें। दुबई व यूएई में एडीएनओसी, अमीरात और ईपीपीसीओ/ईएनओसी जैसी प्रमुख कंपनियां फ्यूल स्टेशन संचालित करती हैं। यहां पेट्रोल भरने (फ्यूल अटेंडेंट) के अलावा, कैशियर, स्टोर एसोसिएट व कार वॉश अटेंडेंट जैसे कई अन्य पदों पर भी भर्तियां होती हैं। इन नौकरियों के लिए कम से कम 10वीं/12वीं पास, बुनियादी अंग्रेजी की समझ और शारीरिक फिटनेस अनिवार्य है। आमतौर पर 35 वर्ष से कम उम्र के युवाओं को प्राथमिकता मिलती है। भर्ती सीधे कंपनियों या थर्ड-पार्टी एजेंसियों से होती है। सैलरी दो

मुख्य मॉडलों पर आधारित है। पहले मॉडल में, कंपनी रहने व खाने की सुविधा मुफ्त देती है, जिससे मासिक आय 1,000 से 2,000 एईडी (लगभग 25,000-45,000 रुपए) होती है।

दूसरे मॉडल में, ये खर्च कर्मचारी को खुद उठाने होते हैं, पर सैलरी 2,400 एईडी (लगभग 55,000-60,000 रुपए) तक पहुंच सकती है।

बैंकों को अल्पकालिक धन की सीमित जरूरत, आरबीआई की वीआरआर नीलामी सुस्त

केंद्रीय बैंक को अधिसूचित राशि के मुकाबले केवल 16,750 करोड़ की बोलियां मिलीं

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुक्रवार को आयोजित एक लाख करोड़ रुपए की तीन दिवसीय परिवर्तनीय दर रेपो (वीआरआर) नीलामी को बैंकों से बेहद सुस्त प्रतिक्रिया मिली। यह बैंकिंग प्रणाली में अल्पकालिक धन की सीमित आवश्यकता को दर्शाता है। केंद्रीय बैंक को अधिसूचित राशि के मुकाबले केवल 16,750 करोड़ रुपए की बोलियां प्राप्त हुईं, जिन्हें 5.26 फीसदी की कट-ऑफ और भारित औसत दर पर स्वीकार कर लिया गया। आरबीआई की वीआरआर नीलामी में यह कम भागीदारी दर्शाती है कि अल्पकालिक धन के लिए बैंकों की मांग सीमित रही, भले ही केंद्रीय बैंक ने नकदी समर्थन देने की कोशिश की हो। 18 जून तक उपलब्ध नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, बैंकिंग प्रणाली में लगभग 19,163.11 करोड़ रुपए का नकदी अधिशेष बना हुआ है। हालांकि, यह स्तर अपेक्षाकृत कम है, जो प्रणाली में थोड़ी तंगी भरी परिस्थितियों का संकेत देता है। आरबीआई अल्पकालिक नकदी प्रबंधन और रातोंरात दरों को नीतिगत दर गलियारे के अनुरूप बनाए रखने के लिए वीआरआर नीलामियां आयोजित करता है। इसके तहत, बैंक अलग-अलग ब्याज दरों पर बोली के जरिए पैसा उधार लेते हैं। नकदी दबाव को कम करने के लिए, केंद्रीय बैंक ने हाल के दिनों में विभिन्न अवधियों की वीआरआर नीलामी के माध्यम से लगभग 1.89 लाख करोड़ रुपए की अस्थायी नकदी डाली है।

इसमें 18 जून को 72,300 करोड़, 16 जून को 89,440 करोड़ और 15 जून को 28,220 करोड़ की नकदी शामिल है। बावजूद इसके शुक्रवार की नीलामी में कम भागीदारी बैंकों की सीमित उधारी आवश्यकताओं को उजागर करती है।

पेरिस में बोले पीएम मोदी- पिछले 12 सालों में 140 करोड़ भारतीयों ने बदली देश की तस्वीर

जीडीपी दोगुना, मेट्रो नेटवर्क 4 गुना बढ़ा, 25 करोड़ लोगों को गरीबी की बेड़ियों से मुक्ति दिलाई

फ्रांस ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस की राजधानी पेरिस में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए पिछले 12 वर्षों में भारत द्वारा हासिल की गई अभूतपूर्व प्रगति और वैश्विक पटल पर उसकी बढ़ती साख का गुणगान किया। उन्होंने देश को भविष्य को आकार देने वाला बताते हुए कहा कि भारत अब दुनिया के लिए एक स्थिर और भरोसेमंद भागीदार बन चुका है। पीएम मोदी ने पेरिस को रोशनी और रंगों का शहर बताते हुए इस बात पर जोर दिया कि यहां बसे भारतीयों ने अपनी मेहनत और लगन से इस शहर को और भी रंगीन बना दिया है। उन्होंने पिछले 12 वर्षों को 140 करोड़ भारतीयों के अद्भुत सामर्थ्य का काल बताया, जिसमें देश ने हर क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव देखे हैं। प्रधानमंत्री ने गर्व से कहा कि यह भारत के लोकतंत्र की ही शक्ति है कि एक चाय बेचने वाला आज दुनिया के सामने देश का नेतृत्व कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की बदलती तस्वीर को आंकड़ों के साथ प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि इन 12 वर्षों में भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) दोगुना हुआ है, एयरपोर्ट्स और विश्वविद्यालयों की संख्या दोगुनी हुई है, जबकि मेट्रो

नेटवर्क में चार गुना वृद्धि दर्ज की गई है। सबसे बड़ी उपलब्धि का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि इन सालों में 25 करोड़ भारतीय गरीबी की बेड़ियों को तोड़कर बाहर आए हैं। उन्होंने फ्रांस के कुल घरों की संख्या से भी अधिक पक्के घर भारत में जरूरतमंदों के लिए बनाए जाने और हर परिवार के पास बैंक अकाउंट होने का भी जिक्र किया। पीएम मोदी ने जोर देकर कहा कि आज भारत सिर्फ भविष्य की तैयारी नहीं कर रहा, बल्कि उसे आकार दे रहा है। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया में सिर्फ व्यापार नहीं, बल्कि भरोसा जरूरी है और भारत एक भरोसेमंद वैश्विक साझेदार के रूप में उभर रहा है। उन्होंने भारत इनोवेट्स और भारत कनेक्ट जैसे कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए फ्रांस में भारतीय समुदाय द्वारा किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया, और उन्हें भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी की असली ताकत बताया।

गुवाहाटी में होगी भारत-जापान निवेश शिखर वार्ता 50 जापानी कंपनियां करेंगी फोकस

- सेमीकंडक्टर, ऊर्जा, वाहन क्षेत्र में बड़े समझौते संभव; सुजुकी मोटर के अध्यक्ष भी प्रतिनिधिमंडल में

नई दिल्ली ।

जापानी प्रधानमंत्री सनाए तकाइची का आगामी गुवाहाटी दौरा भारत में बड़े जापानी निवेश और आपूर्ति श्रृंखला समझौतों पर मुहर लगा सकता है। उनके साथ 50 जापानी कंपनियों के अधिकारियों का एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी होगा, जो प्रमुख क्षेत्रों में साझेदारी के अवसर तलाशेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापानी प्रधानमंत्री सनाए तकाइची के बीच गुवाहाटी में होने वाली प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में निवेश, आपूर्ति श्रृंखला सुदृढ़ीकरण और रणनीतिक तेल भंडार के लिए वित्तीय सहायता पर महत्वपूर्ण समझौते होने की संभावना है। जापान भारत की ऊर्जा सुरक्षा में सहयोग को उत्सुक है, जिसमें 2 अरब डॉलर की 'साउथ-ईस्ट एशिया इन्वेस्टमेंट फाइनैंसिंग फैसिलिटी' के तहत रणनीतिक भंडार बढ़ाना शामिल हो सकता है।

सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा और वाहन जैसे क्षेत्र जापानी व भारतीय कंपनियों के लिए प्रमुख फोकस रहेंगे। प्रतिनिधिमंडल में सुजुकी मोटर के अध्यक्ष तोशिहिरो सुजूकी जैसे बड़े उद्योगपतियों की उपस्थिति इन क्षेत्रों में बढ़ती जापानी दिलचस्पी को दर्शाती है। असम का मोरीगांव, जो भारत के पहले स्वदेशी सेमीकंडक्टर सुविधा केंद्र (टाटा सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट द्वारा संचालित) का घर है, जापानी निवेश के लिए एक आकर्षक स्थल के रूप में उभरा है। नई दिल्ली के बाहर पूर्वोत्तर में यह शिखर वार्ता क्षेत्र के बढ़ते रणनीतिक और व्यावसायिक महत्व को रेखांकित करती है, जिससे भारत के पूर्वी द्वार पर नए आर्थिक अवसर खुलने की उम्मीद है।

दलीय टूट-फूट के सवालों से मुठभेड़ जरूरी

उमेश चतुर्वेदी

निश्चित तौर पर राजनीतिक दलों के गठन की बुनियाद उनका राजनैतिक और सामाजिक विचार और सिद्धांत होता है। इसके बावजूद लगातार महंगी होती चुनाव प्रक्रिया ने विचारधारा की राजनीति को पीछे खिसका दिया है। विचारधारा की दुहाई तभी तक दी जाती है, जब तक उसकी राह में धन बल या बाहुबल नहीं आता, जब तक कि सत्ता उससे दूर रहती है।

डॉक्टर लोहिया ने कहा तो था समाजवादियों से, लेकिन लगता है कि उनकी बात आज के विपक्षी दलों ने ज्यादा शिद्दत से मान ली है। लोहिया ने कहा था, सुधरो या टूट जाओ। लोहिया की इस अपील को उनके समाजवादी चेलों ने तो माना ही, अब गैर समाजवादी अनुयायी भी स्वीकार कर चुके हैं। चार मई को पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद सबसे बड़ी टूट उस ममता की पार्टी में हुई, जिन्हें राजनीतिक मैदान का योद्धा माना जाता था। जो झुकना नहीं जानतीं। पहले उनके 80 में से 53 विधायक टूट गए और विधानसभा में उन्होंने अपना अलग गुट बना लिया। इसके बाद लोकसभा के उनके 29 में से बीस सांसद भी टूट गए। दिलचस्प यह है कि उन्होंने एक अनाम-सी पार्टी नेशनल सिटिजन्स पार्टी में अपना विलय कर लिया। ममता की राह पर उद्धव ठाकरे की शिवसेना के भी सांसद चल पड़े हैं और हो सकता है कि इन पंक्तियों के प्रकाशित होने तक उनके नौ में से छह लोकसभा सांसद पाला बदलकर एकनाथ शिंदे की शिवसेना के धनुष पर तीर चढ़ा रहे होंगे। सुगबुगाहट तमिलनाडु की द्रविड़ मुनेत्र कषगम के संसदीय दल में भी टूट-फूट की दिख रही है। इस बीच सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता ओमप्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव की अगुआई वाली समाजवादी पार्टी में भी टूट की भविष्यवाणी जता दी है।

भारतीय राजनीति में दल-बदल कोई नई बात नहीं है। अतीत में भी दल-बदल होते रहे हैं। हरियाणा में तो तकरीबन पूरा विधायक दल ही दूसरे दल में समा गया था। उसी के बाद से दलबदल के लिए भारतीय राजनीति में ह्यआयाराम गयारामह्ण का मुहावरा ही चल पड़ा था। लेकिन पश्चिम बंगाल के चुनावों के बाद जिस तरह दल-बदल या दलों में टूटफूट हो रहा है, वह अप्रत्याशित है। इतने बड़े पैमाने पर राजनीतिक दलों में भगदड़ पहले नहीं हुई थी। पहले किसी एक या दो दल में ऐसा होता था। ऐसा लग रहा है कि जैसे बीजेपी विरोधी दलों को दल-बदल या टूट-फूट वाली छूत की बीमारी लग गई है। इस प्रभावित दल इस टूट-फूट के लिए बीजेपी को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। उनका आरोप है कि बीजेपी टूटने वाले नेताओं को मोटी रकम का लालच दे रही है। उनका यह भी आरोप है कि संवैधानिक सुधारों के लिए चूंकि बीजेपी को संसद के दोनों सदनों में दो तिहाई बहुमत की जरूरत है, इसलिए वह धन और बाहुबल का लालच देकर दलों को तोड़ रही है।

एक बारगी मान भी लें कि बीजेपी की शह पर ये टूट-फूट हो रही है तो एक प्रश्न जरूर उठता है कि आखिर राजनीतिक दलों ने कैसे नेताओं को अपना सांसद या विधायक बनाने के लिए चुना है? क्या उनके चयन में कोई गलती रही? सवाल यह भी उठता है कि जो टूट रहे हैं, क्या सांसद या विधायक बनाने को लेकर जब उनका चयन किया जा रहा था, तो उनकी कौन की खासियत देखी गई थी? क्या दल के प्रति न उनकी निष्ठा, उनके चरित्र आदि का ध्यान नहीं रखा गया। सवाल यह भी उठता है कि क्या बाहुबल या धन बल ही उनके चयन की बड़ी योग्यता मानी गई। इन सवालों का ईमानदारी से जवाब प्रभावित दल भले ही नहीं दे, लेकिन यह छुपी हुई बात नहीं है कि भारतीय राजनीति में संसद या विधानसभा में नुमाइंदगी के लिए दलीय निष्ठा की बजाय दूसरे कारकों का ज्यादा ध्यान रखा जा रहा है। इसमें चुनाव जीतने की क्षमता, चुनाव में खर्च करने की सामर्थ्य और जरूरत बड़ने पर पार्टी के लिए धन और बाहुबल के साथ खड़ा होने की शक्ति भी देखी जाती है। कई बार तो सिर्फ पैसे के दम पर ही टिकट हासिल कर लिए जाते हैं। यही वजह है कि मौका मिलते ही ये नेता अपनी निष्ठा बदलने में देर नहीं लगाते।

निश्चित तौर पर राजनीतिक दलों के गठन की बुनियाद उनका राजनैतिक और सामाजिक विचार और सिद्धांत होता है। इसके बावजूद लगातार महंगी होती चुनाव प्रक्रिया ने विचारधारा की राजनीति को पीछे खिसका दिया है। विचारधारा की दुहाई तभी तक दी जाती है, जब तक उसकी राह में धन बल या बाहुबल नहीं आता, जब तक कि सत्ता उससे दूर रहती है। अगर विचारधारा से विचलन के बाद सत्ता आती दिखती है तो राजनीतिक दल और नेता भी अपनी उस विचारधारा को कुछ वक्त के लिए ताक पर रख देते हैं। सिद्धांत और निष्ठाएं भी तब तक के लिए टाल दी जाती हैं। जब दलीय आधार पर ऐसा होता है तो निजी स्तर पर किसी सांसद और विधायक को आर्थिक या सत्ता में भागीदारी का मौका मिलेगा तो वह क्यों न टूटेगा। सवाल यह है कि जब दल और उसका अगुआ ही अपनी निष्ठा और विचारधारा को सत्ता के लिए किनारे रख देगा तो मौका मिलने पर उसका सांसद और विधायक ऐसा क्यों नहीं कर सकता। उद्धव ठाकरे के संसदीय दल में बिखराव की बड़ी वजह सत्ता के लिए पार्टी के सिद्धांतों से समझौता और कांग्रेस का साथ लेना रहा है।

टूट रहे सांसदों को लेकर आरोप लगाने वाले दलों को भी सोचना होगा कि आखिर उन्होंने किस तरह के लोगों को चुना? सवाल यह है कि जब पैसे लेकर टिकट दिए जाएंगे, जब दल और विचारधारा की निष्ठा के बजाय चुनावी टिकट हासिल करने के अन्य कारण होंगे तो फिर इस प्रक्रिया से चुनकरआए सांसदों और विधायकों की ख़ीद-बिक्री पर सवाल कैसे उठाए जा सकते हैं? कैसे उन्हें दलीय निष्ठा के प्रति बांधे रखा जा सकता है।

दलीय टूट-फूट का अभी कोई बड़ा नुकसान भले ही नहीं दिख रहा हो, लेकिन आने वाले दिनों में इसका एक बड़ा हश्र लोक विश्वास के दरकने के रूप में दिख सकता है। आज का मतदाता बहुविध सूचनाओं के तमाम स्रोतों से लैस है। उसकी राजनीतिक समझ पहले के मीडिया क्रांति केदौर के पहले के मतदाताओं की तुलना में कहीं ज्यादा विकसित है। उसका सामान्य ज्ञान कमजोर भले ही हो सकता है, लोकतांत्रिक प्रक्रिया और उसमें आ रहे निष्ठागत बदलावों की पृष्ठभूमि को वह समझ रहा है। ऐसे में उसका भरोसा मौजूदा राजनीतिक तंत्र से चूक सकता है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया से उसका भरोसा टूटना लोकतंत्र के लिए खतरनाक हो सकता है। दल बदलने वाले अपने प्रतिनिधि के बारे में वह सवाल उठा सकता है कि उसने जिस सोच के साथ उसे वोट दिया, उसका प्रतिनिधि उस सोच के साथ गद्दारी कर रहा है। कई बार स्थानीय कारणों के साथ ही अपनी वैचारिक निष्ठा के चलते भी अपना मत देता है। हो सकता है कि राष्ट्रीय स्तर पर किसी दल विशेष को बड़ा समर्थन मिला हो, लेकिन उसी दल विशेष के किसी स्थानीय प्रतिनिधि को स्थानीय निष्ठाओं, जरूरतों और कारकों के साथ ही वैचारिक कारणों से मतदाताओं का समर्थन नहीं मिलता। मान लेते हैं कि राष्ट्रीय या राज्य स्तर पर किसी दल विशेष को भारी समर्थन मिला है, लेकिन स्थानीय स्तर पर इसके ठीक उलट किसी अन्य दल या उसके प्रतिनिधि को समर्थन मिला है। इसका मतलब यह है कि राज्य या राष्ट्रीय स्तर पर समर्थन हासिल करने वाले दल के कार्यक्रमों और योजनाओं की बजाय स्थानीय योजनाओं को लेकर स्थानीय लोगों की अपनी अलग दृष्टि है, या अपनी अलग चाहत है। स्थानीय मतदाताओं का भरोसा उसे इसी वजह से मिला है। लेकिन उसका प्रतिनिधि अपनी निष्ठा बदल लेता है कि स्थानीय मतदाता खुद को आहत और ठगा हुआ महसूस कर सकता है। चूंकि इन दिनों दलीय टूट-फूट व्यापक स्तर पर हो रही है, इसलिए मतदाताओं में इसका व्यापक असर पड़ सकता है। इसके चलते मतदाता आहत महसूस कर स0कते हैं, विश्वासघात भी मान सकते हैं। इससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर भरोसा कमजोर हो सकता है। मौजूदा राजनीतिक तंत्र को मतदाताओं के मनमिजाज को इस नजरिए से भी समझना होगा। भारतीय लोकतंत्र को भरोसेमंद बनाने की राह राजनीतिक दलों को ही खोजना होगा। क्योंकि लोहिया की टूटने की अपील के पीछे भी सुधार को खोजना था। लेकिन सवाल यह है कि क्या राजनीतिक दल संपूर्णता में इस सवाल से मुठभेड़ करने को तैयार हैं?

संपादकीय

टेलीग्राम पर बैन

मई महीने में नीट प्रवेश परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक होने के बाद केंद्र सरकार अति- सतर्कता के मूड में नजर आ रही है। लीक प्रकरण के पश्चात निशाने पर आने के बाद सरकार कदम फूंक-फूंक कर रख रही है। इसी कड़ी में चर्चित मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर लगाम लगाने के निर्णय को लेकर विवाद अदालत के दरवाजे तक जा पहुंचा है। यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब केंद्र सरकार राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं की विश्वसनीयता बनाये रखने के लिये संघर्ष कर रही है। हकीकत यह है कि मई में प्रश्नपत्र लीक होने से मची अफरातफरी और विपक्ष के नेताओं के निशाने पर आने के बाद केंद्र सरकार कोई जोखिम लेने को तैयार नहीं है। निस्संदेह, इस परीक्षा में आयोजक एजेंसियों की विश्वसनीयता और बीस लाख से ज्यादा प्रतिभागियों का भविष्य दांव पर लगा है। यही वजह है कि राष्ट्रीय महत्व की परीक्षाओं को लेकर नीट और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एटीए द्वारा परीक्षार्थियों का भरोसा फिर से कायम करने की कवायद पर पूरा जोर दिया जा रहा है। ऐसे में रविवार को होने वाली नीट की पुनःपरीक्षा से ठीक पहले, सरकार का चर्चित मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर कुछ अवधि के लिये प्रतिबंध लगाना, अति सतर्कता को ही दशार्ता है। सरकार के इस अतिरेक सावधानी वाले रवैये को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर सरकार ने अपने इस कदम का पुरजोर बचाव किया है। सरकार की दलील है कि इस क्लाउड-बेस्ड प्लेटफॉर्म का बॉट इंफ्रास्ट्रक्चर लीक हुई सामग्री का तेजी से बड़े पैमाने पर प्रसार करने में मददगार हो सकता है। वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में देशवासियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले पूरे प्लेटफॉर्म को कुछ दिनों के लिये ब्लॉक करने से आनुपातिकता और प्रक्रिया को लेकर गंभीर चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं। लोगों का मानना है कि सतर्कता, सावधानी और तंत्र में सुधार कर समस्या का समाधान निकाला जा सकता है।

चिंतन-मनन

आभार जताना सीखो

मेरी एक संत मित्र थीं विमल। गर्मी के दिन थे और हम लोग गंगा तट पर बैठे हुए थे। गंगा तट पर बैठने से बड़ी ठंडी हवा लग रही थी। यूं तो बहुत गर्मी थी। अचानक से उन्होंने अपने झोले से आम निकाले और आम उन्होंने गंगा जी में उतार दिए ताकि ठंडे हो जाएँ और जब ठंडे हो गए तो उन्होंने एक मुझे दिया एक स्वयं लिया। उन्होंने आम हाथ में पकड़ा है और आम को देखती जा रही हैं। देखते-देखते उन्होंने कहा, यह आम का पेड़ जाने किस किसान ने कब बोया होगा, कितने पेड़ मर-मरा जाते हैं। चलते ही नही लेकिन यह पेड़ चलता रहा। सब झेल गया, आंधी तूफान सब झेल गया। मरा नहीं स्वस्थ रहा। अभी वह बड़ा हुआ। अभी उस पर बौर आए। फिर उस पर फल लगे और जाने कितने ही बार इस पेड़ पर कितने ही फल लगे होंगे और जाने किस-किसने खाए होंगे। लेकिन यह एक आम उतरा, टोकरी में गया। टोकरी से मंडी, मंडी से ट्रेडर, ट्रेडर से रीटेलर। और फिर अंत में रेहड़ी वाले के पास इतने आम थे, पर मैंने चुन कर कुछ आमों को निकाला और गंगा तट पर ये जो आम लाई हूं और उनमें से एक आम आपको दे दिया। पर यह आम मेरे हिस्से में आया। तो यह आम मुझ तक कितनी लम्बी यात्रा कर के आ रहा है। भावविभोर हो कर विमल ने कहा कि परमात्मा ने इस फल को खासम-खास मेरे लिए ही उगाया था। इसको मैं कहती हूं- संवेदनशील होना। इतने खेत, इतने पेड़, इतने आम, इतने रीटेलर, इतने रेहड़ी वाले, करोड़ों आम निकलते हैं। पर उन करोड़ों आमों में से यह एक छंट कर मुझ तक पहुंचा। भगवान ने खासम-खास यह आम मेरे लिए उगाया है तो यह तो परमात्मा का प्रसाद है और वह आम से ऐसे बात कर रही थीं जैसे आम उसकी बात को सुन रहा हो। और उस आम से कहती हैं, जब मैं तुम्हें खाऊंगी तो बहुत रस लेकर खाऊंगी और जब तू मेरे भीतर जाएगा तो तू मेरे भीतर ईश्वरीय प्रेम को और जगा देगा। ईश्वर ने प्रसाद भेजा है और इस ईश्वरीय प्रसाद को खा कर (क्योंकि जो अन्न हम खाते हैं उससे न केवल हमारा शरीर बनता है बल्कि हमारे मन का भी तो निर्माण इसी से होता है) मेरे मन में ईश्वरीय प्रेम निश्चित तौर पर बढ़ेगा। तो वह आम से प्रार्थना कर रही हैं कि, जब तू मेरे भीतर जाए तो मेरे भीतर प्रेम बढ़े। जिस प्रभु ने तेरे शरीर को बनाया है मेरे शरीर के लिए, तो जब तू मेरे भीतर जाए तो उस ईश्वर के प्रति मेरे प्रेम को और गहरा कर देना। खयाल रहे, कोई अकलमंद आदमी इस कहानी को सुने तो शायद कहे कि यह औरत तो पागल लगती है, आम से बात कर रही है। वह पेड़, फल से चर्चा नहीं कर रही है, उस आम के भीतर भी मौजूद भगवत्ता को और अपने भीतर भी उस भगवत्ता को महसूस करते हुए अपने मन को उस स्तर तक ले जाने की कोशिश कर रही है, जहां छोटे से छोटा काम भी ईश्वर स्मरण के बगैर नहीं किया जा रहा।

अमेरिका-ईरान युद्ध: 7500 मौत, 162 लाख करोड़ का नुकसान फिर शांति विराम

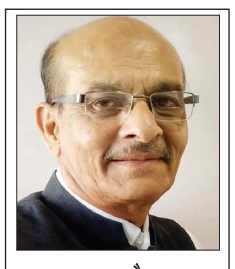

सनत जैन

न्यता है इतिहास से सबक लिया जाता है। जो इतिहास से सबक लेते हैं, वे भविष्य में वह गलतियां नहीं करते हैं जो उनके पूर्वज कर चुके होते हैं। पर इतिहास से कोई सबक सीखता नहीं है, सभी को लगता है कि उनके पूर्वजों ने जो गलती की थी वह उनसे नहीं होगी। वह उनसे ज्यादा ताकतवर और समझदार हैं। इसलिए वह इतिहास की उन्हीं गलतियों को दोहराता है और एक बार फिर विनाश की ओर आगे बढ़ता है। विनाश के बाद विकास होने की गतिशीलता ही जन्म, मृत्यु और ब्रह्मांड को हमेशा क्रियाशील रखती है। यही कहा जा सकता है। हाल ही में अमेरिका और इजराइल ने मिलकर ईरान के ऊपर हमला किया। अमेरिका और इजराइल यह मानकर चल रहे थे कि एक सप्ताह के अंदर इजराइल की सत्ता को पलट देंगे। वहां पर उनकी मर्जी से नया राज कायम हो जाएगा। ईरान, अमेरिका और इजराइल की मनमर्जी से चलेगा। उन्होंने ईरान के सुप्रीमो आयतुल्लाह खामेनेई और उनके बड़े-बड़े नेताओं की हमले में हत्या कर दी। एक स्कूल में हमला कर 165 से ज्यादा मासूम बच्चियों की हत्या कर दी। इसके कारण जो ईरान आंतरिक असंतोष झेल रहा था, सुप्रीमो खामेनेई और बच्चियों की हत्या के बाद ईरान एकजुट हो गया और उसने अमेरिका और इजराइल से पिछले 47 वर्षों में उसके साथ जो अत्याचार हुए थे इसका बदला लेने के लिए डू एंड डाई की स्थिति में आ गए।

अमेरिका और इजराइल की दादागिरी को उन्होंने अपनी इच्छाशक्ति और अपने जीवन को बचाने के लिए जिस तरह की लड़ाई लड़ी है उससे सारी दुनिया हैरान है। अमेरिका, ईरान युद्ध में अभी तक 7500 से ज्यादा मोतें हो चुकी हैं। 110 दिन चले इस युद्ध में जमीन पर फौज ने लड़ाई नहीं लड़ी है। सारी लड़ाई ड्रोन और मिसाइल के माध्यम से लड़ी गई। इसमें लगभग 162 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। पिछले कई दशकों में जो विकास हुआ था वह सब विनाश में तब्दील हो गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जो अपने आपको सुपर हीरो मानकर चल रहे थे इस 110 दिन की लड़ाई में उनके हाथ कुछ नहीं लगा। इससे जो उनकी अजेय होने साख बनी हुई थी वह समाप्त हो गई। इजराइल को जो नुकसान हुआ है, उसकी कल्पना कभी उसने नहीं की थी। गाजा में जिस तरह से महिलाओं और बच्चों को बुरी तरह से मारा गया था, ऐसा नरसंहार दुनिया के लोगों ने पहले कभी नहीं देखा था। लगता है ईश्वर ने उनके अहंकार और स्वयं को ईश्वर मानने की जो गलती की थी उसका दंड दिया है।

इस युद्ध में वैसे तो भारत का कोई लेना-देना नहीं था लेकिन जिस तरह से भारत ने अमेरिका और इजराइल का समर्थन किया है। गाजा के मामले में चुप्पी साधे रखी। इजराइल को भारत के प्रधानमंत्री ने अपना फादर लैंड बता दिया। इसकी कीमत भारत को भी चुकानी पड़ रही है। भारत ने जहां ईरान जैसे पड़ोसी देश जो हर सुख-दुख में भारत के साथ होता था उसको खो दिया है। भारत की जनता को भी इस युद्ध का नुकसान उठाना पड़ रहा है। युद्ध कोई भी हो यह सिवाय विनाश के कुछ नहीं देता है। भारत में भी महाभारत युद्ध का एक इतिहास है। भगवान कृष्ण के होते हुए वह कौरवों से पांडवों को पांच गांव नहीं दिला पाए थे। युद्ध हुआ ना कौरव के हाथ कुछ लगा ना पांडवों के हाथ कुछ लगा। विनाश इतना बड़ा हुआ जिसका उल्लेख धर्म शास्त्रों में होने के बाद भी भारत पहली बार इस युद्ध में अमेरिका और इजराइल के साथ खड़ा रहकर एक तरह से पाप का भागी बन गया है। इसकी कीमत भारत की जनता को भी चुकानी पड़ रही है। बहरहाल जो भी घटनाएं होती हैं, उनसे सबक लिया जा सकता है। अभी भी यूक्रेन और रूस के बीच में रोजाना हमले हो रहे हैं। भारी तबाही हो रही है। अमेरिका-इजराइल और ईरान के इस युद्ध से यदि रूस और यूक्रेन कोई सबक ले लें और शांति विराम की पहल करें तो यह बहुत अच्छा कदम होगा। दुनिया के सभी देशों को इस युद्ध से सबक लेने की जरूरत है। यही कहा जा सकता है।

निर्णय लेने में ज्यादातर फिसड्डी क्यो रहती है कांग्रेस!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

उत्तराखंड कांग्रेस में प्रदेश कांग्रेस कमेटी की नई कार्यकारिणी के गठन को लेकर कार्यकताओं का इंतजार लगातार बढ़ता जा रहा है। कई बार जल्द घोषणा के संकेत मिलने के बावजूद अब तक हाईकमान की अंतिम मंजूरी नहीं मिल सकी है। वर्तमान में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल पुरानी टीम के साथ संगठन का काम चला कर रहे हैं।

प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा ने देहरादून पहुंचने पर स्पष्ट किया था कि राहुल गांधी के उत्तराखंड दौरे के बाद नई पीसीसी कार्यकारिणी की घोषणा की जाएगी।लेकिन राहुल गांधी का उत्तराखंड दौरा खराब मौसम के चलते रद्द हो गया ,हालांकि उन्होंने वर्चुअल सम्बोधन कर कार्यकर्ताओ का मनोबल बढ़ाने की कोशिश की।प्रदेश प्रभारी शैलजा ने कहा कि कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में पूरी तरह जुटी हुई है और संगठन को मजबूत बनाने के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

कांग्रेस हाईकमान प्रदेश संगठन की छोटी और प्रभावी टीम बनाकर नेताओं की जिम्मेदारियां तय करना चाहता है। हालांकि, वरिष्ठ नेताओं द्वारा अपने समर्थकों के नामों की लंबी सूची भेजे जाने के कारण कार्यकारिणी के गठन पर अंतिम फैसला अभी तक नहीं हो पाया है।कुमारी सैलजा ने कहा कि राहुल गांधी का वर्चुअल भाषण कांग्रेस कार्यकताओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार कर गया है। विधानसभा और लोकसभा चुनावों में लगातार हार के बाद कांग्रेस को उम्मीद है कि राष्ट्रीय नेतृत्व की सक्रियता से संगठन को मजबूती मिलेगी।प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि चारधाम यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को आमंत्रित तो किया जा रहा है, लेकिन व्यवस्थाओं के मामले में सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है। उन्होंने दावा किया कि जनता इस बार सरकार को जवाब देगी। प्रदेश नेतृत्व का मानना है कि राहुल के उदबोधन से संगठन को नई दिशा मिली है और 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी को मजबूती प्राप्त हुई।लेकिन सवाल यह उठता है कि कांग्रेस समय से क्यो नही अपने निर्णय ले पाती।चाहे चुनाव में टिकट देने का मामला हो या फिर कार्यकारिणी गठन का मुद्दा कांग्रेस निर्णय लेने में ज्यादातर देरी ही करती है।साथ ही जमीन से जुड़े निष्ठावान कार्यकर्ताओ के बजाए अवसरवादी आगे आकर कांग्रेस के चुनाव परिणामों को गुड़ गोबर कर देते है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल के सामने कांग्रेस की मौजूद चुनोतियाँ साफ दिखती है, गुटों में बंटी कांग्रेस इकाई का नेतृत्व करना, वह भी 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले बेहद कठिन कहा जा सकता है।वह भी तब जब कांग्रेस पार्टी सन 2017 और सन 2022 के दो विधानसभा चुनाव हार चुकी हो, साथ ही राज्य की लगातार तीन लोकसभा चुनावों में भी एक भी सीट कांग्रेस नहीं जीत पाई है,जो पार्टी की कमजोर हालत को प्रमाणित करता है।दो बार के विधायक गणेश गोदियाल, जिन्हें कभी हरीश रावत का करीबी माना जाता था,का पुनः पदारूढ़ होने से उम्मीद है कि वे हरीश रावत को अपने से भी आगे करके चलेंगे। 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले वह राज्य में कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके है, लेकिन उनके चुनाव हारने के बाद उनकी जगह करन माहरा को दे दी गई,परन्तु कांग्रेस कोई चमत्कार नही कर पाई।

हरीश रावत ने स्वयं को पीछे करते हुए सार्वजनिक रूप से सुझाव दिया था कि अगला विधानसभा चुनाव कांग्रेस को प्रीतम सिंह (जो पांच बार के विधायक हैं) के नेतृत्व में लड़ना चाहिए। उनका यह बयान पार्टी में एकता का पहला कदम कहा जा सकता है।जब कांग्रेस उत्तराखंड में सत्ता में थी, तब भी हरीश रावत लगातार संघर्षों में फंसे रहे, पहले एन.डी. तिवारी को उनका हक दे दिया गया,जिससे टकराव की स्तिथि बनी रही और बाद में मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा को बनाकर फिर से हरीश रावत को किनारे करने की कोशिश की गई।लेकिन प्राकृतिक आपदा में विजय बहुगुणा के फेल हो जाने के कारण उनकी जगह सन 2014 में हरीश रावत को मुख्यमंत्री पद पर रिप्लेस किया गया।यह बदलाव उस समय आया जब विजय बहुगुणा पर जून 2013 की केदारनाथ आपदा से निपटने को लेकर भारी आलोचना हो रही थी क्योंकि आपदा के समय विजय उत्तराखंड के बजाए दिल्ली में डेरा डाले हुए थे।

पिछले दिनों करन माहरा को सीडब्ल्यूसी और प्रीतम सिंह को सीईसी में शामिल किया जाना, कांग्रेस हाईकमान द्वारा राज्य में प्रतिस्पर्धी गुटों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है, इसे हरीश रावत को उनकी नाखुशी के बावजूद केंद्रीय नेतृत्व से जोड़कर रखने की रणनीति भी माना जा रहा है।अपनी बढ़ती उम्र में भी बेहद सक्रिय कांग्रेस के शीर्ष नेता हरीश रावत के पास वर्तमान में कोई ठोस दायित्व नही है,फिर भी वे राज्य के सर्वाधिक सक्रिय नेता कहे जा सकते है।ऐसे में उनकी अनदेखी करके कांग्रेस कोई भी चुनाव फिलहाल नही लड़ सकती और यदि ऐसा हुआ तो फिर से कांग्रेस की लुटिया डूबने में देर नही लगेगी।पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा भी है कि वे पार्टी के लिए बूथ अध्यक्ष तक बनने को तैयार है। कांग्रेस ही नही अन्य राजनीतिक दलों को भी उत्तराखंड के इस सर्वमान्य नेता का सम्मान करना चाहिए।

(लेखक राजनीतिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

ईरान-अमेरिका डील पर संकट: ईरान-अमेरिका पीस डील के बावजूद इजराइल का लेबनान पर हमला...18 की मौत

-इजराइली मंत्री बोले- पूरे लेबनान को जला देना चाहिए, इजरायल के हमले से स्विट्जरलैंड वार्ता टली, जेडी वेंस का दौरा रद्द

डील गई तेल लेने... शुरू हो गया जंग!

-इजराइल के बाद ईरान डील पर फ्रांस ने फंसाया पेच, समझौते के लिए रखीं दो बड़ी शर्तें

वॉशिंगटन /तेहरान/तेल अवीव (एजेंसी)। ईरान-अमेरिका के बीच पीस डील पर दस्तखत के एक दिन बाद शुक्रवार को इजराइल ने लेबनान पर हमला किया जिसमें कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई है। पीस डील की शर्तों के मुताबिक इजराइल को लेबनान पर हमले रोकने थे लेकिन पीएम नेतन्याहू ने इससे इनकार कर दिया था। इजराइली सेना ने दावा किया है कि उसने गुरुवार रात से अब तक दक्षिणी और पूर्वी लेबनान में 80 से ज्यादा ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं, जिनमें हिजबुल्लाह के दर्जनों लड़ाके मारे गए हैं। दूसरी ओर हिजबुल्लाह के हमले में दक्षिणी लेबनान में 4 इजराइली सैनिकों की मौत हो गई है। इससे नाराज होकर इजराइल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन गवीर ने तीखा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पूरा लेबनान जलना चाहिए। उधर, अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्जरलैंड में बातचीत होनी थी जो रद्द हो गई है। इसकी वजह इजराइल के लेबनान पर लगातार हमला हो सकता है। ईरान ने कहा है कि अमेरिका पहले लेबनान पर हमले रुकने की गारंटी दे, तभी आगे की बातचीत होगी। वहीं ईरान डील पर अब फ्रांस ने पेच फंसा दिया है। फ्रांस के विदेश मंत्री ने कहा कि जब तक प्रॉक्सी और मिसाइल निर्माण के मुद्दों को बातचीत में शामिल नहीं किया जाएगा, तब तक हम इसका विरोध करेंगे। फ्रांस के विदेश मंत्री ने कहा कि ईरान को राहत राहत देने के लिए यूएन से अगर प्रतिबंध हटाने को लेकर कोई प्रस्ताव लाया जाता है, तो हम इसका विरोध करेंगे।

अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्जरलैंड में होने वाली महत्वपूर्ण समझौता प्रक्रिया अंतिम समय में संकट में फंस गई है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस इस समझौते के औपचारिक हस्ताक्षर समारोह में शामिल होने के लिए रवाना होने वाले थे, लेकिन दक्षिणी लेबनान पर इजरायल के ताजा हमले के बाद पूरा कार्यक्रम स्थगित हो गया। इस हमले में 16 लोगों की मौत हुई, जबकि इजरायल ने जवाबी कार्रवाई में अपने चार सैनिकों के मारे जाने की पुष्टि की है। समझौते से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर सभी पक्षों से संयम बरतने और शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की अपील की थी। उन्होंने लेबनान, हिजबुल्लाह और इजरायल के बीच पूर्ण युद्धविराम की उम्मीद जताई थी। इसके बावजूद इजरायल ने गुरुवार-शुक्रवार की रात दक्षिणी लेबनान पर बड़ा सैन्य अभियान शुरू कर दिया। ईरान और अमेरिका के बीच अस्थाई समझौते पर इजराइल के बाद फ्रांस ने पेच फंसा दिया है। फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरोट का कहना है कि डील तभी मान्य होगा, जब फ्रांस इससे संतुष्ट होगा। बैरोट ने कहा कि हमारे बिना यूएन में पत्ता नहीं हिल सकता है। इस डील में फ्रांस को भी शामिल करने की जरूरत है। डील के जरिए हमारे मुद्दों की अनदेखी नहीं की जा सकती है। बैरोट का यह बयान ऐसे वक्त में सामने आया है, जब ईरान डील पर इजराइल ने रोड़ा अटका रखा है। लेबनान पर इजराइली हमले के कारण ही स्विटजरलैंड में शांति वार्ता को लेकर होनी वाली अमेरिका और ईरान की बैठक को रद्द कर दिया गया है।

हिजबुल्लाह का पलटवार, सीमा पर बढ़ा तनाव

इजरायली कार्रवाई के बाद हिजबुल्लाह ने भी जवाबी हमला किया। संगठन ने दावा किया कि उसके लड़ाकों ने गाइडेड मिसाइलों से इजरायल के तीन आधुनिक मर्कवा टैंकों को निशाना बनाकर नष्ट कर दिया। हिजबुल्लाह के अनुसार, संघर्ष तब शुरू हुआ जब इजरायली सेना नबातीह क्षेत्र के रणनीतिक अली अल-ताहेर पहाड़ी इलाके की ओर बढ़ने लगी। क्षेत्रीय तनाव बढ़ने के बाद ईरान ने स्विट्जरलैंड में प्रस्तावित बैठक में शामिल होने से इनकार कर दिया। फार्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक, लेबनान में युद्धविराम लागू होने तक अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली वार्ता स्थगित कर दी गई है। इसके चलते जेडी वेंस का स्विट्जरलैंड दौरा भी रद्द करना पड़ा।

इजरायल पर अमेरिकी प्रशासन की नाराजगी

घटनाक्रम से अमेरिकी प्रशासन की नाराजगी खुलकर सामने आई है। जेडी वेंस ने इजरायली नेतृत्व को चेतावनी देते हुए कहा कि डोनाल्ड ट्रंप इजरायल के सबसे बड़े और प्रभावशाली समर्थक हैं। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि इजरायल की सुरक्षा में इस्तेमाल होने वाले अधिकांश रक्षा संसाधन अमेरिकी करदाताओं के धन से उपलब्ध कराए जाते हैं। वेंस के इस बयान को वॉशिंगटन और तेल अवीव के बीच बढ़ते तनाव का स्पष्ट संकेत माना जा रहा है।

115 करोड़ बैरल तेल गायब

ईरान-अमेरिका समझौते के बाद इस हफ्ते होर्मुज स्ट्रेट फिर से खुल गया है। हालांकि दुनिया अभी भी तेल संकट से पूरी तरह बाहर नहीं निकली है। एनालिटिक्स फर्म केपलर की रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध के करीब चार महीनों में वैश्विक बाजार से 115 करोड़ बैरल तेल की सप्लाई गायब हो चुकी है। इसका असर आने वाले महीनों तक बना रह सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध के दौरान मिडिल ईस्ट से तेल की सप्लाई लगभग बंद रही। इस वजह से दुनिया के स्ट्रेटजिक और कॉमर्शियल ऑयल रिजर्व तेजी से घटे हैं। पिछले कुछ महीनों में 19 करोड़ बैरल तेल स्टॉक से निकल चुका है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी के स्ट्रेटजिक रिजर्व 1990 के बाद सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं, जबकि अमेरिका का इमरजेंसी रिजर्व 43 साल के निचले स्तर पर है।

सच हो गया नेतन्याहू का बुरा सपना, अमेरिका-ईरान की डील से कैसे चौतरफा घिर गए इजरायली प्रधानमंत्री

तेलअवीव, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच बीते 4 महीनों से जारी जंग खत्म हो चुकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने गुरुवार को समझौते पर दस्तखत कर दिए हैं। 100 दिनों से भी अधिक समय से भीषण तबाही झेलने के बाद पूरी दुनिया इस युद्ध के खत्म होने का बेसब्री से इंतजार कर रही थी। ऐसे में यह समझौता बेहद जरूरी था। हालांकि एक शख्स है जिसके लिए यह समझौता किसी बुरे सपने से कम नहीं। ये शख्स हैं इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू।

नेतन्याहू इस डील से खुश नहीं, ये बात जगजाहिर है। लेकिन आखिर क्यों? इजरायली प्रधानमंत्री अगर चाहें भी तो भी वे इस समझौता का समर्थन नहीं कर सकते। इसके पीछे कई वजहें हैं। नेतन्याहू इस समय ऐसी स्थिति में फंस गए हैं जहां से उनका लौटना मुश्किल मालूम पड़ता है। हालात यह हैं कि देश में विपक्षी पार्टियां तो उन पर हमलावर हैं ही, उनके अपने भी उनसे खुश नहीं हैं। आइए समझते हैं कैसे नेतन्याहू के लिए मामला फंसता चला जा रहा है।

चुनाव से पहले बड़ा झटका : दरअसल इस साल अक्टूबर के अंत से पहले इजरायल में आम चुनाव होने हैं। चुनाव नजदीक आने के साथ ही नेतन्याहू पर घरेलू स्तर पर राजनीतिक दबाव बहुत ज्यादा बढ़ गया है। इजरायल के विपक्षी नेता यायर लैपिड ने हाल ही में संसद में इजरायली क्रू

की तीखी आलोचना की। लैपिड ने कहा कि नेतन्याहू दो बेहद मुश्किल रास्तों के बीच फंस गए हैं। उन्होंने कहा, 'या तो वो हमारे सबसे बड़े सहयोगी (अमेरिका) के साथ सीधा टकराव मोल लें। या फिर इजरायली हितों का पूरी तरह से आत्मसमर्पण कर दें।'

ट्रंप के समझौते को ना मानने की मांग : नेतन्याहू को सिर्फ विपक्ष से ही नहीं, बल्कि अपनी सरकार के भीतर शामिल कट्टर दक्षिणपंथी मंत्रियों से भी आलोचना झेलनी पड़ रही है। ये सहयोगी दल किसी भी ऐसे समझौते का विरोध कर रहे हैं जो इजरायल की सैन्य आजादी को सीमित करता हो। बता दें कि अमेरिका ईरान डील के तहत ईरान ने शर्त रखी है कि लेबनान सहित दूसरे सभी मोर्चों पर सैन्य अभियान बंद होने चाहिए। अमेरिका ने इस शर्त को मंजूरी भी दे दी है। इससे इजरायली कट्टरपंथी नेता भड़क उठे हैं और आजादी पर हमला बता रहे हैं। इजरायल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-ग्विर ने सोशल मीडिया पर इस डील का खुलकर विरोध किया। उन्होंने लिखा, 'ट्रंप का समझौता हमारे लिए बाध्यकारी नहीं है। हम इस समझौते का हिस्सा नहीं हैं, क्योंकि यह हमारी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं करता है।' इस बीच नेतन्याहू पर भ्रष्टाचार का मुकदमा भी चल रहा है जिसने उनकी राजनीतिक स्थिति को और अधिक जटिल बना दिया है।

ट्रंप नहीं दे रहे भाव : इजरायली प्रधानमंत्री को सबसे तगड़ा झटका ट्रंप से मिला है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान युद्ध को लेकर दोनों के बीच कई दिनों से मतभेद चल रहे थे। नेतन्याहू इस जंग को जारी रखकर देश में 'टोटल विक्ट्री' वाला नैरेटिव चला सकते थे, जिससे उन्हें चुनाव में भी मदद मिलती। हालांकि ट्रंप ने समझौता कर उनके इस प्लान पर पानी फेर दिया है।

दूसरी तरफ ट्रंप बीते कुछ दिनों में नेतन्याहू को कई बार खुलेआम भला-बुरा कह चुके हैं। हाल ही में उन्होंने एक फोन कॉल के दौरान नेतन्याहू को 'पागल' तक कह दिया। इसके अलावा उन्होंने अपशब्दों का प्रयोग भी किया। जाहिर है इससे नेतन्याहू की देश में छवि कमजोर हो रही है। नेतन्याहू को डर था कि ट्रंप उनकी मांगों को नजरअंदाज कर ईरान संग समझौता न कर लें, लेकिन हुआ ठीक ऐसा ही।

संक्षिप्त समाचार

अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन आईएसएस पर रहेंगे 240 दिन, नासा बोला- मिशन के लिए 14 जुलाई को भरेंगे उड़ान

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल के फिजिशियन और नासा के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन अपने जीवन के पहले अंतरिक्ष मिशन के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर लगभग 8 महीने यानी 240 दिन का लंबा समय बिताएंगे। यह मिशन मंगलवार, 14 जुलाई, 2026 को कजाखस्तान के बैकोनूर कोस्मोड्रोम से लॉन्च किया जाएगा। अनिल मेनन और उनका दल वसंत 2027 तक अंतरिक्ष स्टेशन पर रहेगा। इस दौरान वे कई ऐसे वैज्ञानिक प्रयोग करेंगे जो भविष्य में चंद्रमा और मंगल पर भेजे जाने वाले मानव मिशनों के लिए बेहद मददगार साबित होंगे। इतना ही नहीं, अंतरिक्ष का यह सफर अनिल मेनन अकेले तय नहीं कर रहे हैं, क्योंकि आईएसएस के मिशन हमेशा एक टीम के रूप में होते हैं। वह एक अंतरराष्ट्रीय क्रू के सदस्य के रूप में रूसी अंतरिक्ष यात्रियों प्योत्र डुब्रोव और अन्ना किकिना के साथ अंतरिक्ष के लिए रवाना होंगे। शून्य गुरुत्वाकर्षण में इन्सानी शरीर को ढालने पर होगी खोज मिशन पर 240 दिन बिताने के दौरान दोनों अंतरिक्ष यात्री वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रयोगों का हिस्सा बनेंगे। नासा के अनुसार, मेनन का मुख्य काम यह रिसर्च करना होगा कि अंतरिक्ष के वातावरण और शून्य गुरुत्वाकर्षण में इंसानी शरीर खुद को कैसे ढालता है। बता दें कि मिनेसोटा के मिनियापोलिस में जन्मे अनिल मेनन के माता-पिता भारतीय और यूक्रेनी मूल के अप्रवासी हैं।

स्पेन के पूर्व प्रधानमंत्री जपाटेरो की अदालत में पेशी

मैड्रिड , एजेंसी। स्पेन के पूर्व प्रधानमंत्री जोस लुइस रोड्रिगेज जपाटेरो बुधवार को एक न्यायाधीश के सामने पेश हुए। यह मामला सरकारी एयरलाइन बेलआउट और उनके कार्यालय से बरामद गहनों से जुड़ा है। पिछले महीने उन पर प्रभाव का दुरुपयोग, मनी लॉन्ड्रिंग और अन्य वित्तीय गड़बड़ी के आरोप लगे थे। यह उनकी राष्ट्रीय अदालत में पहली पेशी है। मामला स्पेन सरकार द्वारा प्लस अल्ट्रा एयरलाइन को दिए गए बचाव पैकेज से संबंधित है। जपाटेरो, 65 वर्ष, 2004 से 2011 तक प्रधानमंत्री रहे थे। 2021 में प्लस अल्ट्रा को कोविड-19 रिकवरी फंड से 53 करोड़ यूरो (61.5 मिलियन डॉलर) मिले थे। न्यायाधीश जोस लुइस कलामा कर धोखाधड़ी और मई में जपाटेरो के कार्यालय से बरामद 1.3 करोड़ यूरो के गहनों की जांच भी कर रहे हैं। जपाटेरो ने एयरलाइन मामले में किसी भी गलत काम से इन्कार किया है। उन्होंने कहा कि गहने विरासत में मिले थे या उपहार के रूप में प्राप्त हुए थे।

बम धमाके में गंवाए दोनों पैर, फिर भी नहीं टूटा हौसला: हरी बुद्धा ने सेवन समिट्स फतह कर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

काठमांडू, एजेंसी। कई लोगों के लिए दोनों पैर खो देना जिंदगी की सबसे बड़ी चुनौती हो सकती है, लेकिन नेपाल के हरी बुद्धा मगर ने इसे अपनी कमजोरी नहीं, बल्कि ताकत बना लिया। अफगानिस्तान में हुए एक बम विस्फोट में दोनों पैर गंवाने के बाद भी उन्होंने दुनिया की सबसे कठिन पर्वत चोटियों को फतह कर इतिहास रच दिया।

आज हरी बुद्धा मगर दुनिया के पहले ऐसे डबल एम्प्यूटी (घुटनों के ऊपर से दोनों पैर गंवा चुके) पर्वतारोही हैं जिन्होंने सेवन समिट्स यानी सात महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियों पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की है।

अफगानिस्तान में बम धमाके ने बदल दी जिंदगी : नेपाल के एक साधारण परिवार में जन्मे हरी बुद्धा मगर बचपन से ही पहाड़ों के बीच पले-बढ़े। बाद में उन्होंने ब्रिटिश सेना की प्रतिष्ठित गोरखा रेजिमेंट में जगह बनाई। साल 2010 में अफगानिस्तान में तैनाती के दौरान उनका पैर सड़क किनारे लगाए गए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस पर पड़ गया। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि उनके दोनों पैर घुटनों

के ऊपर से काटने पड़े। यह हादसा उनकी जिंदगी का सबसे कठिन दौर था, लेकिन उन्होंने हार मानने के बजाय नए सिरे से जीवन शुरू करने का फैसला किया।

व्हीलचेयर से शुरू हुआ संघर्ष : हादसे के बाद शुरुआती दिनों में उनका लक्ष्य केवल इतना था कि वह खुद को जमीन से उठाकर व्हीलचेयर तक पहुंचा सकें। धीरे-धीरे उन्होंने शारीरिक और मानसिक रूप से खुद को मजबूत बनाया। बचपन से माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने का सपना देखने वाले हरी ने कृत्रिम पैरों की मदद से पर्वतारोहण का प्रशिक्षण शुरू किया और असंभव दिखने वाले लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाए।

माउंट एवरेस्ट फतह कर रचा इतिहास : मई 2023 में हरी बुद्धा मगर ने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर सफलतापूर्वक चढ़ाई कर इतिहास रच दिया। वह घुटनों के ऊपर से दोनों पैर गंवा चुके पहले व्यक्ति बने जिन्होंने एवरेस्ट की चोटी तक पहुंचने का कारनामा किया। इस उपलब्धि ने उन्हें दुनिया भर में प्रेरणा का प्रतीक बना दिया। एवरेस्ट के बाद हरी ने दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित पर्वतारोहण अभियानों में शामिल सेवन समिट्स मिशन को पूरा करने का लक्ष्य तय किया। जनवरी 2026 में अंटार्कटिका के माउंट विंसन पर सफल चढ़ाई के साथ उन्होंने सेवन समिट्स मिशन पूरा कर लिया और नया विश्व रिकॉर्ड बना दिया।

पांच गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम : हरी बुद्धा मगर के नाम अब पांच गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हैं। इनमें डबल एम्प्यूटी पर्वतारोही के रूप में एवरेस्ट, डेनाली और अन्य कठिन चोटियों पर चढ़ाई के रिकॉर्ड शामिल हैं। उनकी असाधारण उपलब्धियों को देखते हुए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने उन्हें प्रतिष्ठित 'आइकन' सम्मान से भी सम्मानित किया है।

'दिव्यांगता पहचान नहीं, हौसला पहचान है' : हरी का कहना है कि उनका उद्देश्य केवल रिकॉर्ड बनाना नहीं, बल्कि लोगों को प्रेरित करना है। उनके मुताबिक दिव्यांगता किसी व्यक्ति की क्षमता को परिभाषित नहीं करती। उन्होंने कहा कि लोगों ने कई बार उन्हें बताया कि वह यह नहीं कर सकते, लेकिन उन्होंने हर चुनौती को अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प से पार किया।

अब अंतरिक्ष और ध्रुवीय अभियानों पर नजर : सेवन समिट्स मिशन पूरा करने के बाद भी हरी रुकना नहीं चाहते। उनका सपना अब उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव तक पहुंचने, समुद्र की गहराइयों की खोज करने और भविष्य में संभव हो तो अंतरिक्ष यात्रा करने का है। हरी बुद्धा मगर की कहानी इस बात का जीवंत उदाहरण है कि इंसान की सबसे बड़ी ताकत उसका शरीर नहीं, बल्कि उसका आत्मविश्वास, साहस और कभी हार न मानने वाला जज्बा होता है।

ट्रंप ने जिनपिंग-पुतिन की तटस्थता पर आभार जताया; कहा- मिनाब में स्कूल पर हमला जानबूझकर नहीं हुआ

पेरिस , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की तारीफ की है। उन्होंने ईरान युद्ध के दौरान इन दोनों नेताओं के तटस्थ रहने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। फ्रांस के एवियन-ले-बैंस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान ट्रंप ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि इन दोनों नेताओं ने ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर रोक लगाने के अमेरिकी प्रयासों में कोई बाधा नहीं डाली। इससे स्थिति को संभालने में अमेरिका को काफी मदद मिली।

जिनपिंग और पुतिन का जताया आभार : ट्रंप ने खास तौर पर शी जिनपिंग का जिक्र करते हुए कहा कि वे बीजिंग दौरे के समय उनके साथ थे। उन्होंने कहा कि शी जिनपिंग पूरी तरह तटस्थ रहे, जिसकी वे सराहना करते हैं। इसके साथ ही उन्होंने व्लादिमीर पुतिन का भी आभार जताया। ट्रंप ने कहा कि ये दोनों नेता चाहते तो अमेरिका की राह को अधिक कठिन बना सकते थे। ट्रंप के अनुसार, शी जिनपिंग ने इस संघर्ष को सुलझाने में सहयोग किया। चीन ने ईरान को बड़े हथियार या कंधे पर रखकर दागी जाने वाली मिसाइलें नहीं भेजीं। ट्रंप ने यह भी कहा कि चीन चाहता तो अपने तेल के जहाजों की सुरक्षा के लिए कई युद्धपोत वहां भेज सकता था, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया।

मिनाब स्कूल हमले पर क्या बोले ट्रंप : इसके साथ ही, ट्रंप ने संघर्ष के दौरान ईरान में लड़कियों के एक स्कूल पर हुए हमले को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि यह हमला जानबूझकर नहीं किया गया था। ट्रंप के अनुसार, युद्ध के दौरान ऐसी गलतियां हो सकती हैं। यह घटना 28 फरवरी को संघर्ष के पहले दिन हुई थी। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक, इस हमले में 175 से अधिक बच्चों और शिक्षकों की मौत हुई थी। शुरुआत में ट्रंप ने बिना किसी सबूत के दावा किया था कि इस हमले के पीछे ईरान का हाथ है। हालांकि, बाद में उन्होंने कहा कि उन्हें इस घटना के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मामले की जांच अभी चल रही है और वे जांच के निष्कर्षों को स्वीकार करेंगे। ट्रंप ने जोर देकर कहा कि किसी ने भी स्कूल को जानबूझकर निशाना नहीं बनाया था।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने पहले बताया था कि अमेरिकी सेना की शुरुआती आंतरिक जांच में इस घातक हमले के पीछे अमेरिकी बलों के होने के संकेत मिले थे। हालांकि, पेंटागन ने अभी किसी नतीजे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और जांच का दायरा बढ़ा दिया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रमुख ने बताया कि यह जांच काफी जटिल रही है क्योंकि वह स्कूल एक सक्रिय ईरानी क्रूज मिसाइल बेस के भीतर स्थित था। अब यह जांच अपने अंतिम चरण में पहुंच रही है।

उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में गुरुद्वारे के भीतर गोलीबारी, सिख सेवादार दंपति की हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिम में स्थित खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मर्डन शहर में बुधवार को एक गुरुद्वारे के अंदर सिख सेवादार दंपति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना पेशावर से लगभग 60 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में मर्डन के बाबू मोहल्ला इलाके में हुई। मर्डन के जिला पुलिस अधिकारी मसूद अहमद के अनुसार, अज्ञात हमलावरों ने गुरुद्वारे के अंदर गोलीबारी की, जिसमें सेवादार जगन्नाथ और उनकी पत्नी आसमा वांती की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हमले के मकसद का पता लगाने और इसमें शामिल लोगों को पकड़ने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा के सदस्य सुरेश कुमार ने हत्यारों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है और पुलिस को जांच में प्रगति दिखाने के लिए 24 घंटे की समय सीमा दी है। कुमार ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि यह अत्यंत चिंताजनक है कि क्षेत्र में सुरक्षा कर्मियों और पुलिस की मौजूदगी के बावजूद ऐसी घटना हुई। उन्होंने मामले के सभी पहलुओं की पारदर्शी और निष्पक्ष जांच की मांग की। कुमार ने अपराध स्थल से एकत्र किए गए सीसीटीवी साक्ष्य के प्रबंधन पर भी चिंता जताई। उन्होंने दावा किया कि डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर को 'अत्यंत लापरवाही से' हटाया गया था, जिससे साक्ष्य के संरक्षण और जांच की पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं। उन्होंने मर्डन के जिला पुलिस अधिकारी, मर्डन क्षेत्र के क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी और खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस महानिरीक्षक से घटना की गहन जांच सुनिश्चित करने और किसी भी लापरवाह अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया। विधायक ने चेतावनी दी कि अगर 24 घंटे के भीतर संदिग्धों को गिरफ्तार नहीं किया गया या जांच में महत्वपूर्ण प्रगति नहीं हुई, तो मर्डन, पेशावर और इस्लामाबाद में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे। इस बीच, पुलिस ने बताया कि विशेष जांच दल गठित किए गए हैं और कई कोणों से पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि हमलावरों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए आधुनिक फोरेंसिक और तकनीकी संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है।

'ब्राजील के राष्ट्रपति चुनाव में दखल न दें, यह हमारा अंदरूनी मामला है', लूला की ट्रंप को दो टूक

रियो डी जनेरियो, एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा ने बुधवार को अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप को चेतावनी दी। उन्होंने कि ट्रंप ब्राजील के अक्तूबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में दखल न दें। उन्होंने यह चेतावनी तब दी, जब ट्रंप ने उनके राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ न्यायिक कार्रवाई को लेकर ब्राजील की फिर से आलोचना की।

यह बयान दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव को दिखाता है। ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में दक्षिण अमेरिकी देश पर और टैरिफ लगाने का प्रस्ताव दिया है और दो ड्रग-तस्करी वाले संगठनों को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया है, जिसका लूला विरोध करते हैं।

लूला ने कई बार ब्राजील की संप्रभुता का बचाव किया है, खासकर तबसे जब ट्रंप ने पिछले साल ब्राजील पर टैरिफ लगाए थे और अपने सहयोगी पूर्व राष्ट्रपति जेर बोल्सोनारो के खिलाफ 'राजनीतिक बदले की कार्रवाई' का आरोप लगाया था।

सुप्रीम कोर्ट जज के खिलाफ प्रतिबंध पर जताई आपत्ति : लूला ने ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के जज अलेक्जेंड्रे डी मोरेस पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों पर भी आपत्ति जताई। ट्रंप प्रशासन ने कहा था कि मोरेस ने राजनीति से प्रेरित होकर बोल्सोनारो के खिलाफ कार्रवाई की, जिन्हें 2022 के चुनाव हारने के बाद सत्ता में बने रहने

की कोशिश के लिए दोषी ठहराया गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने क्या बयान दिया : ट्रंप ने बुधवार को कहा कि ब्राजील 'राजनीतिक रूप से खतरनाक' बन गया है। सरकार 'बोल्सोनारो जूनियर' (जेर बोल्सोनारो के बड़े बेटे फ्लावियो बोल्सोनारो) को गिरफ्तार करना चाहती है, जो चुनाव में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। ब्राजील की सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बोल्सोनारो के बेटे और पूर्व सांसद एडुआर्डो बोल्सोनारो को उनके पिता के तख्तापलट मामले में धमकी देने का दोषी पाया और उन्हें 4 साल दो महीने की जेल की सजा सुनाई।

हालांकि, ट्रंप का बयान 'जनमत सर्वेक्षणों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं' इस ओर संकेत दे रहा है कि वह शायद बोल्सोनारो के बड़े बेटे सीनेटर फ्लावियो बोल्सोनारो की बात कर रहे थे, जो लूला के खिलाफ राष्ट्रपति चुनाव लड़ रहे हैं। फ्लावियो बोल्सोनारो को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। एडुआर्डो बोल्सोनारो को कोर्ट ने दोषी इसलिए ठहराया, क्योंकि उन्होंने अपने पिता के तख्तापलट मामले में अवैध रूप से हस्तक्षेप किया और अमेरिकी सरकार से ब्राजील के अधिकारियों पर दबाव बनाने की पैरवी की।

लूला ने पलटवार किया : जी7 शिखर सम्मेलन के बाद फ्रांस के एवियन-लेस-बैंस में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक पत्रकार ने ट्रंप के बयान पर लूला से सवाल किया। इस पर ब्राजील के राष्ट्रपति ने कहा कि इससे पता चलता है कि ट्रंप ब्राजील को ठीक से नहीं जानते।

लूला ने कहा, अगर वह ब्राजील को बोल्सोनारो परिवार से जुड़े रिश्तों के आधार पर जानते हैं, तो वह ब्राजील को नहीं जानते। वह बोल्सोनारो को पसंद करते रहें (पिता, बेटा या पोता) यह उनकी समस्या है, मेरी नहीं। लेकिन ब्राजील के चुनाव में दखल मत दीजिए, क्योंकि ब्राजील का चुनाव ब्राजील का मामला है।

ड्रग-तस्करी संगठनों को घोषित किया आतंकी संगठन : एडुआर्डो और फ्लावियो बोल्सोनारो हाल ही में वाशिंगटन में अमेरिकी अधिकारियों से मिले थे। उन्होंने ट्रंप से भी मुलाकात की थी। इसके बाद अमेरिकी प्रशासन ने ब्राजील के दो बड़े ड्रग-तस्करी संगठनों को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया।

लूला ने इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि ये समूह स्थानीय लोगों को नुकसान पहुंचाते हैं। लेकिन वे आतंकवादी संगठन नहीं हैं, क्योंकि उनका उद्देश्य राजनीतिक बदलाव नहीं बल्कि मुनाफा कमाना है।

स्वस्थ लीवर के लिए बेस्ट फूड

हमारे देश में लीवर की ही समस्या सबसे ज्यादा आ रही है। जानते हैं क्यों, क्योंकि हम बिना सोचे समझे ही कुछ भी अपने शरीर पर आजमाते रहते हैं यानी जो चीजें हमारे शरीर के लिए बनी ही नहीं हैं उसे जबरदस्ती अंदर ढकेल लेते हैं। वह चाहे खाने की चीजें हो या पीने की चीजें। ज्यादातर लोगों को यह मालूम होता है कि फला चीजों से हमारे शरीर को नुकसान ही पहुंचेगा लेकिन फिर भी लोग ''आ बैल सींग मार' वाली काहवत पर उतारूर रहते हैं। सभी जानते हैं की सिगरेट-शराब, कोल्ड ड्रिंक आदी लीवर को खराब व गला देते हैं। लेकिन फिर भी लोग इनपर पानी की तरह पैसा और अपना जीवन दांव पर लगाते रहते हैं और नतीजा लीबर खराब हो जाता है।लीवर या जिसे जिगर भी कहा जाता है, शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक है जिसका वजन लगभग 1.3 किलोग्राम होता है। लीवर, एक प्रकार की ग्रंथि होती है जिससे शरीर के अन्य भागों के लिए आवश्यक पदार्थो का स्त्रव होता है। लीवर ही शरीर का एक ऐसा हिस्सा है जो अंग और ग्रंथि दोनों है। एक स्वस्थ लीवर, रक्त को शुद्ध, विषाक्तरहित कर देता है और पोषक तत्वों को अवशोषित करके मल आदी को बाहर निकालने की प्रक्रिया में शरीर में अहम भूमिका निभाता है। अगर लीवर के इतने काम हैं तो इसे स्वस्थ बनाएं रखना बेहद आवश्यक होता है। ऐसे में आपको ध्यान रखना होगा कि आप अपनी जीवनशैली को दुरुस्त बनाएं रखें और शरीर को स्वस्थ बनाने वाले भोजन का सेवन ही करें।

- लीवर ही शरीर का एक ऐसा हिस्सा है जो अंग और ग्रंथि दोनों है
- एक स्वस्थ लीवर, रक्त को शुद्ध, विषाक्त रहित कर देता है और पोषक तत्वों को अवशोषित करके मल आदी को बाहर निकालता है

स्वस्थ लीवर के लिए सेवन करें

1. लहसुन : लहसुन में कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड का स्तर कम करने के गुण होते हैं जिससे लीवर पर जोर कम पड़ता है। इस तरह, इसका सेवन करने मात्र से ही लीवर के संचालन में सरलता आ जाती है और पाचन संबंधी गड़बड़ियां भी सही हो जाती हैं।

2. अंगूर : अंगूर में विटामिन ''सी' होता हैं, साथ ही इसमें पेक्टिन और एंटीऑक्सीडेंट भी भरपूर मात्रा में होते हैं। इससे लीवर की क्लीनिंग प्रॉसेस अच्छी रहती है। ग्रेपफ्रूट में फ्लोवेनॉयड भी होता है जिससे लीवर स्वस्थ बना रहता है। साथ ही इसके सेवन से वसा भी नहीं बढ़ता है, जिसे पचाने में लीवर को कोई जोर नहीं लगाना पड़ता है।

3. चुकंदर : चुकंदर, रक्त बनाने के साथ-साथ लीवर के स्वास्य के लिए भी अच्छा होता है। इसमें भरपूर मात्रा में फ्लैवोनॉयड्स और बीटा-कारोटीन होता है जिससे लीवर अच्छी तरह काम करता है।

4. नींबू : नींबू में कई गुण होते हैं, जो पूरे शरीर के लिए फायदेमंद होता है लेकिन क्या आपको मालूम है कि इसमें एंटी-ऑक्सीडेंट ''डी लिमोनेन' भी होता है जो शरीर में अच्छे एंजाइम्स को एक्टिव कर देता है।

5. ग्रीन टी : हर दिन ग्रीन टी पीने से शरीर की विषाक्तता समाप्त हो जाती है, यानी सारे टॉक्सिन निकल जाते हैं। ऐसे में लीवर का काम कम हो जाता है। ग्रीन टी, लीवर में लिपिड कैटाबोल्जिम को बढ़ाने में मदद करती है जिससे लीवर स्वस्थ हो जाता है।

..और यह न करें

धूम्रपान व शराब : लीवर को स्वस्थ बनाएं रखने के लिए हर संभव प्रयास करें और स्वास्यवर्धक चीजें ही खाएं। धूम्रपान न करें, शराब का सेवन भी हानिकारक होता है। इससे लीवर को ज्यादा क्षति पहुंचती है।

बच्चों की टीवी देखने की लत कैसे छूटे

नई दिल्ली। बच्चों की आदत खराब करने में सबसे बड़ा योगदान अगर टीवी को कहें तो गलत न होगा। बच्चे सबसे ज्यादा चीजें टीवी कार्यक्रमों से ही सीखते हैं और अपने जीवन में ढालते हैं। इस तरह बच्चों की आदत बिगड़ जाती है। सबसे ज्यादा वच्चे टीवी पर एड की चीजों को देख कर वही चीजें डिमांड करते हैं और उस जैसा बनना बच्चों को अच्छा लगता है और इस तरह बच्चों की आदत बिगड़ जाती है। वैसे बच्चें हों चाहे बड़े, टीवी देखने की आदत हर किसी को होती है। टीवी देखना बुरा नहीं होता, मगर टीवी के सामने हर वक्त पूरा काम-काज छोड़ कर बैठना एक गंदी आदत होती है। वहीं अगर बच्चे टीवी के आदि हो गए तो उनकी पढ़ाई-लिखाई चौपट समझो। टीवी को कभी भी अपनी जिंदगी का अहम हिस्सा नहीं बनाना चाहिए। अगर आप या आपके घर में किसी को टीवी देखने की बुरी आदत पड़ी हुई है तो आप उसकी आदत को इस तरह दूर कर सकते हैं।

- अगर बच्चे टीवी के आदी हो गए तो उनकी पढ़ाई-लिखाई चौपट हो सकती है
- टीवी की आदत तब तक अच्छी है जब तक उससे आपका खाली समय व्यतीत हो रहा है, बाकी इसे कभी भी अपनी जिंदगी का अहम हिस्सा नहीं बनाना चाहिए

घर में एक ही टीवी रखें : घरों में एक से ज्यादा टीवी होने के कारण सदस्य हर वक्त टीवी से ही चिपके रहते हैं। अगर घर में एक ही टीवी रहेगा तो हर कोई अपने समय से टीवी देख कर दूसरे को टीवी देखने का मौका देगा। जिससे कोई भी व्यक्ति ज्यादा समय तक टीवी के सामने नहीं बैठेगा।

टीवी का रिमोट छुपा दें : अगर पास में टीवी का रिमोट नहीं होगा तो चैनल को बार-बार कौन बदलेगा? इसी तरह से देखने वाला बोर हो जाएगा और वह टीवी बंद कर देगा।

फर्नीचर में बदलाव करें : अपने कमरे का फर्नीचर ऐसा कर दें जिससे कि टीवी आसानी से उपलब्ध न हो सके। यानी जिसे भी टीवी देखना हो, उसे टीवी देखने के लिए फर्नीचर इधर-उधर करना पड़े। ऐसे में परेशानी की वजह से व्यक्ति टीवी देखने में आलस करेगा।

बिना टीवी देखे भोजन करें : अपने घर में एक नियम बनाएं कि कोई भी सदस्य टीवी देखते हुएभोजन नहीं करेगा।

केवल कुछ ही टीवी शो देखें : अपने टीवी देखने का कार्यक्रम हर हफ्ते बदलते रहें। टीवी गाइड ले कर बैठ जाइये और उसमें से कुछ ऐसे प्रोग्राम्स चुन लीजिए जो आपको हफ्तेभर में देखने हों। फिर उसे देखिये और फिर टीवी बंद कर दीजिए।

नैनो तकनीक से मिनटों में साफ होंगे गंदे कपड़े

मेलबर्न। अभी तक हम अपने कपड़ों को साफ करने के लिए डिटर्जेंट पाउडर और वॉशिंग मशीन का उपयोग करते हैं। कपड़ों को साफ करने के लिए हम ज्यादा मेहनत करते हैं डिटर्जेंट में उन्हें बार-बार रंगड़ते हैं पर अब वो दिन ज्यादा दूर नहीं जब आपको अपने कपड़े साफ करने के लिए न मेहनत करनी होगी। न तो डिटर्जेंट का इस्तेमाल करना होगा, न पानी का और न ही वॉशिंग मशीन का। कुछ न करके भी आपके कपड़े सफेद, चमकदार बने रहेंगे।शोधकर्ताओं का कहना है कि उन्होंने एक ऐसी तकनीक विकसित की है जिससे कपड़ों को बल्ब की रोशनी या धूप में रखने पर वे छह मिनट के अंदर खुद ही साफ हो जाएंगे। मेलबर्न के ''आरएमआईटी विविद्यालय' के शोधकर्ताओं ने विशेष नैनो-तकनीक से एक ऐसा कपड़ा बनाया है जो रोशनी में खुद साफ हो जाता है। शोधकर्ताओं के इस दल में एक भारतीय मूल के वैज्ञानिक भी शामिल हैं। हालांकि शोधकर्ता राजेश रामनाथन के अनुसार अभी इस क्षेत्र में काफी काम किए जाने की जरूरत है। यह शोध ''एडवांस मैटेरियल इंटरफेसेस जर्नल' में प्रकाशित हुआ है।शोधकर्ताओं ने यह कपड़ा चांदी और तांबा आधारित नैनो-संरचनाओं से विकसित किया है जो अपनी प्रकाश को सोखने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं। जब इन नैनो-संरचाओं पर रोशनी पड़ती है तो इनमें ऊर्जा के संचार से गर्म इलेक्ट्रॉन निकलते हैं। ये गर्म इलेक्ट्रॉन ऊर्जा का संचार करते हैं जिससे ये कपड़ा कार्बिनक पदार्थो (धूल-मिट्टी) को हटा देता है। रामनाथन का कहना है कि यह कपड़ा कार्बिनक पदार्थो को तो साफ कर लेता है लेकिन इसे जैविक पदार्थो को भी साफ करने लायक बनाने की चुनौती अब भी बनी हुई है। अभी इसे आने में कुछ समय बाकी है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय का लाभ लें। शुभांक-2-5-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-5-6

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-4-6-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-5-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-4-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। अपने काम पर नजर रखिए। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी ङ्खचता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। यात्रा से लाभ। शुभांक-1-3-5

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। यात्रा का योग है। आय के योग बनेंगे। शुभांक-4-6-8

मीन — दी दू थ झ ञ द दो चा ची

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-7

लॉफिंग ज़ोन

एक सूटबूटधारी सज्जन एक व्यस्त बाजार में कारो के बीच हाथ-पैर फैलाए लेटा हुआ था. सिपाही ने देखा तो पूछा- क्या हुआ? दौरा-वौरा पड़ गया या चक्कर आ गए?

सज्जन बोले - नहीं जी दरअसल मेरी बीवी कार लेकर यहां पहुंचने वाली है और मैं इस व्यस्त बाजार में कार पार्क करने की जगह घेरे हुए हूं.

☺ ☺ ☺

रोहित (राहुल से) - तुम स्विटरजरलैड में कहां रहे?

राहुल (रोहित से) - 'जानहेग' कस्बे में.

रोहित (राहुल से) - तुम्हे मालूम होना चाहिए कि स्विस भाषा में 'जे' का उगाारण 'एच' होता है. वह 'जानहेग' नहीं 'हानहेग' है. वैसे आप वहां कब तक रहे?

राहुल (रोहित से) - हून-हुलाई तक.

☺ ☺ ☺

एक युवक पायलट के लिए इंटरव्यू देने पहुंचा. इंटरव्यू में उससे पूछा गया - आपका दिल कहीं कमजोर तो नहीं?

युवक - जी मेरा दिल तो इतना मजबूत है कि पिछले तीन सालों में मुझे तीन-तीन दिल के दौरे पड़े फिर भी मै जिंदा हूं.

युवक से फिर पूछा गया- दौरे तुम्हें कब-कब पड़े?

युवक - जी जब श्रीदेवी, माधुरी और काजोल की शादी हुई थी तब.

काकुरो पहेली - 4089

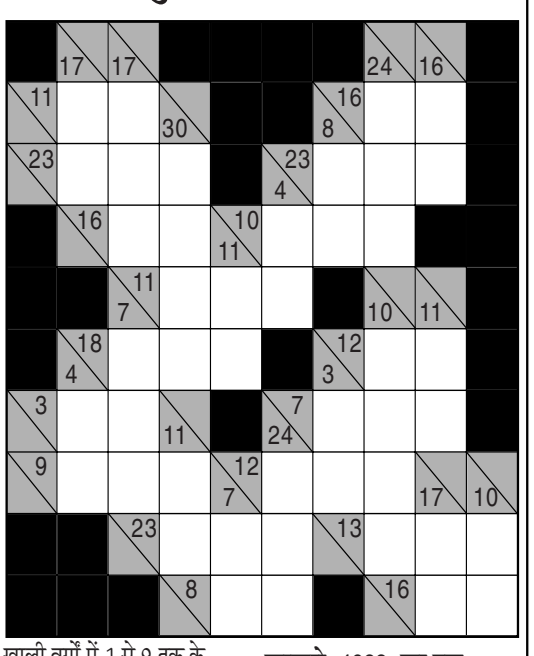

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

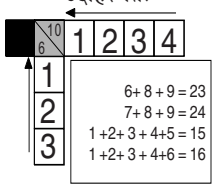

काकुरो -4088 का हल

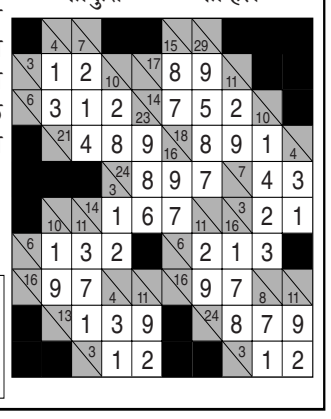

फिल्म वर्ग पहेली-4089

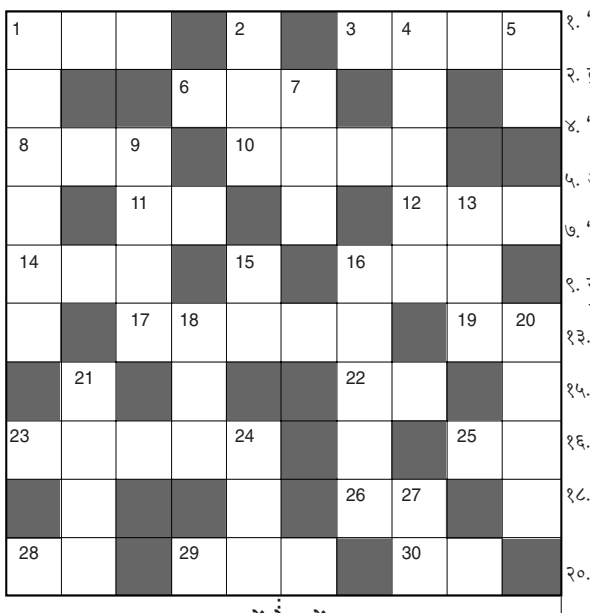

ऊपर से नीचेः-

१. 'मेरा नाम है चमेली' गीत वाली संजीव कुमार, नाजिमा, कुमकुम की फिल्म-२,२,२
२. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'सिर्फतुम ही तो हो जिसपे' गीत वाली शम्मीकपूर, साधना की फिल्म-५
५. अभिषेक बच्चन, भूमिका चावला की 'दिल में जो बात' गीत वाली फिल्म-२
७. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली आमिरखान, ग्रेसीसिंह की फिल्म-३
९. संजयखान, बबीता की 'आ लगजा गले' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिल कपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. 'क्या सही प्यार है' गीत वाली फिल्म 'रॉकी' में संजयदत्त, के साथ नायिका कौन थी-३
१६. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'आई लव यू आई लव यू' गीत वाली फिल्म-५
१८. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
२०. संजय दत्त, माधुरी दीक्षित की 'तम्मा तम्मा लोगे' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'लो आगई उनकी याद' गीत वाली मनोज कुमार, आशा पारेख की फिल्म-१,३
२४. अक्षय कुमार, करीना कपूर की 'तूने कहा जब से हाँ' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'और क्या अहद ए वफा' गीत वाली सनी देओल, अमृतासिंह की फिल्म-२

बायें से दायेंः-

१. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'चलती है पुरवाई' गीतवाली फिल्म-३
३. 'मेरा मन तेरा प्यासा' गीत वाली देव आनंद, जाहिदा, जाहिरा की फिल्म-४
६. सनी, मीनाक्षी की सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
८. 'कब तक हुजूर रूठे रहोगे' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली फिल्म-४
११. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज, उर्मिला की फिल्म-२
१२. रघुवीर यादव, कुणालकपूर, तब्बू, नादिरा बब्बर की 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'क्या करे क्या ना करें' गीत वाली जैकी श्रॉफ, उर्मिला की फिल्म-३
१६. सनी देओल, करिश्मा की 'छम्मक छल्लो जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-३
१७. जैकी श्रॉफ, संजय, माधुरी की फिल्म-५
१९. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, दीप्ति नवल की सई परांजपे निर्देशित एक फिल्म-२
२२. 'कंधों से मिलते हैं कंधे' गीत वाली अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२३. राकेश रोशन, रेखा की 'सुन सुन सुन दीदी तेरे लिये' गीत वाली फिल्म-५
२५. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान, विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
२६. संजय दत्त, सलमान खान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
२९. मिलिंद सोमण, विक्रम सलूजा, किरण झवेरी की फिल्म-३
३०. फिल्म 'रफूचक्कर' में नायिका थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4088

अ	नि	ता	■	रे	श	नी	■	धू	म
क्स	■	क	सौ	टी	■	ल	ज्ञा	■	स्त
■	अं	त	■	क	स	म	■	भा	■
जो	श	■	कं	प	नी	■	आ	र	जू
रू	■	दि	■	ड़	■	जी	न	त	■
का	ज	ल	■	औ	र	त	■	■	पा
गु	■	ज	रू	र	त	■	पा	ल	की
ला	ड़	ला	■	म	न	■	य	■	जा
म	■	■	शा	का	■	जा	ल	■	■
■	फ	र	दी	न	खा	न	■	फि	दा

सूडोकु 4089

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4088 हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

शब्द पहेली -4089

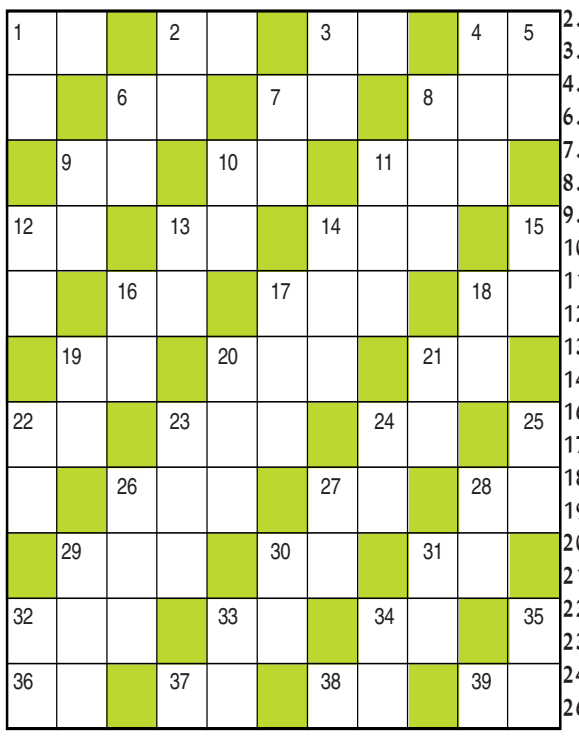

बाएँ से दाएँ

1.कार्य,काम-2
2.अग्नि,अनल-2
3.संग,संगत-2
4.मदिरा,शराब-2
6.चुटीली बात-2
7.उम्मीद-2
8.समाचार,सूचना-3
9.भगवान कृष्ण के खेल-2
10.छाया,परछाई-2
11.कहासुनी-3
12.जी,चित-2
13.निशा-2
14.पासों का खेल-3
16.करीना की फिल्म-2
17.आगे वाला-3
18.सीधा,सरल-2
19.वीर,बहादुर-2
20.दलदल,गाद-3
21.तांत,टेलीग्राम -2
22.वंश,खानदान-2
23.नशा,नशापानी-3
24.चिट्ठी,पत्र-2
26.सही का विलोम-3
27.ठिकाना-2
28.प्राण,दम-2
29.नरक (उर्दू-3)
30.बीता हुआ दिन-2
31.पोखर,तालाब-2
32.हताहत-3
33.दर,मूल्य-2
34.आयु-2
36.अंधकार-2
37.पांव,पैर-2
38.कान्हा-2
39.टैक्स,हाथ-2

ऊपर से नीचे

1.समय,वक्त-2
2.आगमन-2
3.पति की मां-2
4.भोर,सवेरा-3
5.झगड़ा-2
6.लॉक,द्वारयंत्र-2
7.धाय,नर्स,दाई-2
8.अवरोध,रुकावट-3
9.मगन,मग्न-2
10.सप्त,सप्तम-2
11.लक्ष्मी,रमा-3
12.मौज,मजा-2
13.महाराजा-2
14.घिसन,रगस-3
15.गमन,जाना-2
16.पुनः,वापस-2
17.स्थिर-3
18.निष्कर्ष-2
19.कांटा-2
20.मूल्य,दाम-3
21.पितामह-2
22.मजदूर-2
23.ईश्वर-3
24.भूल,गलती-2
25.मछली-2
26.नगमा-3
27.क्षण-2
28.पाश-2
29.दूसरा-3
30.थोड़ा-2
31.तांबा-2
32.हमला-2
33.कलंक-2
34.गरम-2
35.मयूर-2

शब्द पहेली -4088 हल

क	फ	■	ज	प	■	त	न	■	शा	न
प	त	न	■	ल	त	■	भ	ला	■	शा
■	वा	न	र	■	म	ल	■	ज	रा	■
फि	■	द	म	न	■	क	द	■	ज	न
दा	दा	■	ल	क	वा	■	म	स्त	■	ख
■	न	या	■	ल	च	क	■	र	थ	■
रा	■	क	ल	■	क	ल	म	■	ल	ब
ही	र	■	ह	र	■	ह	म	ल	■	ल
■	स	जा	■	जा	ल	■	ता	ड़	ना	■
य	■	म	त	■	व	ध	■	ना	का	रा
म	य	■	■	ल	क्ष्य	■	न	ल	■	म	जा

एसीटी फाइबरनेट की एआई आधारित एडटेक प्लेटफॉर्म ट्यूरिटो के साथ रणनीतिक साझेदारी

एजेंसी
नई दिल्ली। इंटरनेट सेवा प्रदाता एसीटी फाइबरनेट ने जनरेटिव एआई आधारित एडटेक प्लेटफॉर्म ट्यूरिटो के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस पहल के जरिए कंपनी अब केवल इंटरनेट कनेक्टिविटी ही नहीं बल्कि भारतीय परिवारों को एआई संचालित व्यक्तिगत शिक्षा सुविधाएं भी उपलब्ध कराएगी। कंपनी के अनुसार, जनवरी 2025 में एआई-संचालित वाई-फाई सेवा शुरू करने के बाद यह कदम डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में उसकी नई पहल है। साझेदारी का उद्देश्य छात्रों को घर बैठे बेहतर और व्यक्तिगत शिक्षण सहायता उपलब्ध कराना है, जिससे पारंपरिक शिक्षा और भविष्य की जरूरतों के बीच की खाई को कम किया जा सके।इस पहल के तहत एसीटी फाइबरनेट के ग्राहकों को ट्यूरिटो एआई एकेडमी तक पहुंच मिलेगी। यह प्लेटफॉर्म कक्षा 6 से 12 तक की पढ़ाई के साथ-साथ आईआईटी-जेईई, नीट, एसएटी, एसीटी, पीएसएटी, एसएसएटी और एपी जैसी प्रतियोगी एवं अंतरराष्ट्रीय परीक्षाओं की तैयारी में भी मदद करेगा।ट्यूरिटो एआई एकेडमी 24×7 एआई-संचालित ट्यूटरिंग और व्यक्तिगत लर्निंग पाथवे की सुविधा प्रदान करती है। इससे छात्रों को उनकी सीखने की गति और जरूरतों के अनुसार रियल-टाइम सहायता तथा अनुकूलित अध्ययन योजना मिल सकेगी। साझेदारी के तहत एसीटी फाइबरनेट के सभी ग्राहकों को ट्यूरिटो एआई एकेडमी का तीन महीने का निःशुल्क ट्रायल दिया जाएगा। एसीटी फाइबरनेट के चीफ ग्रोथ ऑफिसर रवि कार्तिक ने मीडिया को जारी बयान में कहा कि कंपनी की तेज और भरोसेमंद इंटरनेट सेवा डिजिटल अवसरों के नए रास्ते खोल रही है।

'पंच प्यारे' से कांग्रेस नेताओं की तुलना को भाजपा ने बताया सिख आस्था का अपमान

नई दिल्ली। उत्तराखंड कांग्रेस के वरिष्ठ नेता धीरेंद्र प्रताप द्वारा पार्टी नेताओं की तुलना सिख पंथ के सम्मानित 'पंच प्यारे' से किए जाने पर विवाद खड़ा हो गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इसे सिख इतिहास, आस्था और बलिदान का गंभीर अपमान बताया है। भाजपा प्रवक्ता आरपी सिंह ने एक बयान में कहा कि दशवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह द्वारा स्थापित 'पंच प्यारे' सिख धर्म में सर्वोच्च सम्मान, त्याग, साहस, धर्मपरायणता और निःस्वार्थ बलिदान के प्रतीक माने जाते हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक नेताओं की तुलना 'पंच प्यारे' से करना करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं को आहत करने जैसा है। राजनीतिक महिमामंडन के लिए ऐसी पवित्र धार्मिक संस्थाओं का उल्लेख करना उचित नहीं है। उन्होंने कांग्रेस नेता से इस बयान पर स्पष्टीकरण देने और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है। सिंह ने कहा कि सिखों की भावनाओं को आहत करने का कांग्रेस का पुराना इतिहास रहा है। ऐसे बयान उस दुर्भाग्यपूर्ण परंपरा को ही पुख्ता करते हैं। कांग्रेस को तुरंत बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए और सिख गुरुओं तथा पवित्र सिख परंपराओं को राजनीतिक प्रचार में घसीटना बंद करना चाहिए।

असम में 14.5 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ जब्त, सात तस्कर गिरफ्तार

असम। असम में मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। श्रीभूमि और नगांव जिलों में चलाए गए समन्वित अभियानों में लगभग 14.5 करोड़ मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं। इस कार्रवाई के दौरान सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस अभियान की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि जिला पुलिस की टीमों ने कई स्थानों पर छापेमारी कर भारी मात्रा में नशीले पदार्थ बरामद किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीभूमि पुलिस और नगांव पुलिस द्वारा संचालित सफल अभियानों में बड़ी मात्रा में मादक पदार्थों की खेप पकड़ी गई है। उन्होंने इसे राज्य में नशे के कारोबार के खिलाफ चल रही लड़ाई का महत्वपूर्ण चरण बताया। उन्होंने दोहराया कि मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त नेटवर्कों को पूरी तरह ध्वस्त करने के लिए सरकार की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे के कारोबार के विरुद्ध राज्य सरकार की नीति सख्त, स्पष्ट और अडिग है तथा इस दिशा में अभियान और तेज किया जाएगा।

विश्व हिन्दू परिषद के केन्द्रीय संत मार्गदर्शक मण्डल उपवेशन की बैठक में धर्म, संस्कृति व राष्ट्र को लेकर हुआ मंथन

हरिद्वार। निष्काम सेवा ट्रस्ट में विश्व हिन्दू परिषद के केन्द्रीय संत मार्गदर्शक मण्डल उपवेशन की दो दिवसीय बैठक आध्यात्मिक वातावरण में प्रारम्भ हुई। भारतवर्ष के विविध पीठों, अखाड़ों, सम्प्रदायों एवं आध्यात्मिक परम्पराओं के शीर्षस्थ संत-महात्माओं के सानिध्य में राष्ट्र जीवन के समक्ष उपस्थित समसामयिक चुनौतियों, सनातन संस्कृति के संरक्षण तथा लोककल्याण के विविध आयामों पर व्यापक चिंतन व मंथन हुआ।बैठक के पहले दिन हिन्दू समाज के संगठन, सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन, गौसंरक्षण, धार्मिक स्थलों की सुरक्षा, सेवा कार्यों के विस्तार, सामाजिक समरसता, परिवार प्रबोधन, युवा जागरण, धर्मांतरण की चुनौतियों, राष्ट्रीय एकात्मता तथा वैश्विक स्तर पर भारतीय आध्यात्मिक मूल्यों के प्रसार जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। संतों एवं धर्माचार्यों ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत की आत्मा उसकी सनातन संस्कृति में निहित है और धर्म, सेवा, संस्कार तथा समरसता के आधार पर ही राष्ट्र का वास्तविक उत्थान संभव है। सनातन धर्म केवल एक धार्मिक परम्परा नहीं अपितु संपूर्ण मानवता को शांति, सद्भाव, करुणा, सह-अस्तित्व और विश्वबंधुत्व का संदेश देने वाली जीवन-पद्धति है।

हज 2026 अब तक की सबसे सफल यात्रा, भारत को मिले दो अवॉर्डः किरेन रिजिजू

एजेंसी
नई दिल्ली । केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने हज 2026 को अब तक का सबसे सफल हज करार देते हुए कहा कि भारतीय हज यात्रियों के लिए की गई व्यवस्थाओं की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना हुई है। उन्होंने बताया कि हज यात्रा की पूरी प्रक्रिया (भारत से रवाना होने से लेकर सऊदी अरब, मक्का और मदीना में व्यवस्थाओं तथा हज पूरा कर वापस भारत लौटने तक) का विस्तृत समीक्षा की गई। किरेन रिजिजू ने कहा, 'हम पूरे विश्वास के साथ कह सकते हैं कि हज 2026 अब तक का सबसे बेहतरीन हज रहा। इसके परिणामस्वरूप भारत को दो पुरस्कार भी मिले हैं, जिन्हें विदेश मंत्रालय के माध्यम से हमें सौंपा गया है। यह उपलब्धि सभी के सहयोग से संभव हुई है। ' उन्होंने कहा कि हज सुविधा ऐप का भी काफी सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला। इसके जरिए यात्रियों को कई जरूरी सेवाएं आसानी से उपलब्ध हुईं। किरेन रिजिजू ने बताया कि सऊदी अरब के अधिकारियों ने भी भारतीय व्यवस्थाओं, विशेषकर स्वास्थ्य सेवाओं की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'सऊदी अरब के लोगों ने भी कहा कि भारत की हेल्थकेयर व्यवस्था बहुत शानदार है। '

हज यात्रियों को मिलने वाली सुविधाओं में सुधार का जिक्र करते हुए केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पहले बीमा कवर 5 लाख रुपए का था, जिसे बढ़ाकर 6.25 लाख रुपए कर दिया गया है। इसके अलावा, 65 वर्ष और उससे अधिक उम्र के हज यात्रियों के लिए बनाई गई नई नीति को भी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। रिजिजू ने कहा कि भविष्य में व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया जाएगा। इसके लिए मैनपावर बढ़ाने, स्टेट हज इंस्पेक्टरों की संख्या में वृद्धि करने और जरूरत पड़ने पर सुरक्षा कर्मियों की संख्या भी बढ़ाने की योजना है।

इस बीच, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी दी कि हज 2027 की तैयारियों की नींव रख दी गई है। नई दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित हज समीक्षा बैठक में हज 2026 के सफल संचालन की समीक्षा की गई और हज 2027 की रूपरेखा पर चर्चा हुई।

बैठक में यह भी दोहराया गया कि सरकार भारतीय हज यात्रियों को सुरक्षित, आरामदायक, पारदर्शी और सम्मानजनक यात्रा अनुभव उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

कैमिस्ट हत्याकांडः आरोपियों ने पुलिस से पिस्तौल छीनी, मुठभेड़ में दोनों के पैरों में लगी गोलियां

एजेंसी
चंडीगढ़। सैक्टर-11 स्थित श्री कुमार मेडिकल हॉल में हुए सनसनीखेज हत्याकांड के आरोपियों को गिरफ्तार कर चंडीगढ़ लाते समय बड़ा घटनाक्रम सामने आया। धनास क्षेत्र के पास पुलिस की गाड़ी हादसे का शिकार हो गई, जिसका फायदा उठाकर आरोपियों ने पुलिसकर्मी की सरकारी पिस्तौल छीन ली और पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें दोनों आरोपियों के पैरों में गोलियां लगीं और उन्हें दोबारा काबू कर लिया गया। घायल आरोपियों को इलाज के लिए सैक्टर-16 स्थित सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है। मुठभेड़ में घायल हुए दोनों आरोपी पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने दो राउंड फायरिंग की, जबकि पुलिस ने जवाब में चार राउंड फायर किए। इस दौरान एक आरोपी की टांग में दो गोलियां लगीं, जबकि दूसरे आरोपी के पैर में एक गोली लगी। घटना में कोई पुलिसकर्मी घायल नहीं हुआ, हालांकि वाहन चालक को गर्दन में चोट आई है।

मामले की जानकारी देते हुए आईजी Pushpendra Kumar ने बताया कि घटना के बाद एक विशेष जांच टीम (SIT) गठित की गई थी। जांच में सामने आया कि वारदात के बाद आरोपी बस से दिल्ली और फिर ट्रेन से जम्मू भाग गए थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों–सनी मेहरा (22) निवासी सांबा और आर्यन शर्मा (19) निवासी राजौरी–को जम्मू से गिरफ्तार किया।

विपक्ष से बिलों के समर्थन की अपील, राष्ट्रीय हित में सहयोग जरूरीः केंद्रीय मंत्री

एजेंसी
नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत के उस आरोपों पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने भाजपा पर गंदी राजनीति करने का आरोप लगाया है। किरेन रिजिजू ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हर सांसद अपने भविष्य के बारे में सोचता है। अपने क्षेत्र के बारे में सोचता है, अपने व्यक्तिगत विकास के बारे में सोचता है। अब ऐसी स्थिति में शिवसेना के सांसदों को क्या करना चाहिए और क्या नहीं, इस पर मैं किसी भी प्रकार की टिप्पणी तो नहीं कर सकता हूं। उनके मुताबिक, संसद में हम सभी विभिन्न राजनीतिक दलों के लोग एकत्रित होते हैं और महत्वपूर्ण फैसले लेते हैं। संसद में हम सभी लोग एकजुट होकर देश के विकास के लिए काम करते हैं। देश के हितों के लिए एकजुट होकर फैसले लेते हैं। इस दौरान हम सभी दलों के सांसदों से अपील करते हैं कि वो हमारा साथ दें, क्योंकि हमारा दायित्व बनता है।

उन्होंने कहा कि अब संजय राउत किसे गाली दे रहे हैं और किसे नहीं, इस पर अगर रिएक्ट किया जाए तो मुझे लगता है कि यह ठीक नहीं रहेगा। इसके अलावा, उन्होंने परिसीमन बिल पर भी

प्रतिक्रिया दी। उनके मुताबिक, मैं इस बात का पहले ही जिक्र कर चुका हूं कि इससे पहले महिला आरक्षण बिल संसद में पारित नहीं हो पाया था। ऐसा कुछ संवैधानिक प्रावधानों की वजह से हुआ था, क्योंकि संसद का दो तिहाई हिस्से का समर्थन हमें नहीं मिला था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले ही इस बात को स्पष्ट कर चुके हैं कि हिंदुस्तान की महिलाओं को न्याय मिले। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के मुताबिक, 'मैं हमेशा से ही विपक्षी दलों के यह अपील करते हुए आया हूं कि वो संसद में पेश होने वाले बिलों का समर्थन करें। अब बात महिला आरक्षण की बात कर लीजिए। यह महिला आरक्षण से जुड़ा हुआ बिल है। ऐसी स्थिति में इस पारित करने के लिए दो तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है। 'यह बिल महिलाओं के विकास से जुड़ा हुआ है, लिहाजा हमारी समय-समय पर सांसदों से अपील रहती है कि वो इस बिल का समर्थन करें। हमारी इस संबंध में विभिन्न राजनीतिक दलों से बैठक भी हुई थी, जिसमें समाजवादी पार्टी भी शामिल है। शायद समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस के दबाव में आकर बिल का समर्थन नहीं करने का फैसला किया था। मुझे विश्वास है कि आगामी दिनों में सभी राजनीतिक दलों के लोग इस बिल का समर्थन करेंगे।

शिंदे गुट से संपर्क में छह सांसद, बागियों को कारण बताओ नोटिस जारी, संजय राउत ने दी सख्त चेतावनी

एजेंसी
मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के नौ में से छह सांसदों के शिंदे गुट से संपर्क में होने की आशंकाओं के बीच पार्टी नेतृत्व हाईअलर्ट पर है। शिवसेना (यूबीटी) ने बागी सांसदों को घेरने और उनकी सदस्यता रद्द करवाने के लिए एक सख्त कानूनी रणनीति शुरू की है। दिल्ली में उद्धव ठाकरे के गुट की बुलाई गई संसदीय दल की अहम बैठक के दौरान यह राजनीतिक हलचल साफ दिखी। पार्टी के सख्त व्हिप के बावजूद, सिर्फ तीन लोकसभा सांसद ही बैठक में शामिल हुए, जिससे संसदीय विंग में पूरी तरह से बंटवारा होने की बात लगभग पक्की हो गई। इस अहम बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद और मुख्य प्रवक्ता संजय राउत ने बताया कि बैठक में शामिल होने वालों में अरविंद सावंत (मुंबई दक्षिण), अनिल देसाई (मुंबई दक्षिण-मध्य) और राजाभाऊ वाजे (नासिक) शामिल थे। हालांकि, छह सांसद बैठक में नहीं आए, जिनमें ओमराजे निंबालकर (धाराशिव), संजय

जाधव (परभणी), संजय देशमुख (यवतमाल-वाशिम), नागेश आष्टीकर (हिंगोली), भाऊसाहेब वाकचौरे (शिर्डी) और संजय दीना पाटिल (मुंबई उत्तर-पूर्व) शामिल हैं। राउत ने घोषणा की कि शिवसेना (यूबीटी) ने दलबदल करने वाले सांसदों के लिए मुश्किलें खड़ी करने के मकसद से अनुशासनात्मक और कानूनी प्रक्रियाएं शुरू कर दी हैं। उन्होंने कहा, 'आज संसदीय दल की बैठक में हमारे लोकसभा के सिर्फ तीन सांसद शामिल हुए। हमने बैठक में न आने वाले सभी सांसदों को आधिकारिक 'कारण बताओ नोटिस' जारी किए हैं और उन्हें अपना स्पष्टीकरण देने के लिए सात दिन की सख्त समय-सीमा दी है। '

राउत ने कहा, 'हम यह लड़ाई सड़कों पर लड़ेंगे और अदालतों में भी। उनकी सदस्यता रद्द करवाने के लिए जमीनी स्तर पर हमारी तैयारी जोर-शोर से शुरू हो चुकी है। ' शिवसेना-यूबीटी नेता ने उस कानूनी रोडमैप के बारे में बताया जिसे उद्धव ठाकरे का गुट आने वाले सप्ताह में अपनाना चाहता है।

टेलीग्राम बैन पर दिल्ली हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित, कहा- प्रोसीजर और इमरजेंसी पावर के इस्तेमाल की होगी समीक्षा

एजेंसी
नई दिल्ली । राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) से पहले मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम पर लगाए गए अस्थायी प्रतिबंध को चुनौती देने वाली याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। टेलीग्राम की ओर से दाखिल याचिका पर जस्टिस तेजस कारिया की बेंच ने सुनवाई की। सुनवाई के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता वाली रिव्यू कमेटी ने टेलीग्राम के अधिकारियों की बात सुनी है और उनकी दलीलों को रिकॉर्ड पर लिया गया है। टेलीग्राम की ओर से अदालत में कहा गया कि कानून इस तरह के भेद का प्रावधान नहीं करता। इस पर कोर्ट ने कहा, ''टेलीग्राम की दलील सीधी है कि यदि आधार ही खत्म हो जाता है, तो उसके आधार पर पारित आदेश भी नहीं टिक सकता। हम अंतिम आदेश पर भी विचार करेंगे, इसलिए दोनों पहलुओं पर बहस करना बेहतर होगा।''

टेलीग्राम ने केंद्र सरकार के आदेश को कानूनी खामियों से ग्रस्त बताते हुए कहा कि समिति ने सर्वसम्मति से अंतरिम निर्देश की पुष्टि करने की सिफारिश की थी।

टेलीग्राम की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ध्रुव मेहता ने दलील दी, ''क्या यह आदेश भारत की अखंडता और संप्रभुता के हित में है? क्या नीट जैसी परीक्षा भारत की संप्रभुता और अखंडता पर असर डालेगी?'' उन्होंने आगे कहा कि सैकड़ों दूसरी एक्टिविटीज चल रही हैं, बिजनेस एक्टिविटीज हैं। वॉट्सऐप पर तो लोग मार्केटिंग कर रहे हैं।

इस दौरान अदालत ने कहा, ''जो हुआ, हम सब जानते हैं। बहुत सारे स्टूडेंट्स पर असर पड़ा। दूसरी बात यह है कि उस एक घटना को रोकने के लिए क्या आप पूरे प्लेटफॉर्म को ब्लॉक कर सकते हैं? सेक्शन 69ए के तहत एक पावर है। उस पावर का इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन उसका कितना इस्तेमाल किया जा सकता है, यह सवाल है।'' सरकार की ओर से पेश तुषार मेहता ने टेलीग्राम की गोपनीयता नीति का हवाला देते हुए कहा, ''टेलीग्राम की प्राइवेसी पॉलिसी में यह भी कहा गया है कि अकाउंट डिलीट करने पर उसमें स्टोर किया गया सारा डेटा, मैसेज और मीडिया डिलीट हो जाएगा।'' उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया था कि यह आतंकवादी गतिविधियों के लिए सबसे पसंदीदा प्लेटफॉर्म है और इसकी आर्किटेक्चरल डिजाइन के कारण अन्य क्षेत्रों में भी चुनौतियां पैदा होती हैं।सुनवाई के दौरान अदालत ने सरकार से पूछा, ''हम 150 मिलियन लोगों के अधिकारों को सिर्फ इसलिए कैसे रोक सकते हैं, क्योंकि कुछ नागरिक परीक्षा दे रहे हैं? सवाल यह है कि क्या आप किसी और के अधिकारों की रक्षा के लिए किसी और के अधिकारों को रोक सकते हैं।''

इस पर तुषार मेहता ने जवाब दिया, ''जब किसी राज्य या राज्य के किसी हिस्से में इंटरनेट बैन होता है, तो सिर्फ 10 प्रतिशत लोग ही शरारती हो सकते हैं। '

कोर्ट ने आगे कहा, ''अगर लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति है तो इसकी इजाजत दी जा सकती है। यहां पर तो प्रोपोर्शनैलिटी ((जब दो चीजें इस तरह जुड़ी हों कि एक बदलने पर दूसरी भी बदले) का टेस्ट का मामला है।'' तुषार मेहता ने दलील दी कि इस प्लेटफॉर्म पर बहुत सारे ग्रुप और चैनल चल रहे हैं, जिन्हें शायद दूसरे प्लेटफॉर्म पर इस तरह से चलने वाले चैनलों के बारे में कभी नहीं सुना होगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल से शहरी सेवा शिविर बने सुशासन की पहचान, 309 प्रकरणों का मौके पर निस्तारण

एजेंसी
जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेशभर में आयोजित शहरी सेवा शिविर सुशासन, पारदर्शिता और जनसेवा की प्रभावी मिसाल बनकर उभरे हैं। इन शिविरों के माध्यम से आमजन को मौके पर ही त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। इससे नागरिकों का सरकार के प्रति विश्वास और अधिक सुदृढ़ हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अंत्योदय की भावना को साकार करते हुए 12 जून से आयोजित इन शिविरों में आमजन को एक ही स्थान पर विभिन्न नागरिक सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। शिविरों के माध्यम से मण्डल ने अब तक 16 प्रकार की सेवाओं से संबंधित कुल 309 प्रकरणों का त्वरित एवं पारदर्शी निस्तारण किया जा चुका है। साथ ही पात्र लाभार्थियों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया जा रहा है।

शहरी जीवन में बढ़ी सुविधा, समस्याओं का हुआ त्वरित समाधान

आवासन आयुक्त अरविंद पोसवाल ने बताया कि राजस्थान आवासन मंडल द्वारा आयोजित शहरी सेवा शिविरों में नागरिकों की वर्षों से लंबित समस्याओं का भी प्रभावी समाधान किया जा रहा है। अब तक निस्तारित 309 प्रकरणों में अहस्तांतरित कॉलोनियों में सफाई, सड़क ,सीवर लाइन एवं रोड लाइट मरम्मत से संबंधित 4 प्रकरण, नाम हस्तांतरण के 18 प्रकरण, पूर्ण राशि जमा होने पर अदेयता प्रमाण पत्र के 4 प्रकरण, कब्जा पत्र जारी करने का 1 प्रकरण, भवन मानचित्र (पंजीयन हेतु) के 9 प्रकरण, आवास पंजीयन के 7 प्रकरण, बकाया/शेष राशि संबंधी 204 प्रकरण, एकमुश्त लीज पत्र के 38 प्रकरण, फ्री होल्ड प्रमाण पत्र के 23 प्रकरण तथा अतिरिक्त भू-पट्टी आवंटन का 1 प्रकरण शामिल है। उन्होंने कहा कि इन शिविरों का उद्देश्य केवल प्रकरणों का निस्तारण करना नहीं, बल्कि नागरिकों को सुगम, संवेदनशील और जवाबदेह प्रशासन उपलब्ध कराना है।

आरएसएस कार्यालय पर पेट्रोल बम से हमला करने के तीन आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी
रांची। रांची के चुटिया थाना क्षेत्र स्थित निवारणपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ(आरएसएस) कार्यालय पर पेट्रोल बम से हमला करने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में सैफ अंसारी, अमन अंसारी उर्फ गोलू और सायम सुजान शामिल है। इनके पास से घटना के समय पहने हुए कपड़े, रैपिडों कैब (सेन्ट्रो कार) और चार स्मार्टफोन बरामद किया गया।

एसएसपी राकेश रंजन ने गुरुवार की रात प्रेस वार्ता में बताया कि 16 जून की देर रात चुटिया निवारणपुर स्थित राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ, झारखण्ड प्रदेश कार्यालय में अज्ञात अपराधियों के जरिये पेट्रोल बम फेंकने की घटना को अंजाम दिया गया था। इस संबंध में चुटिया थाना मामला दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिटी एसपी और ग्रामीण एसपी के नेतृत्व में एक विशेष अनुसंधान टीम (एसआईटी) का गठन किया गया। गठित एसआईटी के जरिये सीसीटीवी फुटेज के अवलोकन एवं तकनीकी सहयोग से काण्ड के मुख्य आरोपितों का चिन्हित किया गया। गठित एसआईटी के जरिये विभिन्न

स्थानों पर छापेमारी की गई। इसी क्रम में घटना को अंजाम देने के बाद आरोपित दूसरे राज्य भागने के प्रयास में थे। इसी क्रम में कोडरमा के गझण्डी रेलवे स्टेशन के पास से घटना में शामिल आरोपित सैफ अंसारी और अमन अंसारी उर्फ गोलू को बोकारो एवं कोडरमा पुलिस के सहयोग से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार सैफ अंसारी एवं अमन अंसारी उर्फ गोलू के जरिये अपना अपराध स्वीकार करते हुए सायम सुजान के साथ घटना को अंजाम देने की बात कही गई। जिसे छापेमारी के क्रम में रांची के लोअर बाजार थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। आरोपितों के निशानदेही पर घटना के समय इनके जरिये पहने गये कपड़ों को लोअरबाजार थाना अंतर्गत नाले के समीप से बरामद एवं जब्त किया गया है।एसएसपी ने बताया कि प्रांरभिक जांच एवं पूछताछ में गिरफ्तार आरोपितों किसी अंतरराष्ट्रीय गिरोह से जुड़े होने की बात से इंकार नहीं किया जा सकता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मामले को आगे के अनुसंधान के लिए आंतकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) से कराने के लिए अनुरोध किया गया था, जिसे स्वीकृति दी जा चुकी है। काण्ड का अग्रतर अनुसंधान आंतकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) झारखण्ड, रांची की ओर से किया जायेगा। वहीं, गिरफ्तार आरोपित सैफ अली कोतवाली थाना परिसर में स्थित शौचालय में शौच करने की बात कहकर शौचालय गये और इसी कम में तैनात पहराकर्मी को चकमा देते हुए वेंटिलेशन का ग्रील एवं शीशा तोड़कर भाग गया। भागने की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी, ओपी प्रभारी को अलर्ट किया गया। भागने के क्रम में आरोपित सैफ को मांडर थाना पुलिस के जरिये चामा मोड़ के पास वाहन चेंकिग में पकड़ा गया, जिसे निकटवर्ती थाना ले जाने के क्रम में सैफ अली के जरिये पुलिसकर्मी का हथियार छीनकर दोबारा पुलिस अभिरक्षा से भागने का प्रयास किया गया।

अमरनाथ यात्रा 2026 को लेकर गांदरबल में सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा, उपायुक्त ने की समन्वय बैठक

एजेंसी
गांदरबल। आगामी श्रीअमरनाथ यात्रा 2026 के सुचारू और सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए उपायुक्त (डीसी) गांदरबल जतिन किशोर ने पुलिस और सुरक्षा बलों के साथ एक सुरक्षा समन्वय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का उद्देश्य विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना और जिले में श्री अमरनाथ यात्रा से संबंधित सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा करना था। बैठक की शुरुआत में उपायुक्त ने बालटाल मार्ग पर यात्रा के सफल संचालन के लिए विभिन्न विभागों और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा की जा रही तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की।

बैठक में श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तैयार किए गए व्यापक सुरक्षा प्लान पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने जानकारी दी कि बालटाल बेस कैंप, मनीगाम ट्रांजिट कैंप और यात्रा मार्ग सहित सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है। उपायुक्त ने सभी एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया और अधिकारियों को यात्रा अवधि के दौरान सतर्कता बढ़ाने तथा किसी भी स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और परेशानी मुक्त यात्रा का अनुभव देने के लिए सभी तैयारियां समय से पहले पूरी कर ली जानी चाहिए।

बैठक में यातायात प्रबंधन की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि यात्रियों की आवाजाही के प्रभावी प्रबंधन और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई के लिए सभी संबंधित विभाग आपस में समन्वय बनाकर काम करें।उपायुक्त ने दोहराया कि जिला प्रशासन सुरक्षित, शांतिपूर्ण और सुविधाजनक अमरनाथ यात्रा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी विभागों और एजेंसियों से यात्रा के सफल संचालन के लिए आपसी तालमेल के साथ काम करने का आह्वान किया। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) गांदरबल सुधांशु धामा, अतिरिक्त उपायुक्त, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, सहायक आयुक्त राजस्व, उप मंडल मजिस्ट्रेट कंगन सहित पुलिस, सेना, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), इंटेलिजेंस ब्यूरो, एसडीआरएफ, ट्रैफिक पुलिस, पुलिस दूरसंचार और अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कोटा में भ्रष्टाचार पर कार्रवाई : झूठे केस में समझौते के नाम पर 7,000 रुपये रिश्वत लेता कांस्टेबल गिरफ्तार

एजेंसी
जयपुर/कोटा। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की कोटा इकाई ने कार्रवाई करते हुए उद्योग नगर थाने के कांस्टेबल हरिओम को परिवादी से 7,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी कांस्टेबल एक झूठे मामले को रफा-दफा करने और समझौता कराने की एवज में रिश्वत की मांग कर रहा था। एसीबी मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि कोटा इकाई को एक परिवादी ने शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत में बताया गया कि परिवादी के पड़ोसियों ने उसके बेटे के खिलाफ पुलिस थाना उद्योग नगर, कोटा में एक झूठी रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस मामले की जांच के दौरान आरोपी कांस्टेबल हरिओम ने परिवादी को थाने बुलाकर मामले को शांत करने के बदले 15,000 रुपये रिश्वत की मांग की थी। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया कि बातचीत के दौरान ही आरोपी हरिओम ने परिवादी की जेब से जबरन 5,000 रुपये निकाल लिए थे और बाकी बचे 10,000 रुपये देने के लिए लगातार दबाव बना रहा था।

इस गंभीर शिकायत पर एसीबी कोटा रेंज के उप महानिरीक्षक पुलिस ओमप्रकाश मीणा के सुपरवीजन में और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय स्वर्णकार के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन करवाया गया। 15 जून 2026 को हुए इस सत्यापन के दौरान आरोपी हरिओम परिवादी से 8,000 रुपये रिश्वत लेने पर सहमत हुआ, जिससे रिश्वत मांगे जाने की पुष्टि हो गई।इसके बाद आज, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुलिस उप अधीक्षक अनीस अहमद के नेतृत्व में गठित एक ट्रैप दल ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई की। टीम ने आरोपी कांस्टेबल हरिओम को उद्योग नगर थाना, कोटा शहर के बाहर परिवादी से 7,000 रुपये की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों दबोच लिया। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव एवं महानिरीक्षक एस. परिमला के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। एसीबी द्वारा इस मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच की जाएगी। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने आमजन से अपील की है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान में सहयोग करने के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1064 और व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर 9413502834 पर 24 घंटे किसी भी समय संपर्क कर सकते हैं। एसीबी वैध कार्यों को बिना रुकावट करवाने में जनता की पूरी सहायता करेगी।

भारत/अफगानिस्तान : अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे में राहुल, जायसवाल और राणा पर रहेगी नजर

चेन्नई (एजेंसी)। पहले दो मैच में धमाकेदार जीत से उत्साहित भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में क्लीन स्वीप करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी जिसमें केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल के प्रदर्शन पर नजर रहेगी। राहुल की वनडे टीम में जगह को लेकर कभी कोई संदेह नहीं रहा है, लेकिन जायसवाल शीर्ष क्रम में कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए अपनी जगह पक्की करने के लिए बड़ी पारी खेलना चाहेंगे।

जायसवाल ने 2025 के बाद वनडे टीम में वापसी की है लेकिन वह लखनऊ में अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे मैच में केवल चार रन ही बना पाए। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने इससे पहले जो आखिरी वनडे खेला था उसने उन्होंने विशाखापत्तनम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नाबाद 116 रन बनाए थे, लेकिन उसके बाद स्थिति काफी बदल गई है और अब ईशान किशन की वापसी ने शीर्ष क्रम में एक और दावेदार को जोड़ दिया है। किशन ने लखनऊ में शतक लगाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

कप्तान शुभमन गिल ने जायसवाल को जगह देने के लिए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की और शतक जड़ा। लेकिन जब विराट कोहली मांसपेशियों में खिंचाव से उबरने के बाद वापसी करेंगे तो उनका तीसरे नंबर पर खेलना पक्का है। इससे गिल के पास रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता। किशन और श्रेयस अय्यर क्रमशः चौथे और पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में जायसवाल को सीमित अवसरों का पूरा फायदा उठाना होगा।

जायसवाल के लिए इस मैच में बड़ा स्कोर बनाना बेहद जरूरी है क्योंकि इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की वनडे टीम की घोषणा जल्द ही की जाएगी। अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति एक और असफलता को शायद ही बर्दाश्त करेगी। अगर चयनकर्ता सूर्यकुमार यादव को टी20 विश्व कप में टीम को जीत दिलाने के बावजूद टीम से बाहर कर सकते हैं तो अन्य खिलाड़ियों को भी नहीं बख्शा जा सकता है। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि जायसवाल की वनडे में किस्मत उनके हाथ में ही है।

राहुल का मामला बिल्कुल अलग है। लंबे अंतराल के बाद भारतीय टीम में अय्यर की वापसी का मतलब है कि 34 वर्षीय राहुल को अब अधिकतर मौकों पर छठे नंबर पर बल्लेबाजी करनी होगी। राहुल लंबे समय तक पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे थे और उन्होंने इस पोजीशन पर अच्छा प्रदर्शन भी किया है। उन्होंने पांचवें नंबर पर खेलते हुए 38 मैचों में 63.2 के औसत से 1517 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक और 10 अर्धशतक शामिल हैं। इसके विपरीत छठे नंबर पर उन्होंने 15 मैचों में 41.5 की औसत से 332 रन बनाए हैं, जिसमें एक अर्धशतक शामिल है।

BCCI ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) में रिहैबिलिटेशन पूरा करने के बाद इस मैच के लिए हर्षित राणा को टीम में शामिल किया है। यह तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की जगह ले सकता है, जिन्होंने इस श्रृंखला में अभी तक दोनों मैच खेले हैं। इससे भारत को चोटिल नीतीश कुमार रेड्डी की अनुपस्थिति में निचले क्रम में एक उपयोगी बल्लेबाज का विकल्प भी मिलेगा।

इससे टीम प्रबंधन को ब्रिटेन के दौरे से पहले उनकी फॉर्म और फिटनेस का आकलन करने का मौका मिलेगा। जहां तक अफगानिस्तान का सवाल है तो उसने इस

श्रृंखला में एकमात्र टेस्ट मैच और पहले दो वनडे में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं किया है। उसकी टीम हालांकि जीत के साथ श्रृंखला का समापन करने के लिए प्रतिबद्ध होगी। इसके लिए उसे खेल के तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

टीम इस प्रकार हैं

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बराड़, हर्ष दुबे, यशस्वी जायसवाल, हर्षित राणा।

अफगानिस्तान : हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, सेदिकुल्लाह अटल, दरविश रसूली, रहमत शाह, इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), मोहम्मद नबी, अजमतुल्लाह उमरजई, राशिद खान, नांग्याल खारोताई, एएम गजनफर, जिया उर रहमान शरीफी, फरीद मलिक, बिलाल सामी।

ब्रॉड ने अपनी सर्वकालिक टेस्ट एकादश में भारत से केवल विराट को शामिल किया

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने अपने समय के खिलाड़ियों की सर्वकालिक टेस्ट एकादश का चयन किया है। इस टीम में उन्होंने कई बड़े दिग्गजों को शामिल किया है पर इसमें भारत से केवल विराट कोहली को ही शामिल किया गया है। ब्रॉड की इस टीम में दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के चार-चार खिलाड़ी शामिल हैं, वहीं दो श्रीलंकाई खिलाड़ी भी इस सूची का हिस्सा हैं।

ब्रॉड ने अपनी टीम में श्रीलंका के कुमार संगकारा और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ को भी शामिल किया है। संगकारा को ब्रॉड ने उन्हें अपनी टीम में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी सौंपी है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलियाई टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को नंबर तीन पर और विराट कोहली को नंबर चार पर रखा गया है। कोहली का चयन इस एकादश में शामिल होने वाले एकमात्र भारतीय के रूप में अहम है, जो उनकी विश्वस्तरीय बल्लेबाजी दिखाता है।

इस एकादश में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को जगह नहीं मिली है जबकि ब्राड ने अपने खेल के अंतिम दिनों में उनके खिलाफ गेंदबाजी भी की थी। वहीं मध्य क्रम में ऑस्ट्रेलिया के स्टीवन स्मिथ को नंबर पांच पर चुना गया है, जबकि दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज जैक्स कैलिस को नंबर छह पर शामिल किया गया है। कैलिस इस टीम के एकमात्र ऑलराउंडर हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स को नंबर सात पर रखा गया है। डिविलियर्स अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से टीम को मजबूती देते हैं और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त विकेटकीपिंग कवर भी प्रदान करते हैं।

दूसरी ओर गेंदबाजी आक्रमण की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल जॉनसन को इसकी कमान सौंपी गयी है। उनका साथ दक्षिण अफ्रीका के महान तेज गेंदबाज डेल स्टेन देंगे। स्टेन जो अपनी पीढ़ी के सबसे खतरनाक गेंदबाजों में से एक रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई बाएं हाथ के गेंदबाज मिचेल स्टार्क को भी टीम में जगह मिली है। श्रीलंका के स्पिन जादूगर मुथैया मुरलीधरन को टीम का अकेला विशेषज्ञ स्पिनर रखा गया है। मुरलीधरन टेस्ट क्रिकेट इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने हुए हैं।

ब्रॉड की सर्वकालिक टेस्ट एकादश इस प्रकार है:

ग्रीम स्मिथ, कुमार संगकारा (विकेट कीपर), रिकी पोंटिंग, विराट कोहली, स्टीवन स्मिथ, जैक्स कैलिस, एबी डिविलियर्स, मिशेल जॉनसन, डेल स्टेन, मुथैया मुरलीधरन, मिशेल स्टार्क।

महिला टी20 विश्व कप 2026 : वेस्टइंडीज ने रोमांचक मुकाबले में स्कॉटलैंड को सात रनों से हराया

लंदन (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के 12वें मुकाबले में स्कॉटलैंड को सात रनों से हरा दिया। इस रोमांचक मुकाबले में विजेता का फैसला 19वें ओवर में हुआ। स्कॉटलैंड टीम इस मैच में एक समय जीत के करीब थी पर अंत में इंडीज टीम ने बाजी पलट दी। वेस्टइंडीज की टीम इस जीत के साथ ही आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 की अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। वहीं स्कॉटलैंड तीसरे स्थान पर फिसल गयी है।

इस मैच में स्कॉटलैंड ने टॉस जीतकर वेस्टइंडीज को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। वेस्टइंडीज की टीम ने 20 ओवरों में 6 विकेट पर 153 रन बनाये। उसकी पारी की शुरुआत बेहद खराब रही। एक समय आधी टीम 85 रनों पर ही सिमट गयी थी पर इसके बाद नंबर-7 पर उतरीं स्टेफनी टेलर ने तेजी से बल्लेबाजी करते हुए केवल 19 गेंदों में ही 4 चौकों और 3 छक्कों की सहायता से 47 रन बना दिये। इससे टीम 153 रनों तक पहुंच पाई। इसके बाद जीत के लिए मिले 154 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए स्कॉटलैंड की शुरुआत काफी अच्छी रही। पहले विकेट के लिए उन्होंने 51 रन बनाये पर इसके बाद जब विकेट गिरने शुरु हुए तो टीम ने 58 रनों पर ही 4 विकेट खो दिये। 74 के स्कोर पर आधी टीम पवेलियन लौट चुकी थी। सलामी बल्लेबाज डार्सी कार्टर एक छोर पर डटी रहीं और उन्होंने 8 चौकों की सहायता से 59 रनों की अहम पारी खेली, जिससे स्कॉटलैंड की उम्मीदें बंधी रहीं और वह मैच में बनी हुई थी। अब आखिरी ओवर में स्कॉटलैंड को जीत के लिए 17 रन चाहिए थे और उनके पास 2 विकेट बचे थे। वेस्टइंडीज की कियाना जोसेफ ने 20वें ओवर में शानदार गेंदबाजी करते हुए केवल 9 रन दिये और 2 विकेट लिए। इस प्रकार वेस्टइंडीज ने स्कॉटलैंड की पारी को अंतिम गेंद पर 146 रन पर समेट दिया और यह रोमांचक मुकाबला 7 रनों से जीत लिया।

आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारत की नजरें चिली को हराकर फाइनल में जगह बनाने पर

आकलैंड (एजेंसी)। टूर्नामेंट में अब तक शानदार प्रदर्शन कर रही आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय महिला हॉकी टीम निचली रैंकिंग वाली चिली के खिलाफ स्नढ्ढ नेशंस कप सेमीफाइनल में उसी लय को कायम रखना चाहेगी ताकि स्नढ्ढ प्रो लीग में वापसी की ओर अगला कदम रख सके। भारत ने पूल ए में तीनों मैच जीतकर शीर्ष पर रहते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई है।

मेजबान न्यूजीलैंड पूल बी में सारे मैच जीतकर शीर्ष पर रहा और दूसरे सेमीफाइनल में अमेरिका से खेलेगा। भारतीय टीम को अगले सत्र में प्रो लीग में वापसी के लिये नेशंस कप जीतना ही होगा जिससे वह पिछले साल बाहर हो गई थी। पिछले सत्र में 16 मैचों में सिर्फ दस अंक लेने के बाद भारत प्रो लीग में सबसे नीचे रहा और नेशंस कप में खिसक गया था। आठ देशों के एफआईएच नेशंस कप के विजेता को अगले सत्र में प्रो लीग में जगह मिलेगी।

मौजूदा रैंकिंग और फॉर्म को देखते हुए भारत का पलड़ा चिली पर भारी है। विश्व रैंकिंग में भारत नौवे और चिली 13वें स्थान पर है लेकिन आधुनिक हॉकी में रैंकिंग उतना मायने नहीं रखती। सेमीफाइनल से पहले मुख्य कोच शोर्ड मारिन को कुछ पहलुओं पर काम करना होगा। 17वीं रैंकिंग वाली उरूग्वे को हराने के लिये भारत को काफी मशक्कत करनी पड़ी। उरूग्वे ने बढत बना ली थी लेकिन दीपिका ने पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल किए और दीपिका सोरेंग ने फील्ड गोल करके भारत को जीत दिलाई।

ड्रैग फ्लिकर दीपिका शानदार फॉर्म में है और चार गोल कर चुकी है। नवनीत कौर, कप्तान सलीमा टेटे और लालरेम्सियामी भी एक एक गोल कर चुके हैं । भारत के लिये एकमात्र फील्ड गोल दीपिका सोरेंग ने किया है। भारत को अगले मैचों में और फील्ड गोल करने होंगे । इसके लिये फॉरवर्ड पंक्ति को मौके बनाकर फिनिशिंग तक ले जाना होगा।

टी20 में शतक लगाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने डु प्लेसी

टेक्सास ।टेक्सास सुपर किंग्स टीम के कप्तान फाफ डु प्लेसी ने शुरु हुई में मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) 2026 के पहले ही मैच में शानदार शतक लगाकर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है।41 साल के डु प्लेसी अब टी20 क्रिकेट में सबसे अधिक उम्र में शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। डु प्लेसी ने ये शतक सिएटल ऑर्कास के खिलाफ लगाया था।इस मैच में डु प्लेसी की टीम 221 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा कर रही थी।डु प्लेसी ने तेजी से बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 113 रन बनाये।इससे उनकी टीम नौ गेंदें शेष रहते हुए जीत दर्ज करने में सफल रही।इस शानदार पारी के साथ ही वह टी20 क्रिकेट में सबसे अधिक उम्र में शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं।डु प्लेसी की उम्र अभी 41 साल और 340 दिन है।

वेस्टइंडीज से हार के बाद रोने लगी स्कॉटलैंड की डिरसी कार्टर

लंदन ।स्कॉटलैंड को यहां हुए आईसीसी महिला टी20 विश्वकप के एक रोमांचक मुकाबले में वेस्टइंडीज के खिलाफ 7 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। इसमें 154 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए स्कॉटलैंड की टीम अंतिम दो ओवरों में खराब प्रदर्शन के कारण हार गयी।जीत के करीब पहुंचकर मिली हार से स्कॉटलैंड की टीम की एक खिलाड़ी डिरसी कार्टर डगआउट में ही रोने लगी।कार्टर रोने वाला वीडियो ये वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।कार्टर ने इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए 59 रनों की पारी खेली थी पर वह 19वें ओवर की पहली गेंद पर आउट हुईं थी।अगर वह खेलती तो टीम शायद जीत जाती।19वें ओवर की पहली गेंद पर डार्सी कार्टर आउट हुईं तो स्कॉटलैंड की उम्मीदें टूट गयीं।

कनाडा और मेक्सिको फीफा विश्व कप के नॉकआउट चरण में पहुंचे

वैंकूवर/ एस्टाडियो ग्वाडालाजारा (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 के आज खेले गये मुकाबलों में सह-मेजबान मैक्सिको और कनाडा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बड़ी जीत हासिल कर टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में जगह बना ली है। जोनाथन डेविड की हैट्रिक की बदौलत कनाडा ने फीफा विश्वकप 2026 के ग्रुप चरण में कतर पर 6-0 से ऐतिहासिक जीत दर्ज करते टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में प्रवेश किया।

मैच का शुरुआती गोल 16वें मिनट में रिबाउंड पर साइल लारिन ने किया और अपनी टीम को बढ़त दिलाई। यह टूर्नामेंट में उनका दूसरा गोल था। कतर के गोलकीपर महमूद अबुनादा ने डेविड के वॉली शॉट को पंच करके रोक दिया, लेकिन गेंद लारिन के पास गिरी, जिसे उन्होंने गोल में डाल दिया। इसके बाद डेविड ने 29वें मिनट में दाएं पैर से शानदार वॉली मारकर बढ़त को दोगुना कर दिया।

पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में कनाडा ने 3-0 की बढ़त बना ली, जब डेविड ने 48वें मिनट में क्रॉसबार से टकराकर आई गेंद पर गोल दाग दिया। चोटिल कोने के स्थान पर आए नाथन सलीबा ने 64वें मिनट में फ्री किक पर गोल करके स्कोर 4-0 कर दिया। 75वें मिनट में मोहम्मद मनाई ने अपने गोलकीपर को चकमा देते हुए शॉट को आत्मघाती गोल में बदल दिया। डेविड ने स्टॉपेज टाइम में हैट्रिक पूरी की और इस विश्व कप में एक मैच में तीन गोल करने वाले अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी के साथ शामिल हो गए।

इस जीत के साथ कनाडा के अंक बढ़कर चार हो गए हैं और वह गोल अंतर के आधार पर स्विट्ज़रलैंड से आगे है । इस जीत के साथ ही कनाडा का नॉकआउट चरण में स्थान सुनिश्चित कर लिया है। बुधवार को वैंकूवर में स्विट्जरलैंड के खिलाफ होने वाले अपने अंतिम ग्रुप मैच में कनाडा की टीम का दबदबा रहेगा। एक अन्य मैच में मेक्सिको ने दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के राउंड-ऑफ-32 में अपनी जगह पक्की कर ली है। आज यहां खेले गये ग्रुए ए के मुकाबले के शुरुआती चरणों में मेक्सिको का दबदबा रहा, लेकिन बाद में दक्षिण कोरिया ने गेंद को नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया और हाफ टाइम की सीटी बजने तक उसका दबदबा रहा। लेकिन कोरियाई गोलकीपर किम सेउंग-गिम की एक बड़ी गलती का फायदा उठाते हुए मेक्सिको के लुइस रोमो ने मैच के दोबारा शुरू होने के तुरंत बाद एकमात्र गोल दाग दिया। इसी जीत के साथ मेक्सिको अपने में दो मैचों में छह अंक के साथ ग्रुप में शीर्ष पर पहुंच गया है।

एफआईएच प्रो लीग में जर्मनी के हाथों अंतिम क्षणों में 2–1 से हारी भारतीय हॉकी टीम

रॉटरडैम ।भारतीय पुरुष हॉकी टीम को यहां हुए एफआईएच प्रो लीग 2025–26 के एक रोमांचक मुकाबले में 1–2 से हार का सामना करना पड़ा है।भारतीय टीम मैच में अधिकांश समय हावी रही पर अंतिम क्ष्णों में जर्मनी को एक गोल दागने के करण जीत मिल गयी। भारतीय टीम को मैच के 38वें मिनट में जुगराज सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर पर ड्रैग–फ्लिक के जरिए गोल कर 1–0 की बढ़त दिलाई।भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत से ही हमले शुरु कर दिये थे।जिससे जर्मनी दबाव में आ गयी।वहीं भारतीय रक्षापंक्त ने जर्मन के जवाबी हमलों को नाकाम कर दिया।दूसरे क्वार्टर में, भारतीय टीम ने अपनी तेजी और बढ़ा दी हालांकि वह अवसरों को गोल में नहीं बदल पायी।तीसरे क्वार्टर के अंत तक, भारतीय टीम ने अपनी बढ़त बनाए रखी। जर्मनी को इस दौरान कुछ पेनल्टी कॉर्नर भी मिले, लेकिन भारतीय गोलकीपर ने उन्हें विफल कर दिया।इससे मैच में भारतीय टीम की 1–0 की बढ़त बरकरार रही। वहीं चौथे और अंतिम क्वार्टर में भारतीय टीम ने कई हमले किये जिससे उसे बढ़त को दोगुना करने के अवसर मिले।पर टीम इसका लाभ नहीं उठा पायी।वहीं जस्टस वीगैंड ने जर्मनी की ओर से पहला गोल कर मुकाबला 1–1 से बराबर कर दिया।खेल के अंतिम पलों में मैच ड्रॉ होता दिख रहा था तभी जर्मनी को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला।इसका जिसे गोल में बदलन में जैकब ब्रिला ने कोई गलती नहीं की।इस प्रकार 60वें मिनट में किये इस निर्णायक गोल से जर्मनी की 2–1 से जीत तय हो गयी।अब भारतीय टीम अपने अगले मुकाबले में रविवार को मेजबान नीदरलैंड्स का सामना करेगी।

फीफा विश्वकप: रोनाल्डो का साथ नहीं दे रहा फुटबॉल

स्पोर्ट्स डेस्क। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के लिए सबसे बुरा एहसास यह नहीं था कि उन्होंने उस टीम के खिलाफ गोल नहीं किया जिसने उनके जन्म से पहले आखिरी बार वर्ल्ड कप खेला था; या यह कि उनके दो प्रयास कमजोर और दिशाहीन थे; या यह कि वे टीम पर बोझ लग रहे थे। असल में फुटबॉल का उनसे प्यार खत्म होता नजर आ रहा है, गेंद उनसे दूर भाग रही है, नजरों से बच रही है और बिना कोई प्रतिक्रिया दिए वापस लौट जाती थी।

बुधवार को ह्यूस्टन में पुर्तगाल का मैच छ्रक्र कांगो के साथ 1-1 से ड्रॉ रहा जिसका नतीजा रोनाल्डो के खराब प्रदर्शन जैसा ही फीका था। 41 साल की उम्र में जब टीम में कई बेहतरीन अटैकिंग खिलाड़ी हों, तो हर खराब प्रदर्शन पर सवाल उठते हैं। हर खराब दिन के साथ, ऐसा लगता है कि वे अपने करियर के अंत के करीब पहुंच रहे हैं। उम्र और कम होती फुर्ती के बावजूद रोनाल्डो में अभी भी गेंद को सही जगह हिट करने और उसे अपनी मर्जी से कहीं भी ले जाने की काबिलियत है। लेकिन कांगो के खिलाफ, वे ऐसा नहीं कर पाए।

68वें मिनट में फ्रांसिस्को कॉन्सेकाओ ने रोनाल्डो की तरफ एक 'कट-बैक' पास दिया, जो उनसे थोड़ा पीछे था। हो सकता है कि यह उनकी पसंद की जगह से एक गज दूर रहा हो, लेकिन अपने बेहतरीन दिनों में वे अपने शरीर को सही ढंग से मोड़कर सबसे अच्छी पोजीशन बना लेते थे। अगर ऐसा नहीं भी होता, तो भी वे हमेशा अपने शानदार बूट से गेंद को सही जगह मार देते थे। यहां, उन्होंने शॉट मारा जो 'नियर पोस्ट' से काफी दूर चला गया। उन्होंने गुस्से में मुंह बनाया, यह सोचते हुए कि उनका 'टच' (गेंद पर नियंत्रण) कैसे उनका साथ छोड़ गया।

सबसे बुरी बात यह नहीं थी कि उनका प्रयास खराब था, बल्कि यह थी कि उन्होंने ब्रूनो फर्नांडीस के पैरों के पास से गेंद छीन ली थी। मैनचेस्टर यूनाइटेड का मिडफील्डर उनके बगल में था, जिसके पास ज्यादा जगह और बेहतर एंगल था। लेकिन रोनाल्डो की फितरत गोल करने में मदद करने की नहीं, बल्कि खुद गोल करने की है। जब 'टच' साथ छोड़ देता है, तो सहज समझ (instincts) भी धोखा दे जाती है। यह पहली बार नहीं था जब उन्होंने फर्नांडीस की जगह में दखल दिया हो।

कोचिंग स्टाफ को इस लगातार हो रही गड़बड़ी का समाधान ढूंढना होगा। छह मिनट बाद उनके खेल में आती गिरावट का एक और पक्का सबूत मिला। कॉन्सेकाओ ने एक और बेहतर कट-बैक दिया, लेकिन रोनाल्डो ने उसे गलत तरीके से मारा और गेंद दूर चली गई। शॉट जल्दबाजी में और बिना ताकत के था, शायद एक्सल तुआनज़ेबे के चैलेंज की वजह से ऐसा हुआ। लेकिन ये ऐसे पल थे जिन्होंने उन्हें शायद ही कभी परेशान किया हो। वे पैरों के बीच से भी गोल कर सकते थे, शर्ट खींचने वालों और चालाकी से गेंद छीनने वालों से बेपरवाह होकर, उन्हें ताकत और चतुराई से पछाड़ देते थे। यहां, वे परेशान थे, शक से घिरे हुए थे।

विरोधाभास

एक अजीब विरोधाभास है। एक ऐसा व्यक्ति जिसका करियर अटूट आत्मविश्वास पर बना था, अब खुद पर ही शक करने लगा है। शायद यही उनकी परेशानी की जड़ है - खुद पर इतना पक्का भरोसा कि वे अपनी कमजोर होती काबिलियत की सच्चाई को देख ही नहीं पा रहे हैं। रोनाल्डो अब वो नहीं रहे जो वे खुद को समझते हैं।

वे अभी भी अद्भुत रूप से फिट हैं, और उनमें वर्ल्ड चैंपियन बनने का जबरदस्त जुनून है - एक ऐसा खिताब जो उन्होंने कभी नहीं जीता। लेकिन वे उस महान खिलाड़ी का मजाक बना रहे हैं जो वे कभी हुआ करते थे। वे एक हेवी मेटल बैंड के बूढ़े लीड सिंगर की तरह हैं जो अपने अतीत की भारी-भरकम शान में जी रहे हैं और उन्हें पता ही नहीं कि उनकी आवाज अब लड़खड़ा रही है।

जब वे गोल नहीं कर पाते, तो वे टीम के लिए बोझ बन जाते हैं - वे न तो क्रिएटिव काम में शामिल होते हैं और न ही डिफेंस में, उनका प्रभाव का दायरा सीमित हो जाता है। कुछ आंकड़े उनके खराब खेल को दिखाते हैं। उन्होंने 90 मिनट में सिर्फ 20 पास दिए, जो खेल में तेरहवें नंबर पर थे। डिफेंस में उनका योगदान सिर्फ एक था। आगे बढ़ने वाले एक्शन सिर्फ दो थे। वे कभी-कभी लिंक-अप प्ले के लिए पीछे आते थे लेकिन अपने साथियों की रफ़्तार का मुकाबला नहीं कर पाते थे। उनकी सुस्ती पूरी टीम की रफ़्तार धीमी कर रही है, जिसमें बेहतरीन अटैकर और मिडफील्ड कंडक्टर शामिल हैं।

इसके अलावा, वे कांगो की हाई लाइन के आगे घात लगाकर बैठे रहते थे, फिर अंदर आकर गेंद लेने के लिए पीछे हटते थे, और लाइन के पीछे खेले जाने वाले क्रॉस का इंतजार करते थे। उनके

साथियों ने बहुत कोशिश की, लेकिन कोई भी उनके साथ तालमेल नहीं बिठा पाया। वे फेरारी के बीच फंसी एक पुरानी मॉरिस माइनर कार की तरह थे।

मेसी से तुलना

लियोनेल मेसी से तुलना तो होगी ही। मेसी रोनाल्डो से धीमे हैं, लेकिन वे ज़्यादा मौके बनाते हैं; उनकी जगह की समझ (स्पेशल अवेयरनेस) बेहतर है, उनके पास (गेंद दूसरे को देना) डिफेंस को भेदने वाले होते हैं, और जब उनके पैरों में ज़्यादा जान नहीं बचती, तब भी उनकी चाल-ढाल डिफेंडरों को अपनी जगह से हटने पर मजबूर कर देती है। मेसी के आस-पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो उम्र के साथ आई कमियों की भरपाई कर देते हैं। रोनाल्डो के आस-पास बेहतरीन टेक्नीशियन हैं, लेकिन वे उन चीजों की भरपाई नहीं कर सकते जो रोनाल्डो अब नहीं दे पाते। यही पुर्तगाल की बड़ी उलझन है। बेशक, रोनाल्डो अकेले ऐसे पुर्तगाली फुटबॉलर नहीं थे जिनका दिन बहुत खराब रहा, लेकिन टीम की मुश्किलों में उनकी भूमिका अहम थी।

पुर्तगाल के लिए खिताब की मजबूत दावेदारी पेश करने के लिए रोनाल्डो वाली पहेली को सुलझाना होगा। कड़े फैसले लेने होंगे कि उन्हें सब्स्टीट्यूट के तौर पर इस्तेमाल किया जाए या बुधवार को रॉबर्टो मार्टिनेज ने जितनी देर से उन्हें बदला था, उससे पहले ही बदल दिया जाए। मैनेजर ने उनका बचाव किया, जैसा कि वे अपने कार्यकाल के दौरान हमेशा करते आए हैं। उन्होंने कहा, 'हम क्रिस्टियानो के साथ उनकी उम्र के हिसाब से नहीं, बल्कि उनके लक्षणों और उन्हें कैसा महसूस हो रहा है, उसके हिसाब से व्यवहार करते हैं।' हालाँकि, असल स्थिति कुछ और ही कहती है। ऐसा लगता है जैसे फुटबॉल का उनसे मोहभंग हो गया है। फुटबॉल के ऐसा करने से पहले ही पुर्तगाल को इसका कोई समाधान ढूंढ लेना चाहिए।

डब्ल्यूटीसी में 6,500 रन पूरे करने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज बने रुट

लंदन ।इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां दूसरे किकेट टेस्ट क्रिकेट में अपनी 46 रनों की पारी के दौरान ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर लिया।रुट अपनी इस पारी के साथ ही आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) इतिहास में 6,500 रन पूरे करने वाले विश्व के पहले और एकमात्र बल्लेबाज बन गए हैं।इससे पता चलता है कि टेस्ट में रुट के प्रदर्शन में कितनी निरंतरता है।उनकी करीब कोई भी अन्य बल्लेबाज नहीं है।दूसरे स्थान पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ के नाम 4,564 रन हैं।रूट ने अपने 76वें डब्ल्यूटीसी मैच की 139वीं पारी में यह उपलब्धि हासिल की है।गौरतलब है कि डब्ल्यूटीसी इतिहास में उनके नाम सबसे अधिक 23 शतक दर्ज हैं, जबकि दूसरे नंबर पर मौजूद स्टीव स्मिथ के नाम 14 शतक हैं।रूट ने इस दौरान 51 से अधिक की शानदार औसत से रन बनाए हैं, जिसमें 22 अर्धशतक और 262 रन का अधिकत स्कोर भी शामिल है। रूट मौजूदा डब्ल्यूटीसी साइकल (चैंपियनशिप चक्र) में भी सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बनकर उभरे हैं।उन्होंने इस मामले में भारतीय कप्तान शुभमन गिल को पीछे छोड़ दिया है, जिन्होंने महज 8 मैचों में 79.16 की बेमिसाल औसत से 950 रन बनाए हैं।इस चक्र में रूट और गिल दोनों के नाम संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा 5–5 शतक दर्ज हैं।रुट की निरंतरता जबरदसत है।वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के पहले सीजन से ही जमकर रन बना रहे हैं। 2023–25 चक्र में 22 टेस्ट मैचों में 54.66 की औसत से 1,968 रन बनाकर वह शीर्ष स्कोरर रहे थे।

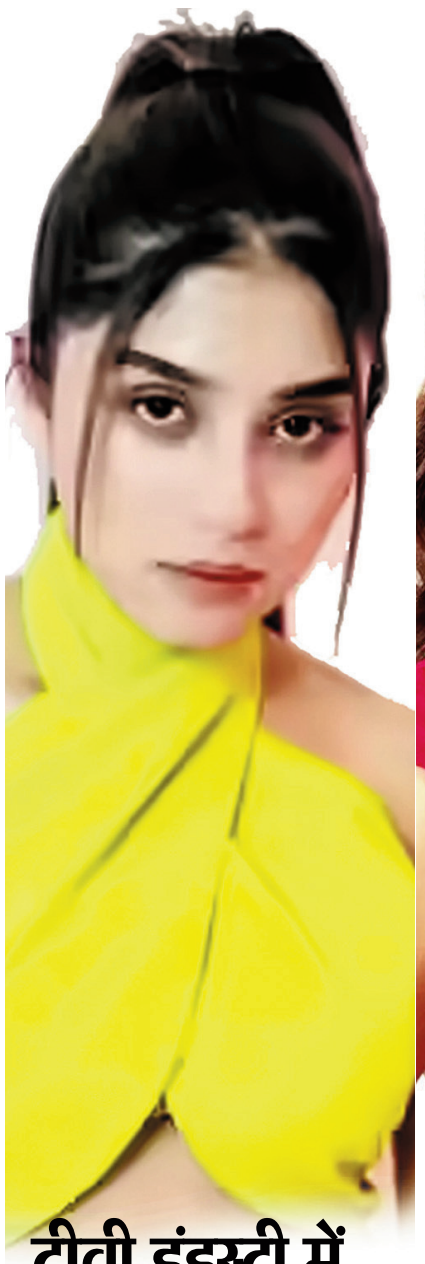

टीवी इंडस्ट्री में सफलता रातोंरात नहीं मिलती

टीवी इंडस्ट्री की चमक-दमक के पीछे की सच्चाई को लेकर अभिनेत्री अद्रिजा रॉय ने अपने विचार रखे। इंटरव्यू के दौरान उन्होंने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस इंडस्ट्री में टिके रहना आसान नहीं है, इसके लिए धैर्य, मेहनत और लगातार सुधार की जरूरत होती है। अद्रिजा रॉय ने कहा, ''टीवी इंडस्ट्री में काम की गति बहुत तेज होती है। कई बार ऐसा होता है कि आज किसी एपिसोड की शूटिंग होती है और वह अगले ही दिन या बहुत कम समय में टीवी पर प्रसारित हो जाता है। इस तेज रफ्तार में कलाकारों को हर समय तैयार रहना पड़ता है और अपने किरदार को पूरी एनर्जी के साथ निभाना होता है। हर कॉल टाइम पर, हर शूटिंग शेड्यूल में बहुत बड़ी प्रोडक्शन टीम काम करती है, और कलाकार को इन सबके बीच संतुलन बनाए रखना होता है। ऐसे माहौल में शांत और फोकस्ड रहना बहुत जरूरी है, क्योंकि जल्दबाजी में किया गया काम कई बार असर को कम कर सकता है।'' उन्होंने कहा, ''टीवी इंडस्ट्री में सफलता तुरंत नहीं मिलती। कई लोग सोचते हैं कि एक अच्छा सीन या एक अच्छा प्रदर्शन उन्हें रातोंरात पहचान दिला देगा, लेकिन वास्तविकता अलग है। टीवी में नाम कमाने के लिए लगातार समय देना पड़ता है। एक-दो अच्छे सीन से लोकप्रियता मिल सकती है, लेकिन स्थायी सफलता की चाबी को लगातार मेहनत और धैर्य ही है। सोशल मीडिया पर भले ही कोई कलाकार जल्दी वायरल हो जाए, लेकिन टीवी इंडस्ट्री में पहचान धीरे-धीरे बनती है और समय के साथ मजबूत होती है।''
अद्रिजा रॉय ने लोकप्रियता और सफलता के बीच फर्क को समझाते हुए कहा, ''लोकप्रियता अक्सर अस्थायी होती है, जो किसी वायरल सीन, चर्चा या सोशल मीडिया ट्रेंड से जल्दी मिल सकती है।

यहां तक पहुंचने के लिए मैंने जिंदगी भर मेहनत की

अभिनेत्री और बेहतरीन डांसर नोरा फतेही ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया। उनका परफॉर्मेंस वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। हर कोई इसकी तारीफ कर रहा है। हाल ही में उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस के बारे में बात की और शकीरा, बर्ना बॉय, केटी पेरी जैसे बड़े स्टार्स के साथ लाइन-अप का हिस्सा बनने पर भी चर्चा की।

सीर-सीर सुनकर हैरान हुई नोरा

ओपनिंग सेरेमनी में अपने गाने 'सीर सीर' पर परफॉर्म करने के बारे में बात करते हुए नोरा ने बताया, 'इस अनुभव ने निश्चित रूप से एक आर्टिस्ट के तौर पर मुझे बेहतर बनाया है। यह एक सफर बेहतरीन रहा। जब मैं जनवरी में मोरक्को में ्स्र्ष्टह्ह मैच देख रही थी, तो मैंने हर गेम के दौरान स्टेडियम में लगभग 70,000 फैंस को 'सीर सीर' के नारे लगाते सुना और मैं हैरान रह गई। उस एनर्जी ने मुझे प्रोड्यूसर संजॉय से संपर्क करने और उनसे इस नारे का इस्तेमाल करके वर्ल्ड कप एंथम बनाने के लिए कहने के लिए प्रेरित किया।'

नोरा ने की पूरी जिंदगी मेहनत

इसके अलावा, दूसरे इंटरनेशनल स्टार्स के साथ लाइन-अप में शामिल होने के बारे में बात करते हुए बॉलीवुड एक्ट्रेस ने कहा, 'इतने बड़े मेनस्ट्रीम लाइन-अप का हिस्सा बनना बहुत रोमांचक रहा है! मैं टोरंटो में ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया, जबकि शकीरा और बर्ना बॉय ने मैक्सिको में ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया। मैंने इस लेवल तक पहुंचने और ऐसे स्टार्स के साथ मौके शेयर करने के लिए पूरी जिंदगी मेहनत की है।'

संगीत कितना ताकतवर है?

उन्होंने आगे कहा, 'ऐसे प्लेटफॉर्म का हिस्सा बनना जो अलग-अलग कल्चर और स्टाइल को एक साथ लाता है, मुझे याद दिलाता है कि ग्लोबल कनेक्शन बनाने में संगीत कितना ताकतवर हो सकता है। चाहे शकीरा हों, बर्ना बॉय हों या कोई भी आर्टिस्ट जिसका विजन क्रिएटिव रूप से मेल खाता हो वह अच्छा कर सकते हैं। मुझे लगता है कि जादू तब होता है जब अलग-अलग दुनियाएं एक साथ आती हैं और कुछ ऐसा बनाती हैं जिसकी उम्मीद न हो।

'सीर सीर' को मिला अच्छा रिस्पॉन्स

आपको बता दें कि नोरा का गाना 'सीर सीर' कुछ दिन पहले रिलीज हुआ था और इसे बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। अब तक इस ट्रैक को यूट्यूब पर 43 मिलियन से ड्यादा बार देखा जा चुका है।

जेआरडी टाटा का किरदार निभाना सिर्फ एक अभिनय नहीं, बल्कि बड़ी जिम्मेदारी

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर बायोपिक का चलन तेजी से बढ़ा है। ऐसी ही एक सीरीज 'मेड इन इंडिया: ए टाइटन स्टोरी' में भारत के जाने-माने उद्योगपति जेआरडी टाटा के जीवन को दिखाया गया है। इस सीरीज में अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने जेआरडी टाटा का किरदार निभाया है, जिसे दर्शकों और समीक्षकों से काफी सराहना मिल रही है। इस अनुभव को लेकर नसीरुद्दीन शाह ने बताया कि यह किरदार उनके लिए सिर्फ एक अभिनय नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी भी थी। नसीरुद्दीन शाह ने कहा, ''जेआरडी टाटा एक ऐसे व्यक्तित्व थे जिनकी सबसे बड़ी खासियत उनका संयम और सादगी थी। वह हमेशा बहुत शांत और संतुलित तरीके से रहते थे। यही बात मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित करती है कि इतने बड़े उद्योगपति होने के बावजूद उन्होंने कभी अपने व्यक्तित्व को प्रचार का हिस्सा नहीं बनने दिया।'' अभिनेता ने आगे कहा, ''जेआरडी टाटा को समझना और उन्हें पर्दे पर निभाना मेरे लिए आसान काम नहीं था। अपने लंबे करियर में मैंने कई तरह के किरदार निभाए हैं, लेकिन यह भूमिका बेहद खास और जिम्मेदारी भरी थी, क्योंकि वह भारत के इतिहास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, इसलिए इस भूमिका को निभाते समय मैंने काफी ध्यान और गंभीरता से काम किया।'' नसीरुद्दीन शाह ने कहा, ''मुझे खुशी है कि मैं इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन पाया हूं। इसके लिए मुझे एक ऐसे इंसान को समझने का अवसर मिला, जिनकी सोच और व्यक्तित्व आज भी लोगों के लिए प्रेरणा हैं। ऐसे किरदार कलाकार को भीतर से बदल देते हैं, क्योंकि इसमें सिर्फ अभिनय नहीं बल्कि गहराई से समझने की जरूरत होती है।'' उन्होंने को-स्टार जिम सर्भ की तारीफ करते हुए कहा, ''उनकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि वे सामने वाले कलाकार को ध्यान से सुनते हैं। यह गुण बहुत कम कलाकारों में देखने को मिलता है, लेकिन अभिनय में यह बेहद जरूरी होता है। जब कोई अभिनेता अपने साथी कलाकार की बात और भाव को समझता है, तभी सीन अधिक प्रभावशाली बनता है।''
नसीरुद्दीन शाह ने आगे कहा, ''जिम सर्भ थिएटर से आते हैं और इसी वजह से उनकी अभिनय शैली में गहराई और गंभीरता दिखाई देती है। थिएटर का अनुभव कलाकार को अनुशासन और समझ देता है, जो कैमरे के सामने बहुत काम आता है। खासकर जब कहानी जटिल और भावनात्मक हो तो ऐसे कलाकार पूरी कहानी को जीवंत बना देते हैं।'' 'मेड इन इंडिया: ए टाइटन स्टोरी' सीरीज अमेजन एमएक्स प्लेयर पर उपलब्ध है।

फिल्म प्रहार- द उज्जवल निकम स्टोरी के लिए राजकुमार राव ने फिल्म के लिए बढ़ाया वजन

मैडॉक फिल्म्स की एक और फिल्म का एलान हो गया है। राजकुमार राव इसमें लीड रोल में हैं। हम फिल्म 'प्रहार- द उज्वल निकम स्टोरी' की बात कर रहे हैं। दिनेश विजन ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। फिल्म प्रहार- द उज्जवल निकम स्टोरी' इस साल अगस्त में रिलीज होगी। ट्रेड विश्लेषक तरण आदर्श ने आज एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने लिखा है, 'दिनेश विजन और राजकुमार राव एक बार फिर साथ आ रहे हैं। फिल्म 'प्रहार - द उज्वल निकम स्टोरी' की रिलीज डेट की घोषणा कर दी गई है। मैडॉक फिल्म की 'प्रहार' में राजकुमार राव के अलावा वामिका गब्बी, सिकंदर खेर और जयदीप अहलावत जैसे सितारे भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

स्मिता बंसल ने 'द पिरामिड स्कीम' को बताया अपना परफेक्ट ओटीटी डेब्यू

'बालिका वधू' फेम अभिनेत्री स्मिता बंसल करियर में एक नया मुकाम हासिल कर बेहद उत्साहित हैं। टीवी इंडस्ट्री में सफल रहीं स्मिता टीवीएफ की हालिया रिलीज वेब सीरीज 'द पिरामिड स्कीम' से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू कर चुकी हैं। स्मिता ने इस प्रोजेक्ट को अपना परफेक्ट ओटीटी डेब्यू बताया है। सीरीज में स्मिता बंसल प्रमिला सिंह के किरदार में नजर आईं।

यह सीरीज आम लोगों के मल्टी-लेवल मार्केटिंग और पिरामिड स्कीम की दुनिया में फंसने की कहानी है। यह महत्वाकांक्षा, तेजी से सफलता पाने की चाहत और इसके लिए लोग जो फैसले लेते हैं, उन विषयों पर आधारित है। स्मिता बंसल ने बताया, ''द पिरामिड स्कीम' ने मुझे इसलिए आकर्षित किया क्योंकि इसमें टीवीएफ के प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का मौका मिला। मैं सालों से टीवीएफ से जुड़ी हूं और इसके काम देख रही हूं और उन्हें बहुत पसंद करती हूं। वे ऐसी कहानियां बनाते हैं जो लोगों से जुड़ती हैं और हर उम्र के दर्शकों को पसंद आती हैं।' स्मिता ने बताया कि सीरीज की कहानी ने भी तुरंत प्रभावित किया। इसकी सोच बिल्कुल नई और रोमांचक लगी। यह आज के समय के बहुत जरूरी मुद्दों पर बात करती है, जैसे महत्वाकांक्षा, जल्दी सफल होने की चाह और उसके लिए किए जाने वाले फैसले। शो का किरदार, लेखन और पूरा विजन एकदम नया लगा।' अभिनेत्री ने कहा कि एक एक्टर के रूप में वे हमेशा ऐसे प्रोजेक्ट्स की तलाश में रहती हैं जो उन्हें अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में मदद करे। 'द पिरामिड स्कीम' में प्रमिला सिंह का रोल उन्हें ठीक वैसा ही मौका देता है। सीरीज श्रेयांश पांडे द्वारा बनाई गई है और 'द वायरल फीवर' (टीवीएफ) द्वारा प्रस्तुत की गई है। इसका निर्देशन आशीष आर. शुक्ला और श्रेयांश पांडे ने किया है। 'द पिरामिड स्कीम' 5 जून को प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुकी है और काफी पसंद की जा रही है।

सच्चा प्यार कभी प्रैक्टिकल नहीं हो सकता

जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' से ओटीटी और आलिया भट्ट संग फिल्म 'जिगरा' से बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाले युवा कलाकार वेदांग रैना अब इम्तियाज अली की पीरियड लव स्टोरी 'मैं वापस आऊंगा' में अहम भूमिका में नजर आएंगे। खास बात यह है कि वेदांग अपनी हर फिल्म में अदाकारी के साथ-साथ गायिकी का हुनर भी दिखा रहे हैं। इस फिल्म में तो एआर रहमान जैसे दिग्गज कंपोजर के लिए मसकारा जैसे रूहानी गीत को आवाज देना वेदांग सपना सच होने जैसा मानते हैं।

रहमान सर के लिए गाने पर यकीन नहीं हुआ

अपनी गायिकी के इस सफर और एआर रहमान के लिए गाने को लेकर वह कहते हैं, 'मुझे पता नहीं ये कैसे हो रहा है, क्योंकि मैंने कभी किसी डायरेक्टर को खुद ये बात नहीं बताई है कि मैं गाना गाता हूं। यह सब बस हो गया। जोया (अख्तर) के साथ भी ये अचानक हुआ था कि मैंने आर्चीज में एक छोटे सा हिस्सा गाया था। फिर वासन बाला सर की भी एक सोच थी तो जिगरा में भी गाने का मौका मिला और अब रहमान सर के लिए गाना तो किसी भी कलाकार के लिए सपना सच होने जैसा है। मुझे ये मौका मिलना बहुत बड़ी बात है, जबकि मैं हिंदुस्तानी क्लासिकल में ट्रेंड सिंगर भी नहीं हूं। हालांकि, मैंने अपनी जिंदगी में स्टेज पर बहुत गाया, बहुत परफॉर्म किया है तो यह अनुभव वहीं से आता है। फिर भी ऐसा मौका मिलने की तो मैं सोच भी नहीं सकता था। मुझे कभी-कभी इम्पोस्टर सिंड्रोम (खुद की प्रतिभा पर शक) होता था और लगता था कि मैं ये मौका डिजर्व नहीं करता।'
फिल्म में 1947 से पहले का दौर और मोहब्बत है, ऐसे में उस दौर को जीते हुए क्या वेदांग को कोई ऐसी चीज लगी कि काश वो आज के तेज रफ्तार दौर में भी होती? इस पर उनका कहना है, 'उस वक्त का प्यार करने का तरीका। मतलब अहसास तो अब भी वही है लेकिन अब रिश्ते या प्यार के दायरे थोड़े बदल गए हैं। जैसे अभी हम मेसेज करते हैं, तब चिट्ठियां लिखते थे। तब लोग अनकही बातों में, इशारों में मन के भाव समझते थे, वैसा वाला प्यार अब थोड़ा मिसिंग है तो अगर हम उसे वापस ला सकें तो अच्छा होगा।' क्या द्ददृ' पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करने वाले वेदांग मानते हैं कि अब प्यार प्रैक्टिकल हो चुका है? इस पर वह दो टूक कहते हैं, 'सच्चा प्यार प्रैक्टिकल हो ही नहीं सकता। प्यार एक अहसास है, जो हर दौर में एक सा ही होता है, बस अब उस अहसास के इर्द गिर्द चीजें बदल गई हैं।'

कश्मीर लौटने का मन करता है

मैं वापस आऊंगा की तर्ज पर क्या कोई ऐसी जगह या वक्त हैं जहां वेदांग लौटना चाहेंगे? इस बारे में उन्होंने बताया, 'मेरे लिए कश्मीर वह जगह है। मैं कश्मीरी हूं, मेरे माता-पिता कश्मीरी हैं और मैं अपनी जिंदगी में कश्मीर काफी देर से गया। मैं 22 या 23 साल का था और वहां जाकर मुझे एक अलग सा नॉस्टैल्जिया महसूस हुआ। जब मैं श्रीनगर गया तो वहां मेरे साथ पापा- मम्मी और मौसी थी। वे ऐसे बता रहे थे कि यहां पर डल झील था। हम जब यहां अपने नाना-नानी के घर आते थे तो यहां खेलते थे। यहां पर चाय की दुकान होती थी और मैं यकीन ही नहीं कर पाया था कि किसी का बचपन डल झील के किनारे बीता होगा। मुझे वो सब परियों की कहानी जैसा लग रहा था। मुझे उस जगह से,एक नॉस्टैल्जिया महसूस हो रहा था, जहां मैं पहले कभी नहीं गया, शायद कोई पहले का कनेक्शन होगा तो वहां जाने का मेरा बहुत मन करता है।'

नर्वस था, पर आलिया ने खुले दिल से अपनाया

वेदांग ने हमसे जिगरा में आलिया भट्ट संग काम करने का अनुभव भी साझा किया। बकौल वेदांग, 'वह मेरी दूसरी फिल्म थी और मैं बहुत नर्वस था कि मैं आलिया भट्ट के साथ स्क्रीन शेयर कर रहा हूं। पहली ही फिल्म के बाद मैं एक बिल्कुल अलग माहौल में था, लेकिन आलिया ने मेरी ओर जितनी गर्मजोशी दिखाई, जितनी खुले दिल से मुझे अपनाया और सहज कराया, वह अहसास मुझे हमेशा रहेगा। उसके लिए मैं उनको हमेशा याद रखूंगा। वह हमारी बहुत ही प्यारी दोस्त बनी। वह हमेशा मेरी शुभचिंतक हैं, जिसके लिए मैं हमेशा उनको याद रखूंगा।'

बच्चों के साथ बिताएं अपना वीकएंड

हम आपके लिए कुछ फन एक्टिविटीज लेकर आए हैं जो आपको बीकएंड में अपने बच्चों के साथ करने में बेहद मजा आएंगा और साथ ही आप अपने बच्चों के साथ ज्यादा समय भी व्यतीत कर पाएंगे। वीकएंड्स पर बच्चों को संभालना बेहद मुश्किल हो जाता है। ऐसे में वे बोर होने लगते हैं और घर में हुड़दंग मचाना शुरू कर देंते हैं। ...तो क्यों न वीकएंड के लिए आप पहले से ही कुछ फन एक्टिविटीज प्लॉन करके रखें जिसे करने में आपको भी मजा आए और आपके बच्चों को भी।

पेपर प्लेट मास्क-घर पर रखे पेपर प्लेट्स निकालें और साथ ही बच्चों की कैंची भी। बच्चें को उनके पेंट और ब्रश के साथ बिठाएं और देखें की वे अपनी इमेजिनेशन से क्या पेंट करते हैं इन पेपर प्लेट्स पर। पेपर प्लेट्स से फेस मास्क बनाना मजेदार होता है। आप खाली जूस के बॉटल्स और अन्य बॉक्सेसज भी कई चीजे बना सकते हैं।

गाडर्निंग- इससे आपके बच्चों में प्रकृती के प्रति लगाव बढ़ेगा। अपने बच्चों को पेड़ लगाना, बीज बोना सिखाएं। यह न केवल उनके लिए एक लर्निंग एक्सपीरियंस होगा बल्कि वे नेचर के प्रति जिम्मेदार भी बनेंगे।

पिगी बैंक बनाएं- उसे सेविंग करना सिखाएं। घर पर पड़े बड़े बॉक्सेज और जार लेकर आएं और उन्हें इसे अपने मनपसंद तरीके से सजाने को कहें फिर ईनाम के रूप में इन बॉस या जार में कुछ सिक्के डाल दें।

स्टिक पपेट- आइसक्रीम स्टिक्स पर बच्चों को बर्ड्स या एनिमल ड्रॉ करने को कहें और फिर इनका इस्तेमाल बुकमार्क के रूप में भी कर सकते हैं।

वेजिटेबल ड्रॉइंग- भिंडी, प्याज और अन्य सब्जियों के छोटे टुकड़े काटें। इन टुकड़ों को आप अपने बच्चों को पकड़ा दें और फिर उन्हें पेंट कलर्स में डिप करके ड्रॉइंग बनाने को कहें। इससे उन्हें ड्रॉइंग के नए तरीके सीखने को मिलेगा और समय का सही उपयोग भी होगा।

मानसून में ऐसे करें आई केयर

बारिश में आंखों का ख्याल रखना बेहद जरूरी होता है। कई बार बारिश के मौसम में आंखों में सूजन, जलन, लाली आदि की समस्या पैदा हो जाती है। इन समस्याओं से बचने के लिए इन बातों का खासतौर पर ध्यान रखें।

गंदे हाथ

गंदे हाथों से आंखों को न छुएं।

ठंडे पानी का इस्तेमाल

आंखों को ठंडे पानी से धोएं।

साबुन से हाथ धोएं

घर में अगर कोई कन्जक्टिवाइटस से पीडित है तो उसकी आंखों में दवा डालने के बाद साबुन से हाथ जरूर धोएं।

ज्यादा परेशानी होने पर विशेषज्ञ से मिलें

आंखों में लाली, खुजली व जलन मानसून से जुड़ी परेशानी है जो ज्यादा किताब पढ़ने, कम्प्यूटर पर घंटों काम करने व ज्यादा टेलीविजन देखने से होती है। यदि ऐसी परेशानी हो तो विशेषज्ञ से मिलें।

आंखों को पोंछने वाले कपड़े को शेयर न करें

अपना तौलिया, रूमाल आदि दूसरों के साथ शेयर न करें।

कॉन्टेक्ट लेंस का प्रयोग नहीं

किसी भी संक्रमण के दौरान कॉन्टेक्ट लेंस का प्रयोग न करें।

मेकअप से दूर रहें

बाहर जाते वक्त चश्मा लगाएं। दिक्कत होने पर आंखों को रगडें नहीं। किसी भी प्रकार का संक्रमण होने पर आंखों का मेकअप न करें।

बिलनी

आंखों का बैक्टीरियल संक्रमण है जो ज्यादातर बारिश के मौसम में होता है। इसमें आंखों की पुतली में पीड़ादायक गठान हो जाती है जो कुछ समय बाद दवा से ठीक हो जाती है।

घरेलू उपायों से निखारें अपनी रंगत

दमकता गोरापन पाने के लिए महिलाएं बहुत से उपाय करती हैं। बाजार में भी गोरा बनाने के लिए ढेरों प्रोडेक्ट उपलब्ध हैं। जिन्हें खरीदने के लिए महिलाएं पानी की तरह पैसा बहाती हैं, लेकिन क्या आप जानती हैं कि कुछ घरेलू तरीके अपनाकर भी आप पा सकती है निखरी त्वचा-

नींबू

नींबू के रस को गुलाब जल के साथ मिलाकर चेहरे पर लगाएं। इससे चेहरे में निखार आएगा। अगर आपके हाथ काले हैं तो सोते वक्त हाथों पर नींबू रगड़े। एक हफ्ते में ही आपको फर्क महसूस होने लगेगा।

शहद

शहद में कच्चा दूध मिलाकर लगाने से चेहरा खुबसूरत और कोमल हो जाता है। इससे फटी हुई स्किन भी सही हो जाती है।

संतरा

संतरे के छिलकों को सुखा लें। फिर उन्हें मिक्सी में पीसकर पाउडर बना लें। इस पाउडर में गुलाब जल, कच्चा दूध और नींबू का रस मिलाकर इसे चेहरे और गर्दन पर लगाएं। इससे आपकी त्वचा गोरी होने लगेगी।

टमाटर

टमाटर के रस में गुलाब जल और कच्चा दूध मिलाकर लगाएं। इससे कील, मुंहासों से राहत मिलेगी।

खीरा

खीरे के रस को चेहरे पर लगाएं। इससे आपके चेहरे की रंगत निखरने लगेगी। इसके अलावा खीरे को आंखों पर लगाने से डार्क सर्कल भी दूर होते हैं और आंखों को आराम मिलता है।

हल्दी

हल्दी में ताजी मलाई, आटा और कच्चा दूध मिलाकर चेहरे पर लगाएं। फिर 10 मिनट बाद चेहरा धो लें। इससे चेहरे पर निखार आ जाता है।

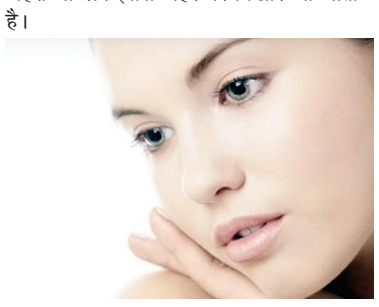

ब्यूटी और हैल्थ दोनों के लिए प्रभावी मुल्तानी मिट्टी

ब्यूटी और हैल्थ दोनों के लिए मुल्तानी मिट्टी प्रभावी होती है। इसे चेहरे पर लगाने से रंगत निखरती है और बालों में प्रयोग करने से वे घने व मुलायम होते हैं। यह त्वचा संबंधी रोगों को दूर कर ब्लड सर्कुलेशन ठीक करती है।

बालों के लिए

रुखे बालों के लिए चार चम्मच मुल्तानी मिट्टी के साथ 1/4 कप दही, दो चम्मच नींबू रस और दो चम्मच शहद मिलाकर बालों पर लगाएं। बाल मुलायम होंगे। मुल्तानी मिट्टी को चार घंटे तक भिगोकर उसमें रीठा पाउडर मिलाएं। इस पेस्ट को बालों में लगाने से तैलीय बालों की समस्या दूर होती है। नेचुरल कंडिशनिंग के लिए मुल्तानी में छाछ मिलाकर लगाएं। मुल्तानी मिट्टी को बालों में 10 मिनट से ज्यादा ना लगाएं।

गर्मियों में फायदेमंद

सनबर्न होने पर मुल्तानी मिट्टी को गुलाब जल या टमाटर के रस में मिलाकर लगाएं। मुल्तानी मिट्टी का लेप पैरों के तलवों में लगाने से ठंडक मिलती है। इसे नीम की पत्तियों वाले पानी में भिगोकर लेप करने से घमौरियां दूर होती हैं। फोड़े-फुंसियां होने पर इस मिट्टी में कपूर मिलाकर लगाएं। गर्मी में नकसीर की समस्या होने पर एक चौथाई गिलास पानी में रात को 5 चम्मच मुल्तानी मिट्टी भिगो दें। सुबह इसे छानकर नाक पर लेप करने से खून आना बंद हो जाएगा। ड्राई और सेंसटिव स्किन वालों को मुल्तानी मिट्टी का प्रयोग सप्ताह में एक बार ही करना चाहिए।

तैलीय त्वचा के लिए

ऑयली स्किन वालों के लिए यह फायदेमंद होती है ,क्योंकि यह चेहरे का तेल सोखकर मुंहासे दूर करती है। ऑयली स्किन वाले लोगों को इस मिट्टी में दही व पुदीने की पत्तियों का पाउडर मिलाकर लगाना चाहिए। गुलाब जल व मुल्तानी मिट्टी मिलाकर भी चेहरे पर लगाई जा सकती है। मुंहासे होने पर मिट्टी में सूखी नीम की पत्तियां मिलाकर लगाएं। रुखी त्वचा होने पर इसमें चंदन पाउडर मिलाकर लगाएं। आंखों के नीचे काले घेरे कम करने के लिए खीरे का रस व उबला आलू मुल्तानी मिट्टी में मिलाकर आंखों के नीचे 10-15 मिनट तक लगाएं।